हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 06.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 309 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

रेपो रेट 5.25% पर बरकरार, नहीं बढ़ेगी ईएमआई

नयी दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत आरबीआई ने करोड़ों लोनधारकों को बड़ी राहत देते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। इस फैसले के बाद होम, कार और पर्सनल लोन की ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा। केंद्रीय बैंक ने अपना रुख 'न्यूट्रल' रखा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और कमजोर मांग के चलते चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत किया गया है। इसके विपरीत, पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण खुदरा महंगाई का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा, आरबीआई ने भारतीय पूंजी बाजार को मजबूती देने के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और एनआरआई के निवेश नियमों को आसान बनाने का फैसला किया है।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित होंगे अगले वायु सेना उप प्रमुख

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने फाइटर पायलट एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को फिर से वायु सेना का उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। जाने-माने टेस्ट पायलट एक जुलाई को अपना नया पद संभालकर वायु सेना में सबसे अहम लीडरशिप पदों में से एक की जिम्मेदारी लेंगे। उनकी नियुक्ति ऐसे अहम समय पर हुई है, जब भारतीय वायु सेना अपने आधुनिकीकरण और क्षमता बढ़ाने के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है।

मणिपुर में 47 करोड़ की चार लाख याबा गोलियां बरामद

इम्फाल : मणिपुर के जिरीबाम जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए एक बड़े संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने लगभग 47 करोड़ मूल्य की चार लाख याबा गोलियां बरामद की हैं। इस मामले में बिहार निवासी एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गुरुवार दोपहर जिरीबाम जिले के लेंगांगपोकपी क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) तथा इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के जवान शामिल थे। संयुक्त दल ने एक टाटा मालवाहक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन में छिपाकर रखी गई चार लाख याबा गोलियां बरामद की गईं, जिन्हें तस्करी के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। मौके से ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया, जो बिहार का निवासी बताया गया है।

झामुमो का बड़ा दांव: राज्यसभा की दोनों सीटों पर ठोका दावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में होने वाले राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले सत्तारूढ़ महागठबंधन के भीतर बड़ी राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाते हुए सूबे की दोनों राज्यसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत दिया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद पार्टी के इस रुख से कांग्रेस खेमे में खलबली मच गई है। राजनीतिक गलियारों में इसे झामुमो का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है, जिससे आगामी चुनावों से पहले गठबंधन सहयोगियों के बीच दरार खुलकर सामने आ गई है।

मुख्यमंत्री आवास में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में सरकार के मंत्रियों और विधायकों समेत झामुमो के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद बाहर निकले राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने स्पष्ट कर दिया कि झामुमो दोनों ही सीटों पर अपने मजबूत प्रत्याशी मैदान में उतारेगा। विधानसभा के मौजूदा आंकड़ों का गणित पूरी तरह से इंडिया गठबंधन के पक्ष में दिखाई देता है, जहां झामुमो के 34, कांग्रेस के 16, राजद के 4 और भाकपा (माले) के 2 विधायकों को मिलाकर कुल संख्या 56 होती है। राज्यसभा सीट के लिए पहली प्राथमिकता के 28 वोटों की जरूरत को देखते हुए गठबंधन आसानी से दोनों सीटें जीत सकता है, लेकिन झामुमो और कांग्रेस के बीच मची इस खींचतान ने पूरी बाजी को दिलचस्प बना दिया है। वहीं दूसरी ओर, विपक्षी दल भाजपा ने भी पर्याप्त संख्या बल न होने के बावजूद चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है, जिससे क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं और सियासी सरगर्मी को और बल मिल गया है।

अंजनी सोरेन के नाम की चर्चा

इस बीच, कयासों का बाजार गर्म है कि झामुमो इस बार सोरेन परिवार के ही किसी सदस्य को राज्यसभा भेज सकता है। सियासी हलकों में मुख्यमंत्री की बड़ी बहन अंजनी सोरेन के नाम की चर्चा सबसे तेज है, जिन्होंने पहले भी राज्यसभा जाने की इच्छा प्रकट की है। इसके साथ ही बसंत सोरेन के परिवार से भी किसी नाम पर विचार किए जाने की अटकलें हैं।

कांग्रेस के द्वारा प्रत्याशी की घोषणा से झामुमो में नाराजगी

सूत्रों के अनुसार, झामुमो नेतृत्व इस बात से बेहद नाराज है कि कांग्रेस ने गठबंधन धर्म का पालन किए बिना और सहयोगी दलों को विश्वास में लिए बगैर ही अपने स्तर से प्रणव झा को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित कर दिया। झामुमो नेताओं का मानना है कि इस तरह के बड़े फैसलों पर पहले आपसी सहमति बननी चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस की एकतरफा घोषणा के बाद अब पार्टी अपने राजनीतिक वर्चस्व को कायम रखने के लिए दोनों सीटों पर खुद दांव खेलने जा रही है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जल्द ही उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक एलान कर सकते हैं।

भारतीय मुद्रा में जबरदस्त तेजी

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 81 पैसे उछला

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी पूंजी प्रवाह को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों के बाद घरेलू मुद्रा को जबरदस्त बूस्ट मिला है। शुक्रवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शानदार प्रदर्शन करते हुए 81 पैसे की भारी मजबूती के साथ 94.93 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी दिन बृहस्पतिवार को रुपया डॉलर के मुकाबले मामूली बढ़त के साथ 95.74 पर बंद हुआ था। शुक्रवार को कारोबार की शुरूआत में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला था, जिसके बाद दिनभर के उतार-चढ़ाव में यह 94.89 के उच्च स्तर तक पहुंच गया।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से नीतिगत रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने और न्यूट्रल रुख बनाए रखने का फैसला किया है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखकर और चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत करके यह साफ संकेत दे दिया है कि ब्याज दरों की नीति का इस्तेमाल मुख्य रूप से महंगाई को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा, जबकि रुपए की स्थिति को संभालने के लिए कैपिटल अकाउंट का सहारा लिया जाएगा।

ग्लोबल मार्केट की बात करें तो दुनिया की छह प्रमुख करेंसी के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.19 प्रतिशत गिरकर 99.22 पर आ गया। वहीं दूसरी ओर इंटरनेशनल मार्केट में ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव भी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 94.75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को मामूली कमजोरी देखी गई, जहां सेंसेक्स 116.67 अंक गिरकर 74,243.34 पर और निफ्टी 49.85 अंक फिसलकर 23,366.70 के स्तर पर बंद हुआ। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से पैसे खींचे और बृहस्पतिवार को शुद्ध बिकवाल रहते हुए 4,447.06

राज्यसभा चुनाव के लिए खरगे ने नामांकन दाखिल किया

एजेंसी

बेंगलुरु : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। राज्यसभा चुनाव 18 जून को होना है। नामांकन दाखिल करने के दौरान केसी वेणुगोपाल, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद सहित अनेक प्रमुख नेता उपस्थित थे।

शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित विधान सौधा में एआईसीसी अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक रूप से राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी को पार्टी के सभी विधायकों और नेताओं का एकजुट समर्थन प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि आज मैंने अपना नामांकन दाखिल किया है। सभी विधायक और पार्टी के नेताओं ने मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना है। मैं उनके विश्वास और समर्थन के लिए उनका आभारी हूं।

मॉनसून सत्र में फिर आ सकता है परिसीमन विधेयक

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में परिसीमन विधेयक को दोबारा संसद के पटल पर रखने की तैयारी कर रही है। इससे पहले, अप्रैल 2026 में बुलाए गए विशेष संसदीय सत्र के दौरान यह महत्वपूर्ण विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण पारित नहीं हो सका था। हालांकि, बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच इस बार सरकार को संसद में अपना समर्थन बढ़ने की पूरी उम्मीद है।

संवैधानिक संशोधनों से जुड़े इस विधेयक को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की दरकार थी। अप्रैल में हुए प्रयास के दौरान सरकार को करीब 298 सांसदों का समर्थन हासिल हुआ था, जो कि जरूरी आंकड़े से काफी कम था। इस गतिरोध को तोड़ने के लिए भाजपा और केंद्र सरकार ने अब अपनी रणनीति बदल दी है। नए सिरे से बनाई जा रही रणनीति के तहत सरकार कुछ प्रमुख क्षेत्रीय दलों और विपक्षी सांसदों का मुद्दावार समर्थन जुटाने के प्रयास में लग गई है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा तेज है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कुछ असंतुष्ट धड़े और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद इस विधेयक पर सरकार के पक्ष में मतदान कर सकते हैं।

इस प्रस्तावित विधेयक के तहत देश में लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण और उनकी संख्या में भारी बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया है। विभिन्न सूत्रों के अनुसार, इसके कानून बनने के बाद लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़कर लगभग 800 से 850 तक की जा सकती है। सीटों की यह वृद्धि पूरी तरह से जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं और प्रतिनिधित्व के पुनर्गठन से जुड़ी होगी।

हालांकि, इस विधेयक को लेकर राजनीतिक विवाद भी कम नहीं है। दक्षिण भारत के कई राज्यों और प्रमुख विपक्षी दलों ने इस पर अपनी गहरी आशंका जताई है। उनका तर्क है कि जनसंख्या आधारित परिसीमन लागू होने से अधिक आबादी वाले राज्यों को संसद में अपेक्षाकृत अधिक सीटें मिल जाएंगी, जिससे राज्यों के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मौजूदा संतुलन पूरी तरह बिगड़ सकता है। विपक्ष के इन आरोपों और चिंताओं को दूर करने का प्रयास करते हुए सरकार ने आश्वस्त किया है कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी राज्य के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

फिलहाल आगामी मॉनसून सत्र की आधिकारिक तारीखों की घोषणा होना बाकी है, लेकिन संसदीय सूत्रों का दावा है कि सरकार इस सत्र में परिसीमन के साथ-साथ महिला आरक्षण से जुड़े लंबित विधेयकों को भी आगे बढ़ाने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

मणिपुर : बंदूकधारियों ने की तीन ग्रामीणों की हत्या

कांगपोकपी : मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार तड़के हुए एक सशस्त्र हमले में तीन नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई घरों और वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और भय का माहौल है। सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में अतिरिक्त जवान तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में लेने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस के अनुसार, कांगपोकपी जिले के न्यू केइथेलमानबी क्षेत्र अंतर्गत लोइबोल खुल्लेन गांव में शुक्रवार सुबह करीब चार बजे भारी हथियारों से लैस बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। हमलावर कथित तौर पर गांव में घुस गए और सो रहे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। इस हमले में तीन ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई।

सुखोई-57 लड़ाकू विमानों को लेकर रूसी राष्ट्रपति पुतिन का भारत को विशेष प्रस्ताव

भारत में ही संयुक्त रूप से होगा उत्पादन

एजेंसी

नयी दिल्ली : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के साथ अपनी गहरी दोस्ती को एक बार फिर रेखांकित करते हुए देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। सेंट पीटर्सबर्ग में मीडिया से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस अपने सबसे आधुनिक और उन्नत पांचवीं पीढ़ी के सुखोई-57 (सु-57) स्टील्थ लड़ाकू विमान कार्यक्रम को लेकर भारत के साथ हर तरह का

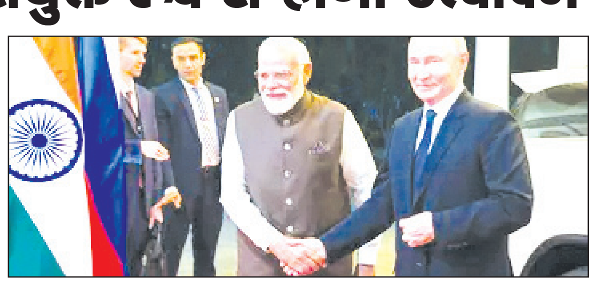

समझौता करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस न केवल यह अत्याधुनिक लड़ाकू विमान भारत को सौंपने के लिए तैयार है, बल्कि भारत में ही इसके सह-उत्पादन और इसके आगे के विकास के लिए मिलकर काम करने को भी राजी है। पुतिन ने इस विमान की जमकर तारीफ की और इसे वर्तमान समय में दुनिया का सबसे सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमान बताया।

अन्नामलाई ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ी, इस्तीफा मंजूर

एजेंसी

नयी दिल्ली : तमिलनाडु के नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूरी तरह नाता तोड़ लिया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने आज जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

विज्ञप्ति के अनुसार, अध्यक्ष नितिन नवीन ने के. अन्नामलाई की पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया गया इस्तीफा मंजूर कर लिया है।

अन्नामलाई आज दोपहर बड़ा ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने कल एक्स प्लेटफॉर्म पर कहा था कि वह शुक्रवार को 12 बजे अपने दिल की बात रखेंगे। माना जा रहा है कि अन्नामलाई अलग रास्ता चुनते हुए अपनी पार्टी की घोषणा कर सकते हैं।

बगावतों के बीच ममता बनर्जी ने आनन-फानन में लिए बड़े फैसले

एजेंसी

कोलकाता : विधायकों की बगावत और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में हुए ऐतिहासिक विभाजन के बाद पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने संगठन को बिखरने से बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। अपने 28 साल के इतिहास में पहली बार इतने बड़े संकट का सामना कर रही टीएमसी को एकजुट रखने के लिए ममता बनर्जी खुद मोर्चे पर उतर आई हैं। उन्होंने पिछले दो दिनों में हावड़ा, मुर्शिदाबाद और उत्तर दिनाजपुर जैसे संवेदनशील इलाकों के कई विधायकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क साधा है। गौर करने वाली बात यह है कि इनमें से कई विधायक हाल ही में निष्कासित नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी खेमे की बैठकों में शामिल होते देखे गए थे। इस बीच, 58 बागी विधायकों ने पार्टी विधायक दल पर अपना नियंत्रण स्थापित करते हुए रीताब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता भी चुन लिया है, जिसने ममता बनर्जी के सामने एक बेहद असहज स्थिति पैदा कर दी है।

इस बड़े राजनीतिक संकट के बीच शुक्रवार को आनन-फानन में तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक बुलाई गई, जिसमें पार्टी को नए सिरे से संगठित करने के लिए पांच बेहद महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक के बाद वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की सहायता के लिए अब डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन को राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। इसके साथ ही, विभिन्न राज्यों से मिलने वाले सुझावों के आधार पर वहां जल्द ही नई कमेटियों का गठन किया जाएगा।

आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ाने वालों ने देश को दूसरों पर निर्भर बनाए रखा था: पीएम

एजेंसी

सूरत : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न अभियान की आलोचना करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने देश को लंबे समय तक दूसरे देशों पर निर्भर बनाए रखा और आज भी भारत के संकल्पों को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया इस समय अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। कोरोना महामारी, विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। इसके बावजूद पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और गैस आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी मुश्किलों का भारत ने 140 करोड़ नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से मजबूती से सामना किया है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने जो क्षमता विकसित की है, उसका महत्व मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में साफ दिखाई देता है।

गुजरात के योगदान की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राज्य ने रिफाइनिंग, सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाकर देश को एक मजबूत आधार दिया है। आज भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जिसमें अकेले गुजरात का योगदान 50 गीगावाट है। यानी देश की हरित ऊर्जा का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरात से आता है। अब देश ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया जैसे भविष्य के ऊर्जा क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और इसमें भी हजीरा को देश के बड़े समुद्री औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। इस अभियान को गति देने के लिए सरकार ने वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) और बुलेट ट्रेन जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया है।

पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने किया शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने शुक्रवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों की समस्याओं का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. के.के. सिंह से मुलाकात कर अस्पताल में व्याप्त समस्याओं, मरीजों को हो रही परेशानियों तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान मुन्ना सिंह ने विभिन्न वार्डों, ट्रॉमा सेंटर और अन्य विभागों का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। कई मरीजों और परिजनों ने अस्पताल में संसाधनों के विस्तार तथा कर्मचारियों की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। मुन्ना सिंह ने कहा कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के हजारों गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए उम्मीद का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अस्पताल की व्यवस्थाओं का सुदृढ़ और प्रभावी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मरीजों को समय पर इलाज, दवा, जांच और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. के.के. सिंह ने बताया कि जिन समस्याओं की जानकारी उन्हें प्राप्त हुई थी, उनमें से कई का समाधान कर दिया गया है तथा शेष समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

निरीक्षण के बाद मुन्ना सिंह ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने वार्ड बॉयों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों से मुलाकात की। गौरतलब है कि गुरुवार रात ट्रॉमा सेंटर में मरीज के परिजनों और कर्मचारियों के बीच हुए विवाद के बाद वार्ड बॉय हड़ताल पर चले गए थे, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने लगी थीं। मुन्ना सिंह ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा, सम्मान और कार्यस्थल की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। उनके आश्वासन के बाद वार्ड बॉयों ने हड़ताल समाप्त कर पुनः कार्य पर लौटने का निर्णय लिया, जिससे अस्पताल की सेवाएं सामान्य हो सकीं। इस दौरान अस्पताल के आउटसोर्सिंग कर्मियों ने भी अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। कर्मचारियों ने बताया कि नर्सों को दो माह, कंप्यूटर ऑपरेटरों को पांच माह, सुरक्षा गार्डों को सात माह तथा वार्ड बॉयों को नौ माह से वेतन एवं मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। कर्मचारियों का कहना था कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। मुन्ना सिंह ने कहा कि अस्पताल में दिन-रात मरीजों की सेवा करने वाले कर्मचारियों को समय पर वेतन और सम्मानजनक कार्य वातावरण मिलना चाहिए।

एक नजर

जनगणना को लेकर बीडीओ ने पर्यवेक्षकों के साथ की समीक्षा बैठक

बड़कागांव : 2027 जनगणना कार्य को लेकर प्रखंड में मकान सूचीकरण कार्य को लेकर जनगणना चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी काफी संवेदनशील नजर आ रहे हैं। निरंतर कार्यों की औचक निरीक्षण कर रहे हैं ताकि समय अवधि तक कार्य पूरा हो सके। शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय सभागार भवन में बीडीओ ने पर्यवेक्षकों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। बीडीओ ने जनगणना में मकान सूचीकरण को लेकर 14 जून से पूर्व कार्य को पूरा कर लेने का सख्त निर्देश दिया है। कहा है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरते। निर्धारित कार्य को समय पूर्व पूरा करें अन्यथा स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। उक्त कार्य के लिए बड़कागांव प्रखंड में 257 प्रगणक एवं 45 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं।

भाजपा मंडल की मासिक बैठक संपन्न एवं पर्यावरण दिवस पर कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

बड़कागांव : भारतीय जनता पार्टी, बड़कागांव मंडल की संगठनात्मक मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता की अध्यक्षता में सांसद कार्यालय में संपन्न हुई। तथा संचालन मंडल महामंत्री नरसिंह प्रसाद द्वारा किया गया। बैठक की समाप्ति की घोषणा मंडल महामंत्री मनीष पांडे के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा 12 वर्ष में चलाए जा रहे योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने, संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और बूथ स्तर तक पार्टी के कार्यों को सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

संगठनात्मक मजबूती पर जोर : बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य मंडल अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का मुख्य आधार उसके देवतुल्य कार्यकर्ता और मजबूत संगठन है। आगामी दिनों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन के विस्तार के लिए सभी कार्यकताओं को पूरी ऊर्जा के साथ जुटना होगा। प्रत्येक बूथ को मजबूत करना सभी कार्यकताओं सर्वोच्च प्राथमिकता है। मासिक बैठक के उपरांत, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बड़कागांव मंडल द्वारा पार्टी के कार्यकताओं के साथ में फलदार और छायादार पौधे लगाए।

भीषण गर्मी में सरकारी संस्थान का हाल बेहाल

पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं लोग महीनों से खराब पड़े है चापानल

प्रत्यूष नवबिहार (मिथुन मेहता)

हजारीबाग : एक तरफ सरकार बड़ी बड़ी आंकड़े पेश करने में जुड़ी है तो दूसरी तरफ वहीं आंकड़ा जमींदोज होती नजर आ रही है। सरकार अपने ही संस्थान में पेयजल आपूर्ति के सारे दावे अब फाइलों में ही दबती नजर आ रही है। कई दिन पहले ही झारखंड सरकार ने सभी अधिकारियों को पयेजल को लेकर दिशा निर्देश करने के बावजूद भी अधिकारियों के आंखें अबतक खुलती नजर नहीं आ रही है। तभी तो आज भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल में बंद पड़ा है कई महीनों से चापानल,जो अबतक नही बन सका। पदमा प्रखंड के चम्पाडीह में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ,जो इस भीषण गर्मी और उमस में बिना पानी, बिना सुचारू व्यवस्था से चल रही है, मरीजों के साथ आने वाले परिजन और आमलोग अपनी प्यास बुझाने के लिए दर दर भड़क रहे हैं। स्थानीय घर के आसपास से पानी मांग कर बुझा रहे हैं प्यास। इस अस्पताल के महिला सेविका में कार्यरत (मानव दीदी) बतातीं है कि मुखिया निधी फंड से आया हुआ एक पेयजल आपूर्ति मशीन लगाई गई है जो मरीजों के लिए। सोलर भी लगा है लेकिन कनेक्शन पर्याप्त नहीं हुआ है जिससे पानी की समस्याएं बनी रहती है। एक नल भी लगा है जो टंकी से नहीं मोटर स्टार्स रहने से ही नल में ही पानी उपलब्ध हो पाता है। टंकी भर जाने के बाद मोटर्स बंद किया जाता है जिससे नल में पानी उपलब्ध नहीं हो पाती है। टंकी से जुड़ा नल और पानी की व्यवस्था एक भी बहार आम लोगों के लिए और मरीज के परिजनों के लिए उपलब्ध नहीं है।

पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण करनी चाहिए : कपिल केशरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, बरही अनुमंडल इकाई की ओर से गुरुवार को बरही क्षेत्र में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित ने की।

इस दौरान दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, आर एन वाई एम कॉलेज बरही, बरही अनुमंडलीय अस्पताल तथा तिलैया रोड स्थित उत्सव वाटिका परिसर में दर्जनों छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में कौशल केंद्र के बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी, प्रदेश अध्यक्ष झारखंड कृष्णा प्रजापति, प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव, तुलसी यादव, रवि शंकर कुमार, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष डॉ संगीता चौधरी, दिलीप गुप्ता, जनार्दन प्रसाद चौरसिया आदि मौजूद रहे। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, बिजेंद्र कुमार, सुधांशु कुमार, जिला उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, डॉ निजामुद्दीन अंसारी की भी सकारात्मक भागीदारी रही। उत्सव वाटिका में लोकेश मिश्रा , ब्रह्मदेव यादव एवं उनकी टीम ने सहयोग किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी ने कहा, ₹पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं। पर्यावरण संरक्षण एक दिन का नहीं, बल्कि सतत जिम्मेदारी है। हमारा संगठन समाज को जागरूक करने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाता रहेगा।" प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा, ₹आज लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी हमारी है। संगठन इनकी निगरानी करेगा। हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम 5 पौधे जरूर लगाने चाहिए।"प्रदेश संयोजक भरत यादव बोले, "पर्यावरण दिवस का असली मतलब धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेना है। यह पौधारोपण आने वाली पीढ़ी के लिए हमारा उपहार है।"

गोवा में ऑल इंडिया इंडोर आर्चरी टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा, एक गोल्ड समेत 5 मेडल जीते

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रथम ऑल इंडिया इंडोर आर्चरी टूनामेंट 2026, गोवा में चल रहे प्रतियोगिता में बड़कागांव के प्रतिभावान बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें एक गोल्ड मेडल, एक सिल्वर मेडल एवं तीन कांस्य मेडल कुल 5 मेडल जीतकर बड़कागांव का नाम रोशन किया।टूर्नामेंट में अंडर 13 बालक वर्ग (इण्डियन राउंड)में अभिषेक कुमार ने स्वर्ण पदक और पीयूष कुमार ने रजत पदक जीत कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया । वहीं अंडर -15 बालिका वर्ग (इंडियन राउंड) में प्रिया कुमारी ने कास्य पदक तथा अंडर-21 बालिका वर्ग(इण्डियन राउंड)में अम्बिका कुमारी ने कास्य पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता को मेडल के साथ रू30000, रजत पदक विजेता को रू20000 तथा कांस्य पदक विजेता को रू10000 रुपया उपहार स्वरूप दिया गया। वही सीनियर बालक वर्ग (इण्डियन राउंड) में जिज्ञाषु रंजन ने कास्य पदक के साथ रू20000 पुरस्कार जीता। मेडल जीतने पर बड़कागांव काली मंदिर प्रांगण में सभी प्रतिभागियों को शिक्षाविद खेल प्रेमी एवं प्रबुद्ध लोगों के द्वारा माला पहनाकर एवं ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया गया। चौक चौराहे पर स्वागत जुलूस निकाला गया। तथा मंदिरों में मत्था टेकर आशीर्वाद लिया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, उप प्रमुख वचन देव कुमार, कोच अमित कुमार सिंह एवं दुर्गेश कुमार,उप मुखिया सत्यदेव कुमार, धर्मनाथ महतो, जयनाथ महतो, राम लखन महतो, चेतलाल राम, राजू कुमार, रवि कुमार रवि, कमलेश श्रीवास्तव, देवेंद्र कुमार, वीपेंद्र कुमार, कामेश्वर महतो, राकेश रंजन ने बधाई दी एवं हर्ष हर्ष व्यक्त किया ।

तलसवार पंचायत मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : उप निदेशक पंचायती राज, झारखंड के निदेर्शानुसार 5 जुन को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर तलसवार पंचायत मुख्यालय में मुखिया गीता देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसका संचालन पंचायत सचिव गौतम कुमार ने किया। मुखिया गीता देवी ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन हैं इनके बिना हम जीवित नहीं रह सकते हैं। पेड़ पौधे से ही हमें शुद्ध वायु और जल मिलता है। वहीं पंचायत सचिव गौतम कुमार ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन के अंग हैं। पेड़ पौधे से ही हमें फल, फूल और भोजन मिलता है। साथ ही पर्यावरण का संतुलन को बनाए रखता है। तत्पश्चात मुखिया एवं पंचायत सचिव के द्वारा पंचायत में चल रही दीदी बाड़ी योजना एवं पेयजल योजनाओं की समीक्षा की गई। तत्पश्चात विश्व पर्यावरण दिवस के मौके उपस्थित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उतम सरोवर में संयुक्त रूप से पौधारोपण का कार्य किया गया। वहीं मौके पर उपस्थित मुखिया गीता देवी, पंचायत सचिव गौतम कुमार, एस आई ओमप्रकाश कुमार, वार्ड सदस्य अजय कुमार महतो, लवकुश तुरी, ममता देवी, जलसहिया रेखा देवी,जी सीआरपी रेखा देवी, सुरेन्द्र कुमार दास, छोटू कुमार, अजय कुमार, नगीना कुमारी, ललिता कुमारी, सुषमा देवी, रीना देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर बसरिया पंचायत में ग्राम सभा, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बरही : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरही प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत के पंचायत सचिवालय में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस दौरान पंचायत सचिवालय परिसर में पंचायत की मुखिया नीलम देवी ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लगातार बढ़ रही गर्मी और मौसम में हो रहे बदलाव पृथ्वी के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में इसके दुष्परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। मुखिया नीलम देवी ने सभी ग्रामीणों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर बड़ा करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में पंचायत सचिव प्रियंका प्रकाश, पूर्व मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, समाजसेवी नागेश्वर रजक, पंकज कुमार, रीना देवी, राजदेव कुमार सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम सभा के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया और हर व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने का आह्वान किया गया।

भाजपा बरही पश्चिमी मंडल की संगठनात्मक बैठक संपन्न, विश्व पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधरोपण

बरही : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बरही पश्चिमी मंडल की संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यालय, बरही में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने कार्यकताओं से संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाने और पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के उपरांत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी अभियान ₹माँ के नाम एक पेड़₹ के तहत भाजपा कार्यकताओं द्वारा पौधरोपण किया गया। इस दौरान नेताओं और कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी, मंडल उपाध्यक्ष नवल किशोर सिंह, मंडल महामंत्री मनोज उपाध्याय एवं दिनेश साव, पंकज वर्णवाल, धर्मेंद्र यादव, ब्रजेश ठाकुर, मोती रजक, दिलीप कुमार, रघु मोदी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का समापन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

एसआईआर को लेकर अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

बरही : बरही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) को लेकर अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी जोहन टुडू ने शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय में सभी मान्यता प्राप्त दलों के साथ बैठक की। वहीं बैठक में मौजूद सभी दलों के लोगों ने कहा कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से नहीं कटना चाहिए और ना ही किसी अयोग्य व्यक्ति को जोड़ा जाना चाहिए। अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी जोहन टुडू ने बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा - निर्देश को अक्षरशः पालन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। राजनीतिक दलों ने भी इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग देने का वादा किया। गौरतलब है कि राज्य में 30 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने वाला है, जिसके लिए 15 जून से बीएलओ की ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी। बैठक में कांग्रेस, भाजपा एवं जेएमएम समेत अन्य दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। दलों का मानना था कि राज्य के हर 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल रहे। बैठक में भाजपा नेता रमेश ठाकुर, गुरूदेव गुप्ता, विजय यादव एवं कांग्रेस नेता मो तौकीर समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसपी ने किया पौधरोपण पुलिसकर्मियों को दिलाई अधिक वृक्ष लगाने की शपथ

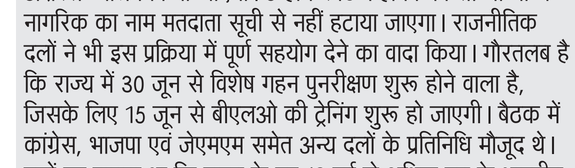

हजारीबाग : अमन कुमार भा.पु.से. पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के द्वारा आज दिनांक 05-06-2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुलिस केंद्र हजारीबाग में पौधारोपण समारोह का आयोजन किया गया, समारोह में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, परिचारी प्रवर पुलिस केंद्र हजारीबाग सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे, इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने स्वयं पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए संकल्पित कराया, एसपी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए हर व्यक्ति को पौधारोपण में भागीदारी निभानी होगी, पुलिस परिवार भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अदाणी फाउंडेशन ने लगाए 300 पौधे

▸ विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित, विजयी बच्चे हुए पुरस्कृत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन ने शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके तहत परियोजना के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अदाणी कार्यालय परिसर, चंदौल मिड्ल स्कूल, प्राथमिक विद्यालय होरम और बेस स्थित मिड्ल स्कूल में बड़ी संख्या में फलदार एवं छायादार पौधे लगाए और उसका वितरण किया। गर्मी छुट्टियों के चलते स्कूल बंद होने के बाद भी बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भी पौधरोपण किया। इसके अलावा ग्रामीणों के बीच झारखण्ड स्टेट प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के साथ मिलकर अदाणी फॉउंडेशन ने करीब छह सौ जूट बैग का भी वितरण किया। ये बैग इको फ्रेंडली हैं जो प्लास्टिक का विकल्प बनेंगे और पर्यावरण की रक्षा भी करेंगे। अदाणी फाउंडेशन ने इस अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि फाउंडेशन के इस प्रयास से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। वक्ताओं ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण बचाने का आह्वान किया।

बड़कागांव थाना में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस थाना प्रभारी ने लगाए पौधे

बड़कागांव : विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह द्वारा थाना परिसर में पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आम का पौधा सहित कई तरह का थाना परिसर में पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण के प्रति हर व्यक्ति को अपनी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। वृक्ष न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य की आधारशिला भी रखते हैं। इस अवसर पर लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। ताकि वातावरण को हराभरा एवं सुंदर बनाने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक हो। मौके एसआई अभिषेक कुमार, अमित कुमार सहित थाना के कई अधिकारी पुलिस के जवान शामिल थे।

एनएमएल पकरी बरवाडीह में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

बड़कागांव : एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण शपथ के साथ हुआ, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री के आह्वान से प्रेरित "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास, महाप्रबंधक (इन्फ्रा) पवन कुमार रावत, विभिन्न विभागाध्यक्षों तथा बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने संबोधन में सुब्रत कुमार दास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है।

एक नजर

एनसीसी और आईटीआई ने किया पौधरोपण

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गवर्नमेंट आईटीआई (सामान्य), रांची परिसर में एनसीसी-3 झारखंड बटालियन की ओर से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और प्रकृति के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस दौरान संस्थान परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित एनसीसी-3 झारखंड बटालियन के सूबेदार मेजर कृष्ण देव ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के लिए समर्पित रहते हैं। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण मानव समाज की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है और वृक्षारोपण इस दिशा में सबसे प्रभावी प्रयासों में से एक है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में ही नहीं, बल्कि स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि एनसीसी भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

मत्स्य निदेशालय में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मत्स्य निदेशालय की ओर से मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार (धुर्वा) में पौधरोपण किया गया इस अवसर पर मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए। मौके पर निदेशक ने अपने संदेश में कहा कि पेड़ पौधे हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं। इसलिए इसकी देखभाल जरूरी है। उन्होंने हरी-भरी वसुंधरा का श्रंगार करने व पर्यावरण से प्यार करने की अपील की। इस अवसर पर उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता, उप निदेशक शंभू प्रसाद यादव, मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक सहित निदेशालय के अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एनएच-33 के किनारे हुआ वृक्षारोपण

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पेटसी (पीईटीसीआई) संस्था ने राष्ट्रीय राजमार्ग-33 (रांची-महूलिया मार्ग) पर बारूटोली गांव के समीप वृक्षारोपण अभियान चलाया। कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के सलाहकार सुरेंद्र कुमार, क्षेत्रीय पदाधिकारी संतोष कुमार आर्या, परियोजना निदेशक विजय कुमार, संयुक्त सलाहकार हरिशंकर गुप्ता, प्रबंधक (तकनीकी) चंदन आशीष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पेटसी के सचिव अर्चित आनंद ने बताया कि पर्यावरण दिवस पर एनएचएआई, रांची के सहयोग से 105 पौधे लगाए गए, जिनमें करंज, गुलमोहर, नीम और जामुन शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन विषयक प्रतियोगिताएं आयोजित

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के तत्वावधान में सिडहा एवं वानिकी के विद्यार्थियों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित करना था। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी, रंगोली, निबंध लेखन, चित्रकला तथा ्रकचरे से कलाकृति्र प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, कहा

वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को रांची स्थित लोक भवन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल सरकारों या संस्थाओं की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन में उनका विशेष योगदान होता है।

उन्होंने कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की भी आधारशिला हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

राज्यपाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी लोग प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें और अपने आसपास हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रामीण जागरूकता अभियान आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के बीच पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीन प्रखंडों के एक दर्जन से अधिक गांवों के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि पर्यावरण दिवस पर सिर्फ पेड़ लगा देना ही पर्याप्त नहीं है। यह दिवस आत्मनिरीक्षण का अवसर है, जब हमें स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए कि हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति कितने संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मात्र पेड़-पौधों और जंगलों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी पूरी जीवनशैली इससे जुड़ी हुई है।

डॉ. मुरारी ने कहा कि हम कितना कार्बन उत्सर्जन करते हैं, पानी का उपयोग किस प्रकार करते हैं, कूड़े-कचरे के निस्तारण के प्रति हमारा दृष्टिकोण क्या है, हम क्या खाते और खरीदते हैं, घर निर्माण में किन सामग्रियों का उपयोग करते हैं तथा वाहनों का कितना और कैसे उपयोग करते हैं—ये सभी प्रश्न पर्यावरण से सीधे जुड़े हुए हैं। हमारी सोच और जीवनशैली ही हमारे पर्यावरण-प्रेमी होने का वास्तविक पैमाना है।

पर्यावरण विभाग के प्रमुख अरूप दत्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी तथा स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।

लालगंज गांव के मुखिया अनिल लिंडा ने कहा कि स्वच्छ और हरित गांव का निर्माण सभी ग्रामीणों की भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने लोगों से पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए भी आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम में पर्यावरण विभाग से सचिंद्र कुमार एवं पवन गुप्ता तथा सीएसआर विभाग से बरुण कुमार और मेवालाल महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक्यूप्रेशर परिषद कार्यालय में बृज बिहारी पांडे की पुणयतिथि मनाई गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची :एक्यूप्रेशर परिषद कार्यालय टाटी सिलवे में स्वर्गीय बृज बिहारी पांडे की 14 में पुण्यतिथि एवं विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम का शुरूआत स्वर्गीय बृज बिहारी पांडे पुजारी जी की चित्र पर माला अर्पण दीप प्रज्वलित कर वृक्षारोपण के साथ आरंभ किया गया कार्यक्रम में अतिथियों के द्वारा श्री बृज बिहारी पांडे को सरदार सुमन अर्पण कर उनके द्वारा एक्यूप्रेशर को प्राकृतिक चार्जर की उपाधि दी उसे पर प्रकाश डाला गया इस कार्यक्रम में एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के सचिव डॉक्टर मधुसूदन पांडे ने कहा की एक्यूप्रेशर का पर्यावरण से बड़ा गहरा संबंध है यदि हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो एक कदम नेचर की तरफ पर्यावरण की तरफ बढ़ने की जरूरत है स्वस्थ रहने की कला एक्यूप्रेशर पूर्ण रूप से पर्यावरण को समर्पित चिकित्सा पद्धति है इसका विस्तार आम जनों तक पहुंचने का पर्यावरण से अच्छा कोई साधन नहीं है कार्यक्रम का संचालन डॉ बलराम महतो के द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉक्टर नरेश महतो श्री राम टहल चौधरी पुरुषोत्तम मिश्रा योग पर शिक्षक अनुज सिंह अमित कुमार शर्मा सुदेश महतो श्री प्रकाश बरनवाल सुधा तिवारी शोभा कुलदीप पूजा वंदना खुशबू कुमारी प्रोफेसर लखन मिश्रा इत्यादिक का एक गण्यमन लोग उपस्थित थे धन्यवाद ज्ञापन पत्रकार सुरेंद्र ठाकुर और अर्जुन ठाकुर के द्वारा किया गया

हेसल में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हेसल पंचायत सचिवालय में विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर हेसल मुखिया कविता देवी के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया।

मुखिया कविता देवी ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल करने की भी अपील की।

कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण सुरक्षित होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। मौके पर ग्राम प्रधान रामनाथ करमाली पंचायत सचिव तस्लीम अंसारी बिनोद महतो आदि शामिल थे।

नशे के खिलाफ दो दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

युवाओं को नशे के दलदल से बचाना जरूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को तबाह कर देता है। राज्य में बढ़ती नशाखोरी के बीच लोगों को जागरूक करने और उन्हें एक नई जिंदगी देने के उद्देश्य से डोरंडा के शौर्य सभागार में शुक्रवार को दो दिवसीय विशेष जागरूकता सह मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस महत्वपूर्ण आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञों ने राज्य में पैर पसारते नशे के कारोबार और इसके दुष्प्रभावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम का दूसरा सत्र 8 जून को आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो के सैफ उमर ने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिबंधित नशीली दवाओं पर रोक लगाने के साथ-साथ उनके सामाजिक और आर्थिक नुकसान से लोगों को अवगत कराना है। उन्होंने नशे से जुड़ी भ्रांतियों और मिथकों को दूर करते हुए बताया कि अक्सर बेघर, बेरोजगार या जीवन से निराश लोग धीरे-धीरे नशे के आदी हो जाते हैं। ऐसे लोगों की सही समय पर काउंसलिंग और उचित इलाज बेहद जरूरी है। यदि लंबे समय से नशा कर रहे व्यक्ति को सही समय पर चिकित्सा मिले, तो वह इस लत से पूरी तरह मुक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी सकता है।

केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान के डॉ. संजय कुमार मुंडा ने इस अभियान को नशामुक्ति की दिशा में एक प्रभावकारी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य फोकस स्कूल-कॉलेज के छात्र, युवा और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग हैं, जो तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। उन्होंने इसके पीछे के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तनाव, सामाजिक उपेक्षा, करियर की चिंता और पारिवारिक समस्याएं युवाओं को नशे की ओर धकेलती हैं। शुरूआत अक्सर शौक या जिज्ञासा से होती है, जो बाद में गंभीर लत का रूप ले लेती है।

वहीं, रिनपास के मनोचिकित्सक डॉ. सजल अशीष नाग ने युवाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि नशा पीड़ितों के इलाज के लिए रिनपास में 50 बेड की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है, जबकि केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान में भी पीड़ितों के लिए 50 बेड की विशेष व्यवस्था की गई है।

रांची रेलमंडल में अब 10 स्टेशन हॉल्ट, दक्षिण-पूर्व रेलवे ने दी मंजूरी

रांगामाटी-सुईसा के बीच 8.17 करोड़ की लागत से बनेगा नया हॉल्ट; यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में रेल नेटवर्क के विस्तार और स्थानीय यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर एक बड़ा फैसला लिया गया है। रांची रेलमंडल के तहत अब स्टेशन हॉल्ट की संख्या 9 से बढ़कर 10 होने जा रही है। दक्षिण-पूर्व रेलवे (रएफ) मुख्यालय ने इस संबंध में मंडल रेल प्रशासन के प्रस्ताव को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

यह नया स्टेशन हॉल्ट रांगामाटी और सुईसा स्टेशन के बीच तैयार किया जाएगा। यह पूरा क्षेत्र चांडिल-मुरी रेलखंड के अंतर्गत आता है, जो इस मंडल के सबसे व्यस्ततम और महत्वपूर्ण रेलमार्गों में से एक है। इस मार्ग से हावड़ा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनें भी गुजरती हैं। इस नए हॉल्ट के निर्माण पर कुल 8.17 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। स्थानीय निवासियों और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो की लंबे समय से चली आ रही मांग के बाद रेलवे बोर्ड ने यह कदम उठाया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस नए हॉल्ट के निर्माण के बाद शुरूआत में दो स्थानीय पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें बड़काकाना-टाटानगर पैसेंजर और हटिया-आदित्यपुर पैसेंजर मुख्य रूप से शामिल हैं। इस पूरी परियोजना के तहत यात्रियों की सुविधा के लिए 460 मीटर लंबा हाई-लेवल प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। इसके अलावा स्टेशन परिसर में वाटर बूथ के जरिए पेयजल सुविधा, शौचालय और एक आधुनिक टिकट काउंटर का निर्माण भी किया जाएगा। चूंकि यह एक हॉल्ट श्रेणी का स्टेशन होगा, इसलिए यहाँ कमर्शियल स्टाफ की स्थायी तैनाती के बजाय एजेंटों के माध्यम से टिकटों की बिक्री की जाएगी। इन टिकट एजेंटों का चयन रांची रेलमंडल प्रशासन द्वारा तय नियमों के आधार पर किया जाएगा।

रांची रेलमंडल के डीआरएम करुणानिधि सिंह ने इस संबंध में बताया कि रांगामाटी-सुईसा के बीच नया स्टेशन हॉल्ट बनाने की बोर्ड स्तर से स्वीकृति मिल चुकी है। वर्तमान में इसके आगे की कागजी और प्रशासनिक प्रक्रिया चल रही है, जिसके पूरे होते ही धरातल पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

क्या होता है हॉल्ट स्टेशन?

भारतीय रेलवे में 'हॉल्ट' सबसे छोटी श्रेणी का स्टेशन माना जाता है। यहाँ बहुत भारी-भरकम बुनियादी ढांचा या बड़े वेटिंग रूम नहीं होते और रेलवे का नियमित स्टाफ भी तैनात नहीं होता है। यहाँ मुख्य रूप से स्थानीय पैसेंजर ट्रेनों को जन-आकांक्षाओं और ऑन-रिक्वेस्ट के आधार पर रोका जाता है ताकि ग्रामीण व दूर-दराज के इलाकों के लोगों को बड़े शहरों से जोड़ा जा सके।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम का आयोजन

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय, में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में छायादार एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायक वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. तरुण (माननीय निदेशक, सिम्बायोसिस), डॉ. गोपाल पाठक (माननीय महानिदेशक एसबीयू), डॉ. जगनाथन (माननीय कुलपति, एसबीयू), प्रो. एस.बी. डांडिन (कुलसचिव), श्री प्रवीण कुमार (पीएओ), डॉ. विजय कुमार सिंह (डीन, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट), श्री अजय कुमार (डीन, पत्रकारिता), डॉ. संजीव कुमार सिन्हा (एनएसएस समन्वयक), डॉ. साग्निका प्रधान एवं प्रो. श्वेता कुमारी (कार्यक्रम पदाधिकारी), डॉ. मुकेश सिंह (यूबीए समन्वयक), डॉ. सौरभ कुमार (विभागाध्यक्ष, प्रबंधन), श्री हरि बाबू शुक्ला (डीन, प्लेसमेंट) तथा डॉ. आर.एम. झा (डीन, मानविकी) उपस्थित रहे। वृक्षारोपण के उपरांत उपस्थित पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण तथा ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. जगनाथन ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने सभी से अधिकाधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एनएसएस एवं यूबीए के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान और माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर विवि में पर्यावरण जागरूकता संबंधित कार्यक्रम के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

अंजुमन इस्लाहे मुआसरा कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपी से की शिष्टाचार मुलाकात

रांची : अंजुमन इस्लाहे मुआसरा कमिटी के एक प्रतिनिधि मंडल सिल्ली डी एस पी मनीष चन्द्र से शिष्टाचार मुलाकात किए और मुलाकात के दौरान डी एस पी ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया मौके पर परवेज खान साकीर अंसारी इमरान अंसारी डॉ गुलजार अंसारी जमील अंसारी आलम अंसारी अमीरूल अंसारी अजीज अंसारी शामिल थे।

हालमाद पंचायत के लिए मिथुन सहायक सचिव एंव सुनीता सक्रिय सदस्य चुनी गईं

सिल्ली : शुक्रवार को सिल्ली प्रखंड अंतर्गत हालमाद पंचायत के हालमाद दुर्गा मंदिर परिसर में सहायक सचिव एंव सक्रिय महिला सदस्य का चुनाव को लेकर ग्राम सभा आयोजित की गईं । ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित लोगों के बहुमत से सहाय सचिव मिथुन राजवार एंव सक्रिय महिला सदस्य सुनीता देवी चुना जाता है। ये दोनों अब पीईसीए कानून और पंचायती राज में अहम रोल निभाएंगे। इन दोनों के जिम्मे ग्राम सभा की बैठक का मिनट्स लिखना, प्रस्ताव और उपस्थिति रजिस्टर मेंटेन करना, सरकारी योजनाओं की लिस्ट और लाभुकों का रिकॉर्ड रखना, मनरेगा, आवास, पेंशन के फॉर्म भरने में मदद करना के अलावे ग्राम सभा और पंचायत के बीच कड़ी बनेगें। इस मौके पर ग्राम प्रधान चन्द्रभूषण सिंह मुंडा पंचायत के मुखिया माया देवी वार्ड सदस्य संतोष मंडल बिशेश्वर महतो मीणा देवी स्वयंसेवक लगनु महतो समेत सैकड़ों गांव के महिला पुरुष मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षणः वृक्ष ही सुरक्षित भविष्य का आधार : अन्नपूर्णा देवी

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी हटिया मंडल द्वारा महात्मा गांधी स्मारक विद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उपस्थित थीं। पौधा लगाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर नहीं हैं, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का असली आधार हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वातावरण के महत्व पर जोर देते हुए सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुप्रिया दुबे, राम मनोज साहू, महावीर महतो, प्रवीण झा, अर्चना सिंह, गणेश साहू और चंद्रमा प्रसाद सहित कई कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एबीवीपी ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रांची महानगर इकाई की ओर से शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। ह्यसेवा और स्वच्छताह्व के संकल्प के साथ आयोजित इस अभियान के माध्यम से परिषद के कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता का संदेश दिया। अभियान के तहत एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने रांची के कई प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान कर सफाई की। सबसे पहले रांची रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की सुविधा तथा परिसर की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं ने स्टेशन क्षेत्र में फैले कचरे को हटाया और स्वच्छ वातावरण बनाने का प्रयास किया। इसके बाद बहु बाजार तालाब परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने तालाब के घाटों और आसपास के क्षेत्रों से कचरा हटाकर जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने का संदेश दिया। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना होगा। अभियान के तीसरे चरण में बहु बाजार पार्क में श्रमदान किया गया। कार्यकर्ताओं ने पार्क परिसर की सफाई कर लोगों को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

तिलैया डैम में बनेगा इको टूरिज्म पार्क, 6.70 करोड़ रुपये की योजना को मिली स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि तिलैया डैम के बेन्दगी पोडैया क्षेत्र में वन विभाग की इको टूरिज्म योजना के तहत इको टूरिज्म पार्क निर्माण को स्वीकृति मिल गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना का क्रियान्वयन करीब 6.70 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। विधायक यादव ने बताया कि इस योजना को स्वीकृति दिलाने के लिए उन्होंने विधानसभा में प्रश्न उठाकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया था। उन्होंने कहा कि स्थानीय डीएफओ मौन प्रकाश के विशेष प्रयासों और सकारात्मक पहल के कारण भी इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी मिल सकी है।

> विधायक के प्रयास और डीएफओ की पहल से परियोजना को मिली मंजूरी

विधायक मनोज यादव ने कहा कि यह झारखंड सरकार के वन विभाग की एक महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने स्थानीय डीएफओ मौन प्रकाश की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन विकास को लेकर उनकी दूरदर्शी सोच और लगातार प्रयासों का ही परिणाम है कि तिलैया डैम को पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि तिलैया डैम को झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में

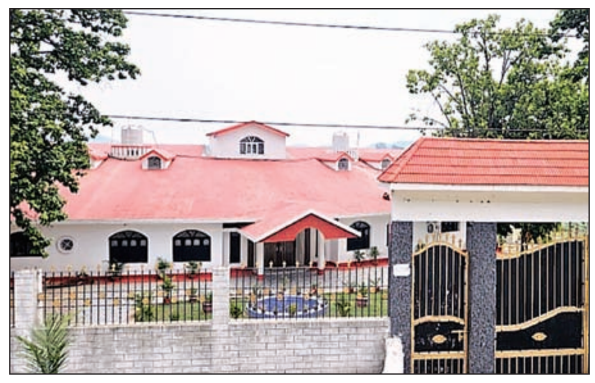

विकसित करने की योजना है, जिससे क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य को और अधिक संवारा जाएगा। विधायक ने बताया कि इको टूरिज्म पार्क में पर्यटकों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसमें डाइनिंग हॉल, बोटिंग की सुविधा तथा एम्फी थिएटर का निर्माण किया जाएगा। एम्फी थिएटर में सांस्कृतिक, सामाजिक एवं मनोरंजन संबंधी कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के धरातल पर उतरने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों के बढ़ने से क्षेत्र के छोटे व्यवसायियों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को भी आर्थिक लाभ मिलेगा। विधायक मनोज कुमार यादव ने बताया कि वर्तमान योजना में मसानजोर पार्क की तरह टूरिस्ट कॉटेज का निर्माण शामिल नहीं है। हालांकि उन्होंने झारखंड सरकार से तिलैया डैम क्षेत्र में पर्यटन कॉटेज निर्माण की मांग की है और कहा कि इसके लिए उनका प्रयास आगे भी जारी रहेगा। विधायक ने विश्वास जताया कि इको टूरिज्म पार्क के निर्माण से तिलैया डैम की पहचान राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बनेगी। इससे क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

एक नजर

सौंदा डी में कोयला लदा 22 चक्का हाईवा पलटा बिजली आपूर्ति बाधित

रामगढ़ : सौंदा डी-पतरातू मुख्य मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक कोयला लदा 22 चक्का हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित बिजली पोल से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में वाहन चालक टेकलाल महतो को मामूली चोटें आईं, जबकि दुर्घटना के बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। घटना ने इलाके में कथित रूप से चल रहे कोयला परिवहन और उससे जुड़े कई सवालों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाईवा संख्या जेएच02 बीसी 2054 घाटो क्षेत्र से कोयला लेकर पतरातू की ओर जा रहा था। इसी दौरान सौंदा डी में अंबेडकर भवन के समीप चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया और हाईवा बिजली पोल से टकराकर पलट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पोल क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन में लदा कोयला सड़क किनारे बिखर गया। दुर्घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के समय हुए हादसे के कारण काफी देर तक आवागमन भी बाधित रहा। सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर कोयला परिवहन की गतिविधियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोगों का कहना है कि इस मार्ग से रात के समय भारी वाहनों का लगातार आवागमन होता है।

डोमचांच में ढ़िबरा चुनने गई महिला की मौत, छाया मातम

डोमचांच : डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढाकोला में ढ़िबरा का चाल धसने से एक महिला की मौत हो गई है। मृतिका की पहचान गिरिडीह जिले के तिसरी थाना क्षेत्र के चिलगिली गांव निवासी मासोमत ननकी सोरेन के रुप मे हुई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और खनन क्षेत्रों में सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। परिजनों के अनुसार, ननकी सोरेन अपने बच्चों के साथ ढिबरा चुनने गई थीं। मृतका के पुत्र ने बताया कि सभी लोग ढिबरा चुन रहे थे, जबकि उनकी मां कुछ दूरी पर काम कर रही थीं। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। घटना को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। कुछ लोगों ने ढ़िबरा खदान में चाल धंसने की आशंका जताई है, जबकि एक महिला ने मिर्गी के कारण मौत होने की बात कही है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि प्रशासनिक जांच के बाद ही हो सकेगी। बता दें की माफिया द्वारा गरीबों को मौत का औने- पौने दाम देकर मुंह बंद करा देते हैं। इधर मृतिका के शव गाँव पहुंचते हीं गाँव मे मातम छा गया।

सभी के प्रयास से ही पर्यावरण सुरक्षित रखा जा सकता है : कुंज बिहारी

कोडरमा : विश्व पर्यावरण माह के तहत भारत विकास परिषद के तत्वाधान में दीनानाथ सिंह कैंपस अंतर्गत बचपन प्ले स्कूल प्रांगण में पौधारोपण सह पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुखय रूप से उपस्थित भारत विकास परिषद के कार्यक्रम संयोजक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी चीजे जैसे शुद्ध हवा, साफ पानी, भोजन और रहने की जगह पर्यावरण से ही प्राप्त होता है। लेकिन आज हमारा पर्यावरण खतरे में है। भारत विकास परिषद के संरक्षक नारायण सिंह ने कहा कि जागरूक होकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेतकीब विकास और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण का संकट गहरा रहा है। कुंज बिहारी त्रिवेदी ने कहा कि सभी के योगदान से पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। सचिव विमल पच्चीसिया ने कहा कि मानव के लगातार दोहन से नदियां सूख रही है। धरती का जलस्तर नीचे जा रहा है।

युद्ध और प्रदूषण की दोहरी मार से जूझ रही पृथ्वी : मनोज कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर चिंताएं और गहरी होती जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और विश्व के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्धों ने पृथ्वी के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया ने रिकॉर्ड स्तर की गर्मी, बाढ़ और सूखे का सामना किया। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और समुद्र के बढ़ते जलस्तर ने पर्यावरणीय असंतुलन को और बढ़ा दिया है। वहीं खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्षों ने पर्यावरण संकट को नई चुनौती दे दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध के दौरान इस्तेमाल होने वाले टैंक, लड़ाकू विमान और भारी सैन्य उपकरण बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन करते हैं। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण पर्शियन गल्फ क्षेत्र पर्यावरणीय खतरे के केंद्र में आ गया है। तेल टैंकरों और तेल भंडारण केंद्रों पर हमलों की आशंका से समुद्री प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है, जिससे मैंग्रोव वन, कोरल रीफ और दुर्लभ समुद्री जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जानकारों के मुताबिक, खाड़ी क्षेत्र के सैकड़ों डिसेलिनेशन प्लांट भी खतरे में हैं, जो करोड़ों लोगों को पेयजल उपलब्ध कराते हैं। इनके प्रभावित होने से जल संकट गहरा सकता है। वहीं समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान के कारण जहाजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी बढ़ रहा है। पर्यावरणविदों का मानना है कि युद्धों से उत्पन्न प्रदूषण किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। तेल रिसाव, धुएं और जहरीले तत्वों का प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर तक देखा जा सकता है। बढ़ती तेल कीमतों के कारण कई देश पुनः कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों की ओर लौट रहे हैं, जो वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के लिए चिंता का विषय है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ युद्धों के पर्यावरणीय प्रभावों पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता बताई जा रही है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने एसएफसीआई गोदाम का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला आपूर्ति पदाधिकारी, कोडरमा राम रतन कुमार बर्णवाल द्वारा मंगलवार को चंदवारा स्थित एसएफसीआई गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में खाद्यान्न की उपलब्धता, उठाव की स्थिति, भंडारण व्यवस्था, रखरखाव एवं साफ-सफाई सहित विभिन्न बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने गोदाम में उपलब्ध खाद्यान्न के स्टॉक का सत्यापन किया तथा खाद्यान्न के सुरक्षित एवं व्यवस्थित भंडारण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने गोदाम में रखे गए खाद्यान्न की स्टैकिंग, रिकॉर्ड संधारण, आवंटन एवं उठाव संबंधी अभिलेखों की भी जांच की। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा सभी अभिलेखों का अद्यतन संधारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गोदाम परिसर की साफ-सफाई एवं रखरखाव व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न की उपलब्धता एवं उठाव की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन कुमार बर्णवाल ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत लाभुकों को समय पर एवं सुचारू रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गोदामों में खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण, नियमित रखरखाव एवं पारदर्शी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। सभी संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित मानकों का पालन करते हुए खाद्यान्न प्रबंधन कार्यों का निष्पादन करें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पूर्व सैनिकों ने जगाई हरियाली की अलख

रामगढ़ : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, रामगढ़ द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक पौधारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया। परिषद के सदस्यों ने फलदार एवं छायादार पौधे लगाते हुए लोगों से प्रकृति संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र आज पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़े हैं। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं बल्कि पृथ्वी और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक कदम है। पेड़-पौधे वातावरण को शुद्ध करने, भूजल स्तर को बनाए रखने तथा प्राकृतिक संतुलन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। परिषद के अध्यक्ष राम टहल महतो ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों की याद दिलाता है। उन्होंने लोगों से अपने घर, गांव और आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध करेंगे। पौधारोपण कार्यक्रम में परिषद के उपाध्यक्ष अमित साहू, विजय सिंह, अनिल कुमार महतो, बबलू विश्वकर्मा, संतोष सिंह, रंजीत कुमार सिंह, मोतीलाल, राजेंद्र राणा, त्रितनाथ महतो, उज्ज्वल महतो, आरपी सिंह तथा संजय कुमार सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने पौधों की सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया।

उमाशंकर वर्मा की हरित पहलः बरकाकाना ओपी से उठा पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश

बरकाकाना : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरकाकाना ओपी परिसर में पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने थाना परिसर में आम, अमरूद, कटहल सहित कई फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान लगाए गए पौधे केवल हरियाली बढ़ाने का माध्यम नहीं बने, बल्कि लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास भी कराया। पुलिसकर्मियों ने पौधारोपण के माध्यम से यह संदेश दिया कि स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण स्वस्थ समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी देखभाल भी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वन्य जीवों के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। उमाशंकर वर्मा ने कहा कि फलदार पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज के लिए भी लाभकारी है। इससे लोगों को पोषण, छाया और स्वच्छ वातावरण प्राप्त होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपने घरों, विद्यालयों, कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएफसीएल में हरियाली का संकल्प, प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को समर्पित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता अभियान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा सामूहिक शपथ ग्रहण जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूरे परिसर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर उत्साह और जागरूकता का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत एचएएसपी एवं जीएफए इकाइयों में पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुई। अधिकारियों और कर्मचारियों

ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा स्वच्छ और हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दोनों इकाइयों में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम चलाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। पौधारोपण के साथ उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी लेने का भी संकल्प व्यक्त किया गया। कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और सतत विकास के महत्व से अवगत कराने के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागियों को प्रकृति संरक्षण के प्रति नई प्रेरणा मिली।

दामोदर तट से उठी हरियाली की हुंकार, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिला जनसमर्थन

रामगढ़ : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नमामि गंगे योजना के तहत थाना चौक स्थित दामोदर नदी घाट पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण के विस्तार और दामोदर नदी तट के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, छावनी परिषद के सीईओ विवेक सिंह, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, प्रभारी पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. प्रभात शंकर, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल सुरेंद्र कुमार दिनकर तथा डीपीओ नमामि गंगे चंदन कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपायुक्त ऋतुराज ने जिलेवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखा जाए। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवन और हर वर्ष पौधारोपण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित नुक्कड़ नाटक ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कलाकारों ने प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से पेड़ों के महत्व, जल संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान को दर्शाते हुए पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। वन प्रमंडल रामगढ़ द्वारा उपलब्ध कराए गए 50 पौधों का रोपण किया गया। पौधों की सुरक्षा के लिए सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र द्वारा 50 मजबूत गेबियन ट्री-गार्ड लगाए गए। वहीं छावनी परिषद और नगर परिषद रामगढ़ ने साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी पौधारोपण कर हरित रामगढ़ के संकल्प को मजबूती दी गई।

संक्षिप्त खबरें

मरकच्चो के अम्रपाली आम ने बनाई बाजार में पहचान 32.85 क्विंटल आम की पहली बड़ी खेप रवाना

कोडरमा : मरकच्चो अंतर्गत ग्राम पंचायत पूरनानगर एवं मरकच्चो उत्तरी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण किसानों एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। लाभुकों एवं किसानों द्वारा विकसित आम बागवानी अब बड़े बाजार तक अपनी पहचान बना रही है। ग्राम पंचायत पूरनानगर के लाभुक त्रिलोकी सिंह द्वारा लगभग 2 एकड़ भूमि एवं मरकच्चो उत्तरी के लाभुक माहेश्वरी प्रसाद वर्मा द्वारा लगभग 4 एकड़ भूमि में विकसित आम बागवानी से इस वर्ष बेहतर उत्पादन प्राप्त हुआ। लाभुकों द्वारा उत्पादित उन्नत किस्म के अम्रपाली आम की मांग बाजारों में रही। आम उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने हेतु कोडरमा जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की गई। इस पूरी पहल को सफल बनाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) तथा किसान उत्पादक कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। किसान उत्पादक कंपनी के माध्यम से किसानों को संगठित कर बाजार से जोड़ने, खरीदारों से संपर्क स्थापित करने तथा उत्पादों के उचित मूल्य सुनिश्चित कराने में अहम योगदान दिया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना, आम उत्पादों की गुणवत्ता एवं पैकेजिंग को बढ़ावा देना तथा मरकच्चो के आम को अलग पहचान दिलाना है। लाभुकों ने बताया कि बिरसा हरित ग्राम योजना से जुड़ने के बाद उनकी आय में लगातार वृद्धि हुई है तथा अब फलदार बागवानी उनके लिए आय का स्थायी स्रोत बन रही है। प्रखण्ड प्रशासन ने बताया कि आने वाले समय में अधिक किसानों एवं महिला समूहों को बागवानी एवं निर्यात गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। मरकच्चो उत्तरी से 13 .52 क्विंटल एवं पूरनानगर से 19 .33 क्विंटल, कुल 32 .85 क्विंटल आम को मोरिवरा कंपनी को भेजा गया है।

बरकाकाना में चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान, वाहनों की हुई सघन जांच

रामगढ़ : क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधियों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से बरकाकाना ओपी पुलिस द्वारा विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बंजारी मंदिर के समीप आयोजित इस अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा के नेतृत्व में एएसआई अरविंद कुमार सिंह, आरक्षी प्रदीप दास तथा आरक्षी पंकज कुमार पासवान ने संयुक्त रूप से अभियान का संचालन किया। जांच के दौरान वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, सीट बेल्ट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन पड़ताल की गई। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते अपराध, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए समय-समय पर ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं। विशेष रूप से ऐसे वाहनों की जांच की गई जो संदिग्ध प्रतीत हो रहे थे या जिनके दस्तावेजों में किसी प्रकार की कमी होने की आशंका थी। अभियान के दौरान पुलिस टीम पूरी सतर्कता के साथ हर वाहन की जांच करती नजर आई। जांच अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। पुलिसकर्मियों ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन के वैध दस्तावेज साथ रखने तथा सुरक्षित वाहन संचालन करने की अपील की। साथ ही यह संदेश दिया गया कि कानून का पालन करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नियमित एंटी क्राइम चेकिंग अभियान से अपराधियों में भय का माहौल बनेगा और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा को लेकर ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीसी और एसपी ने लगाया पौधा, हरित भविष्य का लिया संकल्प

कोडरमा : सामाजिक वानिकी प्रमंडल, कोडरमा के सौजन्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, वन प्रमंडल पदाधिकारी सामाजिक वानिकी प्रमंडल रौशन कुमार, अपर समाहर्ता संजय पी.एम. कुजूर तथा अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करते हैं। वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला ने कहा कि केवल पौधरोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों का संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। वहीं पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी यस्मिता सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन वर्णवाल, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, जिला नियोजन पदाधिकारी प्रकाश बैठा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी पौधरोपण किया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

कौंडिन्या पब्लिक स्कूल की साइक्लोथॉन रैली में बच्चों ने दिया हरित भविष्य का संदेश

झुमरी तिलैया : पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौंडिन्या पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया के इको क्लब द्वारा आयोजित साइक्लोथॉन 2026 कार्यक्रम का आज ब्लॉक रोड स्थित चिल्ड्रन पार्क से आरंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के अध्यक्ष सह पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नन्हे बच्चे के हाथों हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन रैली को रवाना किया। इस रैली में स्कूल के बच्चों के अलावा शहर के कई अन्य बच्चे एवं अभिभावकों ने भाग लिया। रैली को रवाना करने से पहले पूर्व डीआईजी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य लोगों को साइकिल अपनाओ: तेल बचाओ, पर्यावरण बचाओ और युवा पीढ़ी को मजबूत बनाओ का संदेश देना है। कार्यक्रम की थीम बेहतर कल के लिए आज ही सवारी करें। रखी गई है। उन्होंने कहा कि जहां पूरा विश्व आज प्रदूषण, पर्यावरण, डीजल, पेट्रोल जैसी ज्वलंत समस्याओं से छूट रहा है ,ऐसी स्थिति में है,उनके द्वारा लिया गया यह इनीशिएटिव समाज और देश को जागृत करने के लिए एक महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम साबित होगा।

एक नजर

दीनदयाल कौशल केंद्र में हुआ पौधरोपण, बच्चों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बरही : श्रम नियोजन विभाग की मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत आरएन वाई एम कॉलेज बरही में संचालित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र परिसर में गुरुवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत केंद्र के सैकड़ों बच्चों द्वारा परिसर की साफ-सफाई से हुई, इसके बाद सभी ने मिलकर कई छायादार एवं फलदार पौधे लगाए, कार्यक्रम का नेतृत्व ऑपरेशन मैनेजर दिलीप कुमार गुप्ता एवं केंद्र समन्वयक नेहा कुमारी ने किया, इस मौके पर ऑपरेशन मैनेजर दिलीप कुमार गुप्ता ने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर भविष्य की गारंटी है, केंद्र का हर विद्यार्थी एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेगा, वहीं केंद्र समन्वयक नेहा कुमारी ने कहा कि सारथी योजना के तहत बच्चों को कौशल के साथ सामाजिक दायित्वों से भी जोड़ा जा रहा है, पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और इन्हें बचाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है, मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी, प्रदेश अध्यक्ष झारखंड कृष्णा प्रजापति, प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव, तुलसी यादव, रवि शंकर कुमार, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष डॉ संगीता चौधरी, ऑपरेशन मैनेजर दिलीप गुप्ता, जनार्दन प्रसाद चौरसिया केंद्र प्रबंधक राहुल कुमार, जीएनएम प्रशिक्षक बिशोखा पात्र, आरएसए प्रशिक्षक किरण कुमारी, सिलाई प्रशिक्षक सरिता कुमारी, कंप्यूटर प्रशिक्षक प्रियंका रानी सहित सभी प्रशिक्षक व सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मी से मारपीट के बाद बवाल, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

▸ घटना के विरोध में एकजुट हुए कर्मचारी, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक स्वास्थ्यकर्मी के साथ कथित मारपीट की घटना के बाद अस्पताल का माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना के विरोध में स्वास्थ्यकर्मियों ने एकजुट होकर अस्पताल प्रशासन के समक्ष अपनी नाराजगी जताई तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार अस्पताल के एसएनसीयू में ड्यूटी पर तैनात एक वार्ड बॉय के साथ मरीज के परिजनों द्वारा कथित रूप से अभद्र

व्यवहार और मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलते ही विभिन्न विभागों के स्वास्थ्यकर्मी एकत्रित हो गए और अस्पताल प्रशासन के समक्ष सुरक्षा संबंधी चिंताएं रखीं। इस दौरान इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर अन्य कार्य प्रभावित होने की सूचना मिली। स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि वे दिन-रात मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं, लेकिन यदि कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं होगी तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होना स्वाभाविक है। कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस बीच अस्पताल में व्यवस्था सुधार को लेकर चल रही प्रशासनिक पहल भी चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल के दिनों में अस्पताल परिसर में कथित दलालों और अव्यवस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई के बाद माहौल में बदलाव देखने को मिला है। प्रशासनिक सख्ती के कारण अस्पताल की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की कोशिश जारी है। घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद प्रतिनिधि ने स्वास्थ्यकर्मी के साथ हुई मारपीट की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि चिकित्सक, नर्स, वार्ड बॉय और अन्य स्वास्थ्यकर्मी समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनके साथ किसी भी प्रकार की हिंसा या दुर्व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। अस्पताल प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित कार्य वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की अपेक्षा करना कठिन होगा। अब सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। स्वास्थ्यकर्मियों और आम लोगों की अपेक्षा है कि इस मामले में त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाकर अस्पताल परिसर में सुरक्षा और अनुशासन का माहौल सुनिश्चित किया जाए।

राजदाह धाम में 51 जोड़ों ने लगाए 51 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरिया के प्रसिद्ध पर्यटक एवं तीर्थ स्थल राजदाह धाम में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सराहनीय पहल ए एस आई झारखंड चैप्टर एवं पंचवटी पहल के संयुक्त तत्वावधान में की गई, जिसमें समाज के 51 जोड़ों ने मिलकर 51 औषधीय, फलदार और छायादार वृक्ष लगाए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित नारायण तिवारी एवं प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान राजदाह धाम परिसर प्रकृति के रंग में रंगा नजर आया। पर्यावरण को मजबूती देने

के लिए परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए, जिनमें मुख्य रूप से शामिल है पीपल, बरगद, नीम और अशोक। अमरूद, जामुन, आम और कट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अरक झारखंड चैप्टर के सचिव डॉ. राजेश कुमार सिंह ने पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा आज के समय में वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। पेड़ ऑक्सीजन के प्राकृतिक स्रोत हैं, जो कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर हमें जीवनदायिनी हवा देते हैं। इसके बिना पृथ्वी पर मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने आज की पीढ़ी पर कटाक्ष करते हुए एक बेहद यथार्थवादी बात कही कल्पना कीजिए कि अगर पेड़ वाईफाई सिग्नल देते, तो शायद हर कोई अंधाधुंध पेड़ लगा रहा होता और हम धरती को बचा लेते।

बच्चों के जन्मदिन और विवाह के वषर्गांठ में पौधरोपण कर करे पर्यावरण संरक्षण : किशोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिला के समाजिक संगठन स्वामी विवेकानंद सेवा ट्रस्ट लावा पटमदा के अध्यक्ष किशोर कुमार तिवारी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक संकल्प दिलाते हुए लोगो को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया है। उन्होंने अभियान की शुरूआत कमलपुर पंचायत के मुखिया जमीनी बेसरा को एक पौधा भेंट कर किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से हमारे ट्रस्ट स्वामी विवेकानंद सेवा ट्रस्ट के द्वारा पटमदा और बोड़ाम प्रखंड में कुल एक से दो हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारण किया है।उन्होंने कहा कि है कि ट्रस्ट के सदस्यों को भी अभियान को जन जन तक पहुंचाने का दायित्व दिया गया हैं। उन्होंने लोगों को जागरूक करते

हुए कहा कि तपती गर्मी से बचने के लिए एसी एक विकल्प है। जबकि एक पेड़ लगाना एक समाधान है। पेड़ लगाना कम लागत में पर्यावरण संरक्षण का एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने सभी लोगों से अपने बच्चों के जन्मदिन,अपने विवाह वर्षगांठ और माता पिता के पुण्य तिथि पर पौधा लगाने का अपील किया है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड आंदोलनकारियों को अंचलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

सरिया : झारखंड अलग राज्य निर्माण आंदोलन में महती भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारियों वह उनके आश्रितों को सरिया अंचलाधिकारी संतोष कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस संबंध में अंचलाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि झारखंड अलग राज्य गठन हेतु किए गए आंदोलन के चिन्हित एवं अधिसूचित आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों के बीच उपायुक्त गिरिडीह के निदेर्शानुसार शुक्रवार को 29 लोगों के बीच प्रशस्ति पत्र वितरण कर उन्हें सम्मानित किया गया। प्रशस्ति पत्र पाने वालों में नकुल सिंह, त्रिभुवन मंडल, विनय प्रसाद सिंहा, उर्मिला देवी,टेकलाल महतो, बलदेव मिस्त्री, अलीमुद्दीन, ईश्वर मंडल,किरण देवी विजय मंडल,रामजी प्रसाद, कुमार सतीश चंद्र,राजकुमार मंडल, काजिम अंसारी, त्रिवेणी मंडल आदि के नाम शामिल है।

फरार अभियुक्त के घर पर ढोल बजाकर चिपकाया गया इश्तिहार

बड़कागांव : कोर्ट कमप्लेंन केस नंबर 3454/ 2022 के अभियुक्त करण सान्याल उर्फ बबलू सिंह पिता लाल देव कुमार उर्फ विजय सिंह ग्राम अंबेडकर मोहल्ला मध्य पंचायत बड़कागांव थाना अंतर्गत के घर पर विद्ववत छापामारी किया गया है। परंतु अभियुक्त गिरफ्तारी के डर से घर से फरार रहते हैं। न्यायालय कीर्ति कुमारी बरनवाल न्यायिक दंडाधिकारी हजारीबाग के न्यायालय से निर्गत इशितहार 5 जुन 2026 को ढोल नगाड़ा बजाकर विधिवत इश्तिहार चिपकाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रामीणों को किया जागरूक, पौधा लगाने की अपील

पटमदा : विश्व पर्यावरण दिवस पर पटमदा और बोड़ाम में प्रखंड कार्यालय, पंचायतों सहित कई स्थानों पर पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति ग्रामीणों के बीच जागरूकता लाया गया। वही पंचायत में विशेष ग्राम सभा भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुखिया जमीनी बेसरा, पंचायत सचिव प्रमोद कुमार,भवनिधि महतो, बारिद वरन कोड़ा,माणिक बेसरा,बाल कल्याण संघ के जितेंद्र मुर्मू और तपन कुमार महतो, विश्वनाथ,नेपाली महतो,अर्चना कुमारी,सरिता रुहिदास सहित पंचायत के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला परिवहन पदाधिकारी, गुमला
(ना करें दिश दैट पहनें हेलमेट)

आम–सूचना

सरकारी कर्मियों को दो पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रुप से हेलमेट पहनने के संबंध में निर्देश।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता और माननीय सर्वोच्च न्यायालय/ परिवहन विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुपालन के क्रम में जिला परिवहन कार्यालय, गुमला की ओर से सभी दोपहिया वाहन चालको (वाहन चलाने वाले एवं पीछे बैठने वाले दोनों) के लिये तय मानक हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया है। वर्ष 2026 के आरंभ से माह अप्रैल, 2026 के बीच कुल प्रतिवेदित 93 दुर्घटनाओं में से 86 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, जिसका अधिकतर मृत्यु का कारण सिर में चोट लगना रहा है। सभी आमजनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये जिले के सभी सरकारी/अर्धसरकारी और निजी कार्यालयों के कार्यालय प्रधान से अनुरोध है कि उनके अधीनस्थ कार्यरत सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी को निश्चित रुप से दो पहिया वाहन चलाते समय अथवा कार्यालय आते/जाते समय हेलमेट का प्रयोग करने हेतु निदेशित किया जाय। वाहन जांच के दौरान यदि कोई कर्मी बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाते हुये पकड़े जाने की स्थिति में मोटरवाहन अधिनियम–1988 की संगत धारान्तर्गत अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी,
गुमला

PR 381636 Transport(26-27).D

दलमा में विश्व पर्यावरण दिवस पर विधायक सविता महतो ने किया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दलमा वन्य प्राणी पश्चिमी प्रक्षेत्र अंतर्गत मकुलाकोचा में गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ईचागढ़ विधायक सविता महतो शामिल हुईं। इस दौरान दलमा के डीएफओ सवा आलम अंसारी ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के तहत विधायक ने मकुलाकोचा स्थित म्यूजियम परिसर के सामने बरगद एवं कटहल का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर दलमा क्षेत्र इको विकास समिति की महिलाओं के बीच सिलाई मशीन, इमरजेंसी लाइट्स एवं प्रदूषण नियंत्रण चूल्हा का वितरण

किया गया। विधायक सविता महतो ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित लोगों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डीएफओ सवा आलम अंसारी, रेंजर दिनेश चंद्रा, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, वन विभाग के अधिकारी, इको विकास समिति की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

कपाली गोली कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल कपाली ओपी क्षेत्र के इस्लामनगर में हुई जानलेवा फायरिंग की घटना में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले के मुख्य आरोपी अशफाक अहमद उर्फ बल्लू (42) को पश्चिम बंगाल के बराबाजार स्थित पुरुलिया रोड से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसडीपीओ चांडिल शिवप्रकाश कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि 2 जून को इस्लामनगर में जमीन पर कार्य कर रहे अपसर नवाज पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई थी। घटना के बाद पीड़ित की पहचान और शिकायत के आधार पर कपाली ओपी में कांड संख्या 80/2026 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस

अधिकारियों के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, भौतिक साक्ष्यों एवं तकनीकी सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अशफाक अहमद उर्फ बल्लू को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपी इस्लामनगर, कपाली का निवासी है। पुलिस के अनुसार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध वर्ष 2022 में चांडिल थाना (कपाली ओपी) में लूट, मारपीट तथा आर्म्स एक्ट से संबंधित मामला दर्ज है। छापेमारी दल में कपाली ओपी प्रभारी धीरंजन कुमार, पु.अ.नि. रंजीत कुमार सिंह, अनुसंधानकर्ता हीरालाल मुंडा, टाइगर मोबाइल के पुलिसकर्मी विपुल कुमार तिवारी एवं दस्तगीर आलम सहित तकनीकी शाखा के कर्मी शामिल थे। एसडीपीओ शिवप्रकाश कुमार ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन पड़ताल की जा रही है। पुलिस आगे भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई करेगी।

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, हजारीबाग

निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रांक– 66/xxx/iv/26 दिनांक– 04/06/2026

पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग, झारखण्ड, राँची अन्तर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड राँची द्वारा हजारीबाग जिलान्तर्गत कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग में संचालित 02 (दो) आवासीय बालिका क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र (फुटबॉल एवं एथलेटिक्स) के 50 प्रशिक्षुओं को भोजनादि उपलब्ध कराने हेतु विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यु एवं दर के अनुरूप 350 =00 रूपये (सभी कर सहित) प्रति खिलाड़ी प्रतिदिन की दर से शुद्ध, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजनादि की व्यवस्था करने हेतु अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

1	निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि एवं समय	01.07.2026 एवं 12:00 P.M
2	निविदा समर्पित करने का स्थान	कर्जन स्टेडियम अवस्थित जिला खेल कार्यालय, हजारीबाग
3	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	01.07.2026 एवं 04:00 P.M
4	निविदा खोलने का स्थान	समाहरणालय सभाकक्ष, हजारीबाग

निविदा आमंत्रण संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए हजारीबाग जिला के वेबसाईट– www.hazaribag.nic.in पर देखा जा सकता है।

नोट :– समाहरणालय सभाकक्ष, हजारीबाग में गठित निविदा समिति की उपस्थिति में खोला जायेगा, जिसमें निविदादाता अथवा उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति अनिवार्य है।

ह0/–
उप विकास आयुक्त,
हजारीबाग

PR 381585 Art Culture Sports and Youth Affairs(26-27)D

अपर उपायुक्त ने किया प्रखंड सह अंचल कार्यालय कुकडू का औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकडू : अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार द्वारा आज प्रखंड सह अंचल कार्यालय, कुकडू का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर, विभिन्न विभागों के कार्यालय कक्षों, अभिलेखों एवं पंजियों के संधारण, कर्मियों की उपस्थिति, कार्यालय की साफ-सफाई, आमजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा जन शिकायतों एवं आवेदनों के निष्पादन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में अपर उपायुक्त ने कार्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा आमजनों से संबंधित प्राप्त आवेदनों एवं मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित

करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कार्यालय में आने वाले नागरिकों के कार्य निर्धारित समयावधि में निष्पादित किए जाएं, ताकि आमजनों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का बार-बार चक्कर न लगाना पड़े। अपर उपायुक्त ने उपस्थिति पंजी का अवलोकन करते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कार्यालय अवधि के दौरान निर्धारित समय पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न पंजियों, अभिलेखों एवं कार्यालयीय दस्तावेजों के समुचित रख-रखाव एवं अद्यतन संधारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्व मामलों के निष्पादन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कार्यालय परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखने, आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। अपर उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का स्थानीय भाषा सहित विभिन्न प्रभावी माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं की जानकारी अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके तथा अधिक से अधिक लाभुक योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शत-प्रतिशत लाभुक आच्छादन सुनिश्चित करने हेतु नियमित अनुश्रवण एवं जनसंपर्क गतिविधियों को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINER
RURAL WORKS DEPARTMENT, WORKS DIVISION, HAZARIBAG
Short Notice Inviting Re-e-Quotation (NIQ)

Notice No – 01/R1/2026-27 Dated – 04.06.2026

Government of Jharkhand through its Public Works Department (PWD) is engaged in framing/revision Schedule of Rates and as part of this endeavour, quotations through e-tender are invited for Hire Charges for the Usages Rate of Plants & Machineries annexed as Annexure-1 for the Construction Works from Reputed/ Primary Manufacturers/Owners/Lessee for respective items. The Hire Charges conforming to specifications for Inclusion in the Schedule of Rates for Government of Jharkhand to be used in different Civil Construction/Infrastructure Works and Repair works shall be submitted online in the website Http://Jharkhandtenders.gov.in. Details of Plants and Machineries are available on the above e-tender portal. The Quotationer may download the documents from the website and quote their rate for hire charges of Plants and Machineries online from 11.06.2026 at 11:00 hrs. to 22.06.2026 at 17:00 hrs. The quotation will be opened on 23.06.2026 at 17:30 Hours.

The quotation is invited to ascertain and assess the Hire Charges for the Usage Rate of Plants and Machineries at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

Terms and Condition

1. The quotationer Shall submit Hire Charges for the Usage Rate of Plants & Machineries inclusive of POL, Repair & Maintenance, wages of driver/operator, statutory charges/fees, operating charges such as fuel lubricant, labour and other taxes but exclusive of GST, Overhead Charges and Contractor's Profit.
2. Plants and Machineries should have capability/capacity to perform as desired in specifications of Central Public Works Department (CPWD)/Concerned Department of the Government of India.
3. Quotationer may quote rate for all the Plants and Machineries/Part of the Plant and Machineries for which they are concerned.
4. Plants and Machineries should not be older than 5(Five) years as on quotation due date.
5. The quotationer shall quote latest and authentic rate which shall reflect market rate.
6. The quotationer should have necessary Portal enrolment with their own digital signature Certificate. Quotationers without necessary portal enrolment with their digital signature may quote their rate by uploading in the website, however they have to submit hard copy of the same duly signed along with necessary documents in the concerned division.
7. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
8. The quotationer shall furnish GST registration no. PAN Card
9. The undersigned reserves the right to accept or reject/ cancel any or all of the quotations without assigning any reason thereof.
10. For any query or clarification you may Contact Mob. No.- 9431165251

Address for Communication :-

Executive Engineer, RWD, Works Division, Hazaribag
Address – Pugmil Road Near Indrapuri Chowk, Hazaribag, Dist.-Hazaribag
Mobile No - 9431165251
Fax No. - 06545-265286
E- mail ID – rwdhazaribag@gmail.com

Executive Engineer,
R.W.D., Works Division,
Hazaribag

PR 381630 Rural Work Department(26-27)D

पाकिस्तान के इशारे पर नाचते खालिस्तानी

हर वर्ष छह जून को पंजाब 1984 की घटनाओं को याद करता है। इसी दिन सेना ने स्वर्ण मंदिर परिसर में छुपे खालिस्तान समर्थकों को निकालने के लिए बख्तरबंद गाड़ियों और टैंकों का उपयोग किया था। बयालीस वर्ष पहले ऑपरेशन ब्लू स्टार का समापन भारतीय सेना द्वारा स्वर्ण मंदिर परिसर को हथियारबंद आतंकवादियों के कब्जे से मुक्त कराने के साथ हुआ। कुछ कट्टरपंथी कहते हैं कि इस ऑपरेशन ने गहरे घाव दिए। तब से एक छोटा लेकिन मुखर समूह इन घावों का उपयोग खालिस्तान के नैरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए करता रहा है यह सच है कि खालिस्तानी भारत और अधिकांश सिखों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करते। पंजाब इस बात का हकदार है कि उसके दर्द का राजनीतिक उपयोग न किया जाए और सिख समुदाय को भारत के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक के रूप में पहचाना जाए। 1980 के दशक की शुरुआत तक पंजाब बढ़ती हिंसा और उग्रवाद की चुनौती का सामना कर रहा था। जरनैल सिंह भिंडरांवाले के नेतृत्व में हथियारबंद उग्रवादियों ने स्वर्ण मंदिर परिसर को एक मजबूत ठिकाने में बदल दिया था। जून 1984 में सरकार ने ऑपरेशन ब्लू स्टार शुरू किया। इस अभियान में अकाल तख्त को हुए नुकसान और जानमाल की क्षति ने सिख समुदाय के मन पर गहरे घाव छोड़े। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद की घटनाओं ने इन घावों को और गहरा कर दिया। 1984 से जुड़े दर्द को स्वीकार करना इतिहास के प्रति ईमानदारी है। यह पीड़ा वास्तविक है, लेकिन इसे खालिस्तान के समर्थन के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। भारत के निर्माण और विकास में सिख समुदाय का योगदान असाधारण है। स्वतंत्रता के समय देश की कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी कम होने के बावजूद स्वतंत्रता संग्राम में उनका उल्लेखनीय बलिदान है। विभाजन के दौरान पंजाब ने भारी नुकसान झेला, लेकिन सिख समुदाय ने साहस और परिश्रम से स्वयं को फिर खड़ा किया। हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई और पंजाब इसका केंद्र रहा। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी सिखों का योगदान अद्वितीय है। सिख रेजिमेंट, पंजाब रेजिमेंट और सिख लाइट इन्फैंट्री ने देश के लगभग हर प्रमुख सैन्य अभियान में वीरता और समर्पण का परिचय दिया है। जिस समुदाय ने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, राष्ट्र को भोजन दिया और सीमाओं की रक्षा की, उसे व्यापक अलगाववादी सोच से जोड़ना वास्तविकता से परे है। वर्तमान खालिस्तान अभियान मुख्य रूप से विदेशों में सक्रिय कुछ संगठनों और व्यक्तियों द्वारा संचालित किया जाता है। पंजाब के भीतर इसका समर्थन सीमित है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों और पंजाब पुलिस ने कई बार संकेत दिया है कि पाकिस्तान समर्थित तत्व और कट्टरपंथी नेटवर्क प्रचार, दुष्प्रचार और भड़काऊ गतिविधियों के माध्यम से इस नैरेटिव को जीवित रखने का प्रयास करते हैं। उनका उद्देश्य प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि विभाजन और अस्थिरता पैदा करना है। शोधकर्ताओं और पर्यवेक्षकों का मानना है कि खालिस्तान की चर्चा पंजाब से अधिक प्रवासी राजनीति में दिखाई देती है। अब खालिस्तानी अपना पांव धीरे-धीरे ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई और देशों में पसार रहे हैं। पाकिस्तान ने भले ही कभी यह कुबूल न किया हो लेकिन खालिस्तान आंदोलन के पीछे उसकी भूमिका किसी से भी छिपी नहीं रह गई है। पाकिस्तान के वरिष्ठ रक्षा विशेषज्ञ जैद हामिद का एक वायरल वीडियो इसकी पुष्टि कर चुका है। वो कह रहे हैं कि हमने भारत के खिलाफ खालिस्तान को खड़ा किया। पाकिस्तान अनटोल्ड नाम के एक ट्विटर हैंडल (अब एक्स) पर साझा किए गए वीडियो में हामिद ने कहा, "हमने पूरे 80 के दशक में, ये वो समय था जब 1971 का भारत से बदला लेना शुरू किया था, उस वक्त सिखों की तहरीक बनाई। हमने कश्मीरी जिहाद को दोबारा खड़ा किया। नागा, असम, नक्सली, माओवादी, नॉर्थ ईस्ट जैसे भारत के अलग-अलग भागों में मदद पहुंचाई।

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएं-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं। ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र की विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहां परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे।

राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं।

भौतिक संसाधन प्रकृति के सौंदर्य को कर रहे नष्ट

अरुण कुमार दीक्षित

प्रकृति का संस्कृति से सीधा संबंध है। प्रकृति हमेशा से है। प्रकृति हर कर्ता से पहले मौजूद है। प्रकृति में परिवर्तन अर्थात पर्यावरण असंतुलित होना है। संपूर्ण विश्व के सामने पर्यावरण संतुलन की चुनौती है। विश्व में भौतिक संसाधन बढ़ें हैं। यही भौतिक संसाधन प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य को क्षत विक्षत कर रहे हैं। प्रकृति के सौंदर्य से मनुष्य का सौंदर्य जुड़ा है। जीवन सम्भव है। यही कारण है कि भिन्न-भिन्न जलवायु वाले देशों क्षेत्रों के मनुष्य अलग तरह के दिखाई देते हैं। मनुष्यों का रंग कहीं श्वेत है तो कहीं वे श्याम रंग के हैं। तो कहीं तांबे जैसा मनुष्यों का रंग है। किसी की आंखें सुंदर दिखती हैं। किसी देश के मनुष्य की आंखें कम खुलती हैं। किसी की आंखें मृगनयनी कही जाती हैं। किसी की नाक का सौंदर्य है। मनुष्य के शरीर प्रकृति के अनुसार विकसित होते जाते हैं।

डार्विन कहता है कि मनुष्य और बंदरो के पूर्वज एक थे। वे विकसित होकर ही मनुष्य बने । दूसरा वैज्ञानिक सिद्धान्त है कि जल में अमीबा और से मनुष्य के पूर्वज एक थे। सनातन में अवतार का विज्ञान है। पहला मत्स्य है। दूसरा कच्छप अवतार हैं। तीसरा वराह अवतार है। चौथा नरसिंह अवतार है। यह थोड़ा मनुष्य थोड़ा सिंह जैसा है। फिर वामन अवतार आया। फिर भगवान परशुराम आये। मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम आये। अंत में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार कहा गया।

गर्मी-सर्दी का सीधा प्रभाव मनुष्य के शरीर पर पड़ता है। हमारा आचरण प्रकृति अनुरूप होना चाहिए। पर ऐसा हो नहीं रहा। विज्ञान संपूर्ण प्राकृतिक नैसर्गिक नियमन को चुनौती दे रहा है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं। नदियों का जल पीने योग्य नहीं बचा है। वैदिक सभ्यता सिंधु के तट पर विकसित हुई। वैदिक सभ्यताओं में नदियों को जल माताएं कहा गया है। भूतत्व विज्ञानी सिंधु सभ्यता को वैदिक काल के बाद का मानते हैं। सिन्धु सभ्यता में प्रकृति के अनुसार आचरण दिखाई पड़ता है। वैदिक समाज में सूर्य से चंद्रमा से अग्नि से वनस्पतियों से इंद्र से प्रार्थनाएं हैं। सूर्य प्रतिदिन उगता है मगर वह पुराना होकर नया है। वह आदि अनादि है। हम सूर्य को नमस्कार करते हैं। सूर्य चंद्रमा, पृथ्वी, जल, अग्नि, वनस्पतियों के बीच ही जीवन आनंद मय है।

ऋग्वेद में प्रकृति माता और ऋत ब्रह्माण्डीय व्यवस्था का आधार (अरण्यनी सूक्त में प्रकृति को वन देवी के रूप पूजा गया है)। अथर्ववेद में पृथ्वी को माता भूमि : पुत्रों अहं पृथिव्या :(भूमि सूक्त) में कहा गया है। यजुर्वेद में प्रकृति और पर्यावरण के मूल तत्व (जल, वायु अग्नि, आकाश और पृथ्वी को पंच महाभूत कहा) पर श्रीकृष्ण कहते है कि अपरा प्रकृति (जल या भौतिक) यह नाशवान है। जड़ है। आठ भागों में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि परा प्रकृति चेतन या जीव प्रकृति यह श्रेष्ठ और चेतन प्रकृति है। जो सभी प्राणियों में स्थित जीवात्मा है। प्रकृति के तीन गुण बताए गए है। सत्व गुण - पवित्रता और ज्ञान। रजो गुण - कर्म इच्छा और आसक्ति, तमो गुण - अज्ञान, आलस्य, अनिद्रा।

वैज्ञानिकों के निष्कर्ष है कि तापमान बढ़ रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। उनका जल महासागरों में आ रहा है। अधिक ग्लेशियरों के पिघलने से महासागरों की बाढ़ के चपेट में दुनिया के देश आएंगे। उसमें भारत के भी कुछ तटीय महानगर सम्मिलित हैं। भारी प्राकृतिक विपदा होगी। तब क्या है वैज्ञानिकों की चेतावनी पर ध्यान दे रहे हैं? उत्तर आएगा नहीं। प्रकृति अपना संतुलन स्वयं बनाती है। हम सब इस ब्रह्मांड का अंश ही हैं। दिखाई भिन्न प्रकार के पड़ते हैं। तब हमारा आचरण ऋत नियमन से भरा होना चाहिए। प्रकृति ने लाखों करोड़ों वनस्पतियों को हमें दिया। उसका हमें परमात्मा को धन्यवाद देना चाहिए। मगर किसी व्यक्ति को धन्यवाद देने में भी कंजूसी करते हैं। हम प्रकृति के साथ सभी जीवों को प्रेम करना चाहिए। हम नहीं करते। प्रेम के काव्य लिखते हैं। प्रेम नही करते। हमारी श्वास प्रतिश्वांस परमात्मा की है हम उसे धन्यवाद नही करते।

हमने नदियों को कचरे से पाटने का बड़ा पुरुषार्थ किया है। इससे मछलियां विलुप्त हो रही हैं। अन्य जलीय जीव खतरे में है । अनेक विलुप्त हो गए हैं। प्लास्टिक कण इन जीवों के भीतर तक पहुंच गए हैं। आर्सेनिक, निकिल, क्रोमियम सीसा, पारा, फ्लोराइड , फिनायल प्लास्टिक जैसे प्राण घातक रसायन नदियों में डाल रहे हैं। पांच सितारा होटलों के लिए नदियों के पवित्र तटों को नष्ट कर रहे हैं। नदियों के किनारे रहने वाले जीवों का अधिकार छीन रहे हैं। अस्पतालों के नाले नदियों में डाले जा रहे हैं।

इससे अनुमान लगा सकते हैं कि हमारा भारतीय समाज और दुनिया की सभ्यता कितनी सुशिक्षित है? सुसंस्कृत है? वहीं अनेक लोग जिनकी कोई डिग्री नहीं। स्कूल नहीं गए। वह सभी नदियों को माता मानकर आज भी ग्रह नक्षत्रों के नियम के अनुसार प्रणाम करते हैं। स्नान करते हैं। नीराजन करते हैं। उन्हें असभ्य और गंवार कहा जाता है, जबकि इन्हीं का आचरण प्रकृति जैसा है। आदिकाल से आचरण किया है। पर्यावरण में संतुलन इनका बड़ा योगदान है। आधुनिक भारत में नदियों को पहाड़ों को वनों को अधिकतम नुकसान पहुंचा है। नदियों का हृदय स्थल बेध डाला। दिशाएं बदल दीं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया। वनों को समाप्त करने के लिए आधुनिक मशीन ले आये। काटना शुरू किया।

खेती को आधुनिक विषैली बनाया। रासायनिक बनाया। रसायनों से कैंसर दिया। और यह सब पढ़े-लिखों ने ही किया है। इसमें सरल अनपढ़ लोगों का कोई दोष नहीं है। वैदिक और सिंधु सभ्यता प्रकृति प्रेमी थी। पशु प्रेमी थी। वनस्पति प्रेमी थी। वह प्रकृति के साथ चले। हम सब आधुनिक यह मशीन लेकर चले। पूर्वजों ने पीपल, बरगद, तुलसी, केला, शमी, नीम, दूब (दूर्वा) सभी का नीराजन किया। चंपा, चमेली, मनोकामिनी, गुड़हल सरसों, धतूर, जामुन, कैथा, गन्ना, पान, कमल, नील कमल, ब्रह्म कमल से इन जल माताओं की नदियों की देवताओं की आराधना की। वन देवी की आराधना की। प्रकृति की आराधना की। फूलों से प्रकृति से प्रकृति का स्वागत। किया। अहोभाव भाव प्रकट किया। प्रकृति से लिया तो वहीं उसे दे दिया। नदी में उतरे । डुबकी लगाई । आचमन किया। जल को जल से पृथक नहीं किया।

आधुनिक तथाकथित प्रगतिशीलों ने प्लास्टिक के फूल बनाये। आदमी प्लास्टिक के बनाये। लोहे के स्टील के और नाम रखा रोबोट। प्रगतिशील गदगद हैं। आधुनिक हैं। वह प्रगतिशील कहलाने में प्रसन्न होते हैं। पृथ्वी को छोड़कर ग्रहों में जीवन की संम्भावना खोजते हैं। अरबों खर्च कर हो रहे है। हम कहते है कि तुम यहां एक पेड़ सुरक्षित नहीं रख सकते। नदी साफ नहीं रख सकते। सागर-महासागर साफ नहीं रख सकते। वहां क्या करोगे। हिमालय क्षेत्र से वनस्पतियां लुप्त हो रही है। जीवन घट रहा है।

संपूर्ण प्रकृति की संजीवनी भी गल रही है। नष्ट हो रही है और इसका नाम वैश्विक रूप से विकास है। अन्ततः विनाश है। आगे ग्लोबलाइजेशन है। विज्ञान ने यह भी किया है कि संपूर्ण संसार को सात बार नष्ट करने वाले परमाणु बम बनाकर तैयार कर दिया। दुनिया तनावग्रस्त है। युद्ध में है। अब शांति खोज रहे हैं। पूरी दुनिया में शांति का रास्ता खोजने के ढोंग में है। प्रस्ताव है। मीटिंग है। सम्मेलन है। मीडिया की रिपोर्ट है। पहला पर्यावरण सम्मेलन 5 जून से 16 जून 1972 को हुआ था। पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र का मूल वक्तव्य इस तरह है कि मानव जाति को गरिमा पूर्ण जीवन जीने के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण का मौलिक अधिकार है। वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। संयुक्त राष्ट्र का यह रुख मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर है। पहला जलवायु परिवर्तन दूसरा जैव विविधता का नुकसान और तीसरा प्रदूषण से निपटने का कार्य करता है। प्रश्न है कि संयुक्तराष्ट्र की सुनता कौन है।पर्यावरण पर सम्मेलन बिना निष्कर्ष सम्पन्न हो जाते हैं। इसलिए रुको। प्रकृति को देखो। वह तुम हो। निहारो होशपूर्वक वह तुम्हारी संततियों की पालनहार है। वह ही माता और पिता है। वह परमशक्ति है। भिन्न-भिन्न रूपों में व्यक्त है। अव्यक्त भी है। वही तेजस है। ज्योतिर एकं है। उसका ही नाम परमात्मा है। सभी दिशाओं में है। उस परम आवरण को बारम्बार नमस्कार है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7817

✱✱✱✱☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7816 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

अनियंत्रित पर्यटन से त्रस्त नैनीताल

प्रयाग पाण्डे

विश्व विख्यात हिल स्टेशन नैनीताल में मनुष्य से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहनों का रेला उमड़ने लगा है। वाहनों की अनियंत्रित और बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गईं हैं। अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें और गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गईं हैं। सामान्य आवागमन भी बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर में यत्र, तत्र, सर्वत्र जाम लगना आम बात हो गई है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।पहले पर्यटन सीजन के दिनों कभी-कभार ऐसी स्थिति आती थी। अब यह समस्या बारहमासी हो गई है।

सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 183 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को 'कंट्री रिट्रीट' कहा जाता था। अंग्रेज यहां के पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज यह सब खतरे में हैं। वर्तमान में नैनीताल ध्वनि एवं वायु प्रदूषण के चपेट में है।

नैनीताल जब बसा तब आने-जाने के लिए रास्तों की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब कालाढूंगी से पैदल नैनीताल आया जाता था। कालांतर में पुरुषों के लिए घोड़ों की सवारी और महिला यात्रियों के लिए डांडी की व्यवस्था बनाई गई।यात्रियों का सामान ढोने के लिए कुलियों का प्रबंध था। करीब चार दशक तक यह व्यवस्था बनी रही। इसी दरम्यान नैनीताल एक सुव्यवस्थित नगर के रूप में बसा और सजा- संवरा। उस दौर में मैदानी इलाकों की गर्मियों के थपेड़ों से बचने और विशुद्ध हवा की ठंडी बयार में स्वच्छंद भ्रमण के लिए सैलानी नैनीताल आते थे।

1862 में नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना। 24 अक्टूबर, 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ा। इसके बाद यात्रीगण काठगोदाम से ज्योलीकोट- ब्रेबरी होते हुए पैदल नैनीताल पहुंचने लगे। 1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल पहुंचने लगे।

1915 के आसपास मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी। लॉरी तल्लीताल तक ही आ सकती थी। नैनीताल के लचीले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, झम्पानी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे।

नगर के बाहरी हिस्से में साइकिल चलाने के लिए नगर पालिका से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। कार्ट रोड (नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग) और डिपो रोड (नैनीताल-भवाली मार्ग) में ही साइकिल चलाने की इजाजत दी जाती थी। 1901 में जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी 7609 थी, सिर्फ 520 बंगले और दूसरे मकानात थे, तभी नैनीताल के भार वहन क्षमता की बात होने लगी थी। अंग्रेज नैनीताल के नाजुक पर्यावरण के मद्देनजर यहां निश्चित सीमा से अधिक आबादी को बसाने के सख्त खिलाफ थे। कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर कैप्टन ए. डब्ल्यू. इबट्सन ने 19 जुलाई, 1929 को नगर पालिका नैनीताल की वार्षिक रिपोर्ट में लिखी एक टिप्पणी में कहा था- इस समय नैनीताल की एक स्वास्थ्यप्रद नगर की छवि है पर भविष्य में इस छवि को बनाए रखने में कुछ जटिल समस्याएं नजर आ रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नगर अति इंसानों से भर गया है। जब कैप्टन इबट्सन ने यह टिप्पणी की, उस दौर में नैनीताल की आबादी करीब 12 हजार थी।

1937 में नगर पालिका ने नैनीताल की मालरोड में नियंत्रित यांत्रिक यातायात की अनुमति प्रदान कर दी। तब नगर पालिका के अध्यक्ष या सचिव की पूवार्नुमति से विशेष परिस्थितियों में तल्लीताल से सचिवालय (वर्तमान उत्तराखंड उच्च न्यायालय) तक ही वाहन आ-जा सकते थे। 1938 में नगर पालिका ने मालरोड में वाहनों की अधिकतम गति सीमा दस मील प्रति घंटा तय कर दी थी। मालरोड में यांत्रिक यातायात की अनुमति दिए हुए दो साल भी नहीं बीते थे भू-वैज्ञानिकों ने मालरोड के अतिरिक्त अन्य स्थानों में वाहनों की आवाजाही का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के तत्कालीन अधीक्षक ए. एल. कॉल्सन ने 5 अगस्त, 1939 की अपनी एक रिपोर्ट में नैनीताल नगर के भीतर वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की। 22 जनवरी,1942 को नगर पालिका ने मालरोड में दस पैडल रिक्शे चलाने की अनुमति दी। तब मालरोड में यातायात के नाम पर यही सिर्फ दस पैडल रिक्शे चला करते थे।

साल 1947 में भारत आजाद हो गया। अंग्रेज अपने वतन लौट गए। वह संरक्षणवादी नीतियों को भी अपने साथ ले गए। आजादी के करीब दो दशकों तक मामूली शिथिलताओं के साथ ब्रिटिशकालीन व्यवस्थाओं का अक्स बना रहा। नगर पालिका के तत्कालीन सदस्य चन्द्रलाल साह द्वारा 5 दिसंबर,1966 को बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव संख्या-दो के जरिए मालरोड में कार और भारी वाहनों के चलने पर पाबंदी लगाने की मांग की गई। यह प्रस्ताव स्थगित हो गया।

दैनिक पंचांग

6 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

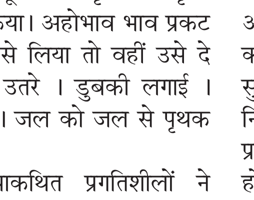

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.55 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	08.08 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.24 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.36 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.47 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.01 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.23 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.09 बजे से
राहुकाल		मीन	00.42 बजे से
9.00 से 10.30		मेष	02.12 बजे से
बजे तक		वृष	03.52 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 157 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 06.04 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 10.05 बजे को समाप्त।
करण गर 14.05 बजे तदनन्तर वणिज 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872732
जूलियन दिन 2461197.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 20

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के चार नम्बर पहाड़ जाने वाले मार्ग पर स्थित शिव मंदिर के पास गुरुवार की देर शाम सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी थी। पहचान के लिए आसपास के लोगों से पुलिस पूछताछ में जुटी थी। जानकारी के अनुसार स्टोन चिप्स लदा ट्रक की चपेट में आने से उक्त व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मिर्जाचौकी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मिर्जाचौकी थाना के सब इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार प्रभाकर एवं विक्रम कुमार बाउरी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच शुरू की। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच जारी है।

बोरियो के कैरासोल के नायकी की निर्मम हत्या जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज: जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के कैरासोल गांव के एक नाले से पुलिस ने एक व्यक्ति की शव बरामद की है। शव की पहचान गांव के नायकी बड़का मुर्मू (50) के रूप में हुई है। अज्ञात लोगों ने गुरुवार की रात धारदार हथियार से मार कर बड़का मुर्मू की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते हीं बोरियो थाना के पुअनि सिद्धार्थ टीप्पो, एएसआई देव नारायण साहू सशस्त्र पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु साहिबगंज भेज दिया। पुलिस ने मृतक बड़का मुर्मू की शव को कैरासोल के डोन डब्बू नाला से निकाला। पुलिस के अनुसार मृतक के कनपट्टी, मूँह एवं कान पर चोट के निशान पाया गया है। पुलिस के अनुसार किसी धारदार हथियार से मारकर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस को घटना स्थल से खून के धब्बे, मृतक के हाफ पैंट, दो गमछा मिले हैं। जानकारी के अनुसार कैरासोल गांव में शिव मरांडी के घर में उसकी बेटी की शादी थी। मृतक नायकी होने के कारण शादी कराने अपनी पत्नी के साथ गया था। रात को शादी सम्पन्न कराने के बाद बड़का मुर्मू दो बजे रात को भोजन आदि के बाद शादी घर से निकल गया था। इसी बीच किसी ने उसकी हत्या कर लाश को नाले में फेक दिया। मृतक की पत्नी मरांगमय टुडू ने बताया कि उसके पति के साथ गांव में किसी के साथ रंजिश नहीं थी। मृतक घर से रात 10 बजे उसके साथ निकला था। घर से सीधे शादी घर गया। शिव मरांडी की पत्नी ने बताया कि मृतक बड़का मुर्मू दो बजे रात तक उसके घर में मौजूद था। दो बजे के बाद कहां गया, उनलोगों को पता नहीं है। मृतक अपने पीछे एक पुत्र श्रीजाल मुर्मू, पुत्री ताला बिट्टी मुर्मू एवं तीन अन्य पुत्री छोड़ गया है। गांव के बाबू राम मुर्मू ने बताया कि वह घर से चार बजे अपने खेत में हल-बैल लेकर गया था। पांच बजे मृतक के बारे में कुछ ग्रामीणों ने उसे बताया तो वह जाकर देखा तो नाले में बड़का की लाश देख कर पुलिस को सूचना दी।

जमीन विवाद में हिंसक झड़प, अधेड़ घायल

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के प्यारपुर गांव स्थित रहीमाजी टोला में जमीन विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रहीमाजी टोला निवासी मन्नान शेख (55) का अपने भाई एवं भतीजों के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था, इसी विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। घायल ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान उनके एक भतीजे ने कुदाल से सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें अनुमंडल अस्पताल राजमहल लेकर पहुंचे।

आरपीएफ ने एक युवक को 100 बोतल विदेशी शराब के साथ किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल के सीबीआई/मालदा और आरपीएफ पोस्ट बड़हरवा के संयुक्त अभियान में जिसमे सहायक उपनिरीक्षक रवि शंकर यादव, एचसी/स्वपन कुमार घोष एवं एचसी/नुपुर बरन मिद्या, सभी आरपीएफ/सीआईबी/मालदा के सदस्य तथा आरपीएफ पोस्ट बरहरवा से उपनिरीक्षक लाल बहादुर माझी और कांस्टेबल शहजाद अंसारी के साथ अवैध मादक पर्दाथों, आपत्तिजनक वस्तुओं एवं अवांछनीय गतिविधियों के विरुद्ध ट्रेन संख्या 13429 (आनंद विहारझ्मालदा एक्सप्रेस) में मालदा टाउन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक नियमित जांच एवं अभियान चला रहे थे। उक्त अभियान के दौरान,

जब ट्रेन बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर पहुँचने वाली थी, तभी रेडिंग पार्टी ने देखा कि एक व्यक्ति प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल) के मध्य भाग के निकट एक भारी ट्रॉली बैग एवं एक बैकपैक लेकर अत्यंत संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था। संदेह होने पर उसे रोका गया तथा उसके ट्रॉली बैग एवं बैकपैक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से विदेशी शराब बरामद हुई। शराब के संबंध में पूछताछ करने पर वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका तथा उक्त शराब के परिवहन हेतु कोई वैध प्राधिकरण अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम छोटू कुमार (21), पिता सुबोध मंडल, ग्राम लक्ष्मीपुर, डाकघर सिंहचक, थाना- सूरजगढ़ा, जिला लखीसराय (बिहार) बताया। तत्पश्चात उसके कब्जे से विदेशी शराब ऑफिसर्स चॉइस एलीट व्हिस्की की 75 (पचहत्तर) बोतलें, प्रत्येक 180 मि.ली., मूल्य 140/प्रति बोतल, कुल मूल्य 10,500 बरामद किया, ये सभी हरे रंग के ट्रॉली बैग में रखी हुई थीं। ऑफिसर्स चॉइस एलीट व्हिस्की की 25 (पच्चीस) बोतलें, प्रत्येक 180 मि.ली., मूल्य 140/प्रति बोतल, कुल मूल्य 3,500, ये सभी काले एवं नीले रंग के बैकपैक में रखी हुई थीं। इस प्रकार कुल 100 बोतल विदेशी शराब (व्हिस्की) बरामद एवं जब्त की गई, जिनकी कुल मात्रा 18,000 मि.ली. (18 लीटर) तथा कुल अनुमानित मूल्य 14,000 हजार रुपए है। उक्त विदेशी शराब से भरे ट्रॉली बैग एवं बैकपैक को उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में जब्ती सूची के माध्यम से जब्त किया गया। प्लेटफॉर्म पर कई बार अनुरोध करने के बावजूद कोई स्वतंत्र व्यक्ति जब्ती प्रक्रिया का गवाह बनने हेतु आगे नहीं आया। इसके पश्चात उक्त व्यक्ति को विधिवत हिरासत में लिया गया। उसकी इच्छा के अनुसार उसके परिजनों को भी मोबाइल फोन के माध्यम से सूचना दे दी गई। जब्त सामग्री को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया तथा उत्पाद विभाग साहेबगंज को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूचित किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीजीआर माइनिंग की हरित पहल, 78,500 पौधों का किया गया रोपण

पाकुड़ : ज़िले के अमड़ापाड़ा प्रखंड में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड ने पचवारा नॉर्थ कोल माइंस परियोजना क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के लिए बड़ा अभियान चलाया। कार्यक्रम का शुभारंभ झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय पदाधिकारी अमुल कुमार सोरेन ने वृक्षारोपण कर किया। इस दौरान कंपनी ने बताया कि पर्यावरण दिवस से पूर्व ही 50 हेक्टेयर क्षेत्र में 78,500 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जा चुका है। कार्यक्रम में परियोजना से प्रभावित नौ गांवों के ग्राम प्रधानों, आलूबेड़ा पंचायत की मुखिया व प्रमुख तथा अन्य ग्रामीण नेताओं को 20 थर्मल एफिशिएंट लकड़ी एवं बायोमास चूल्हे वितरित किए गए। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि यह चूल्हा पारंपरिक चूल्हों की तुलना में 65 प्रतिशत कम लकड़ी जलाता है और 70 प्रतिशत कम धुआं छोड़ता है। इससे खाना भी जल्दी पकता है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। कंपनी ने घोषणा की कि भविष्य में हर प्रभावित परिवार को एक-एक चूल्हा दिया जाएगा। कंपनी ने 3,400 फलदार पौधों का वितरण भी किया। हर परिवार को आम, कटहल, सीताफल, चीकू, आंवला और नींबू के पांच-पांच पौधे दिए गए। बीजीआर माइनिंग ने संकल्प लिया कि वह हर साल 50,000 फलदार पौधे बांटकर क्षेत्र में हरित क्रांति लाएगी। मुख्य अतिथि अमुल कुमार सोरेन ने कंपनी की पहलों की सराहना करते हुए कहा, स्वृक्षारोपण, स्वच्छ ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन से ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित पर्यावरण मिल सकेगा। कार्यक्रम में डब्ल्यूबीपीडीसीएल के महाप्रबंधक रामाशीष चटर्जी, शार प्रोजेक्ट्स के उपाध्यक्ष दिलीप तामन, बीजीआर माइनिंग के महाप्रबंधक (सीएसआर) संजय बेसरा, मुखिया सारती मरांडी, प्रमुख जूहीप्रिया मरांडी, नौ गांवों के ग्राम प्रधान व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, पौधरोपण का लिया संकल्प

अमड़ापाड़ा: जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को ग्राम जितको में झारखण्ड विकास परिषद्, अमड़ापाड़ा द्वारा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा वृक्षारोपण के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश देना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के समन्वयक मनोरंजन सिंह ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की। संस्था समन्वयक जसीन्ता मिंज ने ग्रामीणों, महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी। वहीं किशोरी समूह की सदस्य कविता मरांडी ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। आंगनवाड़ी सेविका पानमुनी सोरेन ने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार है और पेड़-पौधे जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने जन्मदिन एवं अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सुकसेना घाट से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गंगा एवं डॉल्फिन संरक्षण पर दिया गया विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर साहिबगंज वन प्रमंडल द्वारा राजमहल प्रखंड अंतर्गत सुकसेना घाट में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गंगा तट पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, गंगा स्वच्छता तथा गंगा डॉल्फिन संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक परिचर्चा के साथ हुआ। इस अवसर वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जनसहभागिता ही पर्यावरण संरक्षण की वास्तविक आधारशिला

है। उन्होंने लोगों से पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए अपने दैनिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक मो. ताजुद्दीन राजा उर्फ एमटी राजा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ा अनिवार्य विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। राजमहल क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों, गंगा तट एवं समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण है तथा इन धरोहरों के संरक्षण के साथ पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। इससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे। साहिबगंज वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के कारण पर्यावरणीय चुनौतियाँ निरंतर गंभीर होती जा रही हैं। ऐसे समय में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पाकुड़ में स्वच्छता, पौधारोपण एवं रन फॉर द एनवायरनमेंट के माध्यम से दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पाकुड़ : ज़िले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पाकुड़ में जिला प्रशासन एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, वॉल पेंटिंग एवं रन फॉर द एनवायरनमेंट सहित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाना था। कार्यक्रम की शुरूआत अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान से हुई, जिसमें उपायुक्त मेघा भारद्वाज, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, कार्यपालक दंडाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यपालक पदाधिकारी, अंचलाधिकारी पाकुड़ सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके उपरांत परिसर में पौधारोपण कर स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात सिद्धो-कान्हू पार्क में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं राज स्कूल, पाकुड़ की छात्राओं द्वारा आकर्षक वॉल पेंटिंग का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपने चित्रों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित जीवनशैली का संदेश दिया। इस अवसर पर उपायुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त एवं अन्य पदाधिकारियों ने छात्राओं के साथ पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित ह्यरन फॉर द एनवायरनमेंटह्न में बड़ी संख्या में छात्र- छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ वीआईपी रोड से प्रारंभ होकर डीएफओ आवास तक आयोजित की गई। दौड़ के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित कार्यक्रम नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, वॉल पेंटिंग एवं मैराथन जैसी गतिविधियों का उद्देश्य समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है।

अरशद ने नालसा और मानवाधिकार आयोग से लगाई गुहार, जेल प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण व पशु प्रेमी सैयद अरशद नसर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व सचिव न्यायधीश संजीव पांडेय,राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन, राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, झारखंड के लोकायुक्त न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता, झारखंड के पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा,गृह व कारा विभाग,झारखंड के अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिरीक्षक, दुमका पटेल मयुर कन्हैयालाल व पुलिस उप-महानिरीक्षक, दुमका अंबर लकड़ा को स्पीड पोस्ट के माध्यम से पत्र भेज कर साहिबगंज जेल गेट पर उनका जमा नगद रकम, मुलाकाती सामान, मेडिकल रिपोर्ट, बंदी आवेदन पत्र दिलाने का आग्रह करते हुए बीते 15 मई को साहिबगंज जेल गेट पर उनके साथ कई कारा कर्मीयों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार व बदसलूकी करने पर दोषी कारा कर्मी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी व विधि सम्मत कार्रवाई की मांग करते हुए उक्त तिथि का सीसीटीवी कैमरे का फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की है। ताकि आगे विधि सम्मत कार्रवाई के दौरान साक्ष्य के रूप में काम आएं। अरशद ने पत्र में आरोप लगाया है कि साहिबगंज जेल प्रशासन ने असंवैधानिक तरीके से साहिबगंज जेल से उनका स्थानांतरण बीते वर्ष 13 दिसंबर को मधुपुर जेल करने के दौरान साहिबगंज जेल गेट पर उनका जमा नगद रकम, मुलाकाती सामान, मेडिकल रिपोर्ट,बंदी आवेदन पत्र वापस नहीं किया था। विदित हो कि अरशद ने बीते 23 मई को भी झालसा, डालसा, मुख्य सचिव, गृह सचिव,जेल आईजी, डीसी व एसपी को पत्र भेज कर इस मामले में कड़ी दंडात्मक कार्रवाई व इंसाफ का गुहार लगाया था। विदित हो की अभी हाल ही में झारखंड के कई जेल अपने कारनामों के चलते काफी सुर्खियों में रहा है। अरशद ने कहा कि जब तक साहिबगंज जेल गेट पर जमा उनका सामान वापस नहीं मिल जाता है तथा 14 महीने साहिबगंज व मधुपुर जेल में जेल प्रशासन द्वारा उनका न्यायिक हिरासत के दौरान किए गए भारी शारीरिक, मानसिक व आर्थिक उत्पीड़न शोषण, अत्याचार व टार्चर के खिलाफ दोषी कारा पदाधिकारी, कर्मी व कक्षपाल के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो जाती है तब तक उनका दोनों जेल प्रशासन के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। अरशद के द्वारा संघर्ष जारी रखने का एलान करने के चलते दोनों जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है, तो दूसरी तरफ सामाजिक कार्यकर्ताओं व बंदियों में खुशी व हर्ष की लहर व्याप्त है।

संक्षिप्त खबरें

पात्रता सर्वेक्षण समयबद्ध और शत-प्रतिशत पूरा करें : मेघा भारद्वाज

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) पात्रता सर्वेक्षण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना निदेशक, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, पाकुड़ सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का द्वारा पीवीटीजी पात्रता सर्वेक्षण की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समीक्षा में पाया गया कि कुछ प्रखंडों, विशेषकर लिट्टीपाड़ा एवं पाकुड़िया में सर्वेक्षण की गति अपेक्षाकृत धीमी है, जिस पर उपायुक्त द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वेक्षण कार्य को निर्धारित समय- सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से पीवीटीजी समुदाय के पात्र लाभार्थियों का सटीक मास्टर डाटा बेस तैयार किया जाएगा, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक सुनिश्चित रूप से पहुँच सके। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि डाकिया योजना के लाभुकों के डाटा का पीवीटीजी सर्वेक्षण डाटा से अनिवार्य रूप से मिलान किया जाए। सर्वेक्षण कार्य में तेजी लाने हेतु जेएसएलपीएस की ह्वदीदीयोंह्व का आवश्यक सहयोग लिया जाए। प्रत्येक प्रगणक को एक सप्ताह का स्पष्ट लक्ष्य दिया जाए तथा प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित की जाए। पर्यवेक्षी पदाधिकारी पंचायत एवं ग्राम स्तर पर कार्य आवंटित कर सतत निगरानी रखें। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी निर्धारित प्रपत्र में प्रगति प्रतिवेदन एवं शत-प्रतिशत सर्वे पूर्ण होने का प्रमाण पत्र उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि पीवीटीजी पात्रता सर्वेक्षण शासन की अत्यंत प्राथमिकता वाली योजना है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी पदाधिकारी समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बैंकिंग योजनाओं और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बैठक आयोजित

हिरणपुर: पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड सभागार में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की हिरणपुर शाखा द्वारा शुक्रवार को बैंकिंग योजनाओं एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप ने की। इसमें प्रखंड, अंचल एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय के कर्मी एवं पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान बीडीओ ने सैलरी होल्डरों को बचत खाता एवं सैलरी पैकेज खातों के तहत मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं एवं लाभों की जानकारी दी। वहीं एसबीआई हिरणपुर शाखा के शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार ने म्यूचुअल फंड, एसआईपी, दुर्घटना बीमा, योनो ऐप, डेबिट कार्ड तथा न्यूनतम ब्याज दर पर उपलब्ध कार एवं गृह ऋण जैसी बैंकिंग सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों ने बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों से कर्मियों को अवगत कराते हुए सतर्क रहने की सलाह दी। सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए आवश्यक सावधानियों की भी जानकारी दी गई। बैठक के अंत में अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी कर्मियों को बैंकिंग सुविधाओं, निवेश योजनाओं एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था।

विश्वशांति पदयात्रा एवं जन-जागरूकता अभियान को लेकर पर्वतारोहियों ने उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

पाकुड़ : ज़िले में विश्वशांति पदयात्रा एवं जन-जागरूकता अभियान चला रही पर्वतारोहियों की टीम ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मेघा भारद्वाज से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने अपने अभियान की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी उपायुक्त को दी। टीम ने बताया कि वे विश्वशांति एवं सामाजिक जागरूकता के संदेश के साथ विभिन्न जिलों का भ्रमण कर रहे हैं। अब तक 19 जिलों में पहुंचकर विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मतदाता जागरूकता तथा अन्य जनहितकारी विषयों पर व्यापक जन- जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में पाकुड़ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा जनहित के महत्वपूर्ण संदेशों को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता जैसे विषय आज की आवश्यकता हैं और इनके प्रति लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपायुक्त ने टीम को हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए आग्रह किया कि वे अपने अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं, सामाजिक उत्तरदायित्वों एवं जनहित के मुद्दों के प्रति जागरूक करें।

भीषण गर्मी में साहिबगंज में बिजली गुल शहर में मचा हाहाकार

साहिबगंज: भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को साहिबगंज शहर और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को करीब चार घंटे से बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह लगभग 11:30 बजे से बिजली गुल होने के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। एक ओर आसमान से आग बरस रही है तो दूसरी ओर बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। घरों में पंखे और कूलर बंद हो गए, जिससे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित दिखे। बिजली आपूर्ति ठप होने का सबसे अधिक असर पेयजल व्यवस्था पर पड़ा। अधिकांश घरों में पानी की मोटर बंद रहने से लोगों को पानी के लिए जूझना पड़ा। दोपहर के समय बिजली नहीं रहने से रसोई, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कार्यालयों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग छांव और हवा की तलाश करते नजर आए। कई इलाकों में लोगों ने बिजली विभाग के प्रति नाराजगी भी जताई। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण उमस और गर्मी के बीच लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से स्थिति कयामत जैसी महसूस होने लगी। बिजली विभाग की ओर से जानकारी के अनुसार, लालमटिया से साहिबगंज पावर ग्रिड को मिलने वाली 133 केवी की लाइन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बिजली विभाग की टीम युद्धस्तर पर खराबी को दूर करने में जुटी है। इस संबंध में बिजली विभाग के कनीय अभियंता नील गगन ने बताया कि लालमटिया से साहिबगंज पावर ग्रिड को आने वाली संचरण लाइन में खराबी आई है, जिसे ठीक करने का काम तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

एक नजर

घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

चलकुशा : चलकुशा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खरगू में बीती रात करीब दो से तीन बजे के बीच रोजन खलीफा (पिता-अकीजान खलीफा) के घर में अचानक आग लग गई। घटना के समय रोजन खलीफा अपनी पत्नी, बहू और दो मासूम बच्चों के साथ घर में सो रहे थे। आग लगने से घर में अफरा-तफरी मच गई। धुएं की चपेट में आने से एक से दो वर्ष आयु के दोनों बच्चे बेहोश हो गए, जिन्हें परिजनों ने समय रहते घर से बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। आगजनी में घर में रखा फ्रिज, मोबाइल, स्टेबलाइजर, गेहूं, चावल, दाल, आटा सहित अन्य खाद्य सामग्री एवं घरेलू सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार को लाखों रुपये का सामान जल कर राख हो गया। घटना की सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य सविता सिंह, प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार, मुखिया प्रतिनिधि सीताराम पंडित, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि समीम अंसारी तथा वार्ड सदस्य सुशील कुमार मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत के रूप में एक क्विंटल चावल, दाल, आटा, तेल, सर्फ एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिरसा कॉलेज में पौधारोपण

खूंटी : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिरसा कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को पौधारोपण और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हरित वातावरण के निर्माण में योगदान देना था। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सीके भगत मुख्य रूप से उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ जया भारती कुजूर, डॉ जया कच्छप, डॉ अनंत राम, डॉ अभिषेक कुमार, डॉ काली मुंडू, डॉ अश्मृता महतो, डॉ रेशमा रेनी टोपनो, डॉ प्रियंका कुमारी सहित महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे। प्राचार्य ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। पौधारोपण जैसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से युवक की मौत, एक घायल

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के चक्रधरपुर-सोनुवा मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना सोनुवा रोड स्थित मनोज गैरेज के समीप हुई, जहां पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात स्कॉर्पियो ने मोपेड को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान कोटुवां पदमपुर निवासी ओएबन बोदरा (22) के रूप में हुई है। वहीं दर्शना बोदरा (20) नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दोनों युवक किसी निजी कार्य से लौड़िया गांव गए थे और रात मोपेड से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मनोज गैरेज के पास पीछे से आ रही स्कॉर्पियो ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे।

प्रकृति-रक्षा के संकल्प के साथ डीपीएस बोकारो परिवार ने मनाया पर्यावरण दिवस

जलवायु-परिवर्तन एवं आपदाओं से बचाव के लिए लगाएं अधिकाधिक पौधे : प्राचार्य डॉ. गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : 'पेड़-पौधे केवल हमारे आपदा-रक्षक ही नहीं, बल्कि इस वसुंधरा के वास्तविक आभूषण भी हैं। ये जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अग्रिम पंक्ति के योद्धा की भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में हम तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि, भीषण आंधी-तूफान और वज्रपात जैसी जिन गंभीर प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं, उनसे जीव-जगत की रक्षा का एकमात्र और अचूक उपाय अधिकाधिक पौधारोपण ही है। यदि हमें सच्चे अर्थों में पर्यावरण-मित्र होने का परिचय देना है, तो सिर्फ किसी एक विशेष दिन नहीं, बल्कि वर्ष के हर दिन कुदरत की रक्षा के लिए संकल्पित होना होगा।' ये प्रेरणादायी विचार हैं दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के। अवसर था विद्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित सघन पौधारोपण अभियान का, जहां 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए' की प्रगतिशील थीम के तहत पर्यावरण संरक्षण का पुनः शंखनाद किया गया।

प्राचार्य के नेतृत्व और विद्यालय के गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत शुक्रवार को आयोजित इस अभियान में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों, प्रशासनिक पदाधिकारियों और भारी संख्या में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस सामूहिक प्रयास के तहत विद्यालय परिसर के विभिन्न हिस्सों में दर्जनों पौधे रोपे गए। प्राचार्य ने बताया कि डीपीएस बोकारो अपनी हरीतिमा-रक्षा की कटिबद्धता के तहत लगातार नवाचार कर रहा है। यहां विद्यार्थियों को पारंपरिक पठन-पाठन के साथ-साथ व्यावहारिक हरित-कार्यों से भी गहराई से जोड़ा जाता है, जिसके अंतर्गत बच्चे विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर देश के महापुरुषों के नाम पर पौधे लगाते हैं। यहां कागज की बबार्दी रोकने के लिए एक पेपर रीसाइक्लिंग यूनिट संचालित है, जो बेकार कागजों को पुनः इस्तेमाल के योग्य बनाती है। इसके अलावा, ऊर्जा-संरक्षण के लिए कैंपस में 125 केवीए क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है। विद्यालय की अनूठी परंपरा के तहत यहां अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ की बजाय पौधों से किया जाता है और समारोहों में फल-सब्जियों के बीजों से युक्त पहचान पत्र सौंपे जाते हैं।

इनके अलावा विद्यालय परिसर में चरक वाटिका, जैव हरित वाटिका, वर्मी कंपोस्ट फार्मिंग, उन्नत बागवानी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सेव सॉइल अभियान और फुलवारी जैसी गतिविधियां इस गो ग्रीन इनिशिएटिव को और अधिक सशक्त बनाती हैं। पर्यावरण-संरक्षण के इन्हीं निरंतर और वैज्ञानिक प्रयासों का परिणाम रहा है कि डीपीएस बोकारो को अब तक तीन बार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठित ग्रीन स्कूल के खिताब से नवाजा जा चुका है। मौके पर विद्यालय के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण, उपप्राचार्या शालिनी शर्मा, हेडमिस्ट्रेस सुनीता भारद्वाज, ममता त्रिपाठी, डॉ. सरिता गंगवार व प्रीति सिन्हा, प्रशासक राजन कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं विद्यालयकर्मी मौजूद रहे।

सहयोगिनी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो : पर्यावरण दिवस के अवसर पर सहयोगिनी द्वारा आज का कसमार प्रखंड के कुरको गांव में किशोरियों के बीच पर्यावरण सुरक्षा को लेकर क्विज प्रतियोगिता आयोजन किया गया। साथ ही कसमार प्रखंड के खैराचातर, टांगटोना, पोंडा तथा सोनपुरा पंचायतत तथा सहयोगिनी कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संबंध में सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि पर्यावरण को लेकर के जन-जन के बीच में जागरूकता की जरूरत है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे क्षेत्र में काफी ज्यादा लोग प्रभावित हो रहे हैं। हमें पर्यावरण की सुरक्षा हेतु जंगल बचाने सहित पर्यावरण की रक्षा हेतु लगातार सक्रिय भागीदारी निभाने की जरूरत है। कुरको गांव में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम प्रविन, द्वितीय सुष्मिता कुमारी, तथा तृतीय स्थान प्रिती कुमारी ने प्राप्त की। खैराचातर पंचायत में पौधों रोपण करते हुए स्थानीय मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि जमीनी स्तर पर पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें विभिन्न प्रकार की योजनाओं को लागू करने की जरूरत है।

काशी में अंतरराष्ट्रीय चित्रकार सरोज मिश्रा सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राष्ट्रपति से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय चित्रकार सरोज मिश्रा को बनारस (काशी) में बहुप्रशंसित भव्य सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और काशीका चित्रकला संगठन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पेंटिंग कार्यशाला (4–6 जून) के समापन अवसर पर दिया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के ललितकला विभागाध्यक्ष सुनील कुमार विश्वकर्मा तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उत्तमा दीक्षित ने किया। कार्यक्रम में बीएचयू के पूर्व अध्यक्ष अरविंद शुक्ला, ओमप्रकाश गुप्ता (काशिका आर्टिस्ट ग्रुप के अध्यक्ष) और उड़ीसा के प्रताप रावत सहित कई वरिष्ठ कलाकार व संस्थागत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के संयोजक प्रतिमा शर्मा, ज्ञानेश्वर, अरविंद कुमार, मनोज कुमार, आकृति व आकांक्षा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता ने की। तीन दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 50 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकार शामिल हुए। प्रतिभागियों ने ऐक्रेलिक और जलरंग जैसी विभिन्न शैलियों में बनारस के विविध पहलुओं–घाट, मंदिर, जीवन-यान और सांस्कृतिक दृश्यों–को सजीव तरीके से चित्रित किया। झारखंड, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली, बिहार, देहरादून, उत्तराखंड के साथ नेपाल, श्रीलंका और मेक्सिको के कलाकारों की रंगीन प्रस्तुतियाँ देखने को मिलीं। विशेष रूप से सरोज मिश्रा की कला और तकनीक को उपस्थित कलाकारों व दर्शकों ने सराहा। कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथियों ने स्मृति चिन्ह व वस्त्र भेंटकर झारखंड राज्य के अंतरराष्ट्रीय चित्रकार सरोज मिश्रा को सम्मानित किया। सरोज मिश्रा वर्तमान में बोकारो के श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में कला शिक्षक हैं और अपने विद्यार्थियों को आदिवासी कला की तकनीक सिखाने तथा स्थानीय कलात्मक विरासत को संरक्षित करने के लिए जाने जाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जीतपुर खनन परियोजना की पहल, लगाए 200 से अधिक पौधे

डीएवी पब्लिक स्कूल परिसर में हुआ पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोड्डा स्थित जीतपुर खनन परियोजना की ओर से शुक्रवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, गोड्डा परिसर में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यालय प्रबंधन एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान कुल 200 से अधिक पौधे लगाए गए।

पौधारोपण अभियान के तहत शीशम, सागवान, महोगनी, गम्हार समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर परियोजना प्रबंधन की ओर से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को हरित पर्यावरण के महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीआईएसएफ ने चलाया व्यापक पौधरोपण अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05 जून 2026 को सीआईएसएफ यूनिट बीएसएल, बोकारो द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बोकारो एयरपोर्ट परिसर के समीप राजीव मिश्रा भा.पु.से उप महानिरीक्षक महोदय के नेतृत्व में लगभग 1000 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर उप महानिरीक्षक महोदय ने उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि मानव जीवन को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ कमांडेंट मो. नैयर आजम खान, सहित अन्य अधिकारी एवं जवान उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों एवं जवानों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं पर्यावरण हितैषी अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

ईएसएल स्टील ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 पर व्यापक पौधरोपण अभियान एवं सतत विकास पहलों का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पर्यावरणीय स्थिरता और जिम्मेदार विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर पौधरोपण, पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित विभिन्न प्रभावशाली कार्यक्रमों का आयोजन किया।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की थीम एक पेड़ माँ के नाम के अनुरूप कंपनी ने 1.80 एकड़ क्षेत्र में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिसमें 150 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लेते हुए 1,000 से अधिक देशी पौधों का रोपण किया। प्रत्येक पौधा माताओं और धरती मां को समर्पित था, जो संरक्षण, स्नेह और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बना। यह वृक्षारोपण अभियान ईएसएल स्टील की उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का पहला चरण है, जिसके तहत इसी स्थान पर 15,000 से अधिक देशी पौधे लगाए जाएंगे, जिससे क्षेत्र के हरित आवरण और पारिस्थितिक संतुलन को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

वृक्षारोपण अभियान के दौरान, ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कर्मचारियों एवं श्रमिकों से संवाद किया। उन्होंने उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने वृक्षारोपण और एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग में कमी को सतत भविष्य के निर्माण की दिशा में आवश्यक कदम बताया।

समारोह के अंतर्गत कंपनी के विभिन्न विभागों में भी वृक्षारोपण अभियान चलाए गए, जिनके तहत 300 से अधिक पौधे लगाए गए और संयंत्र परिसर के हरित आवरण को और मजबूत किया गया।

इसके अतिरिक्त, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीआईएसएफ बोकारो यूनिट ने वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड एवं सेल के सहयोग से सर्किट हाउस, बोकारो के निकट एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, जिसने पर्यावरणीय स्थिरता एवंसामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में पौधरोपण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

कोडरमा : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा (गोहालर परिसर) में वृक्षारोपण एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान के प्राचार्य राजेश कुमार ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य राजेश कुमार द्वारा अशोक, नीम, आम एवं अमरूद के पौधे लगाकर की गई। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। पौधरोपण अभियान में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट संतोष कुमार, सोहन टोपो, डॉ. भूपेंद्र कुमार, मनोज यादव, मनोरंजन कुमार, संजय कुमार, हीरालाल कुमार, संवेदक संजीव कुमार एवं सहायक आदित्य भगत सहित अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी में पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डोमचांच/ कोडरमा : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी, डोमचांच में विद्यालय प्रबंधन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक रजनीश कुमार ने उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार भी हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण पर गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक वृक्ष लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प ले। उन्होंने आगे कहा कि ‎‎एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान होता है ‎‎यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ,सुरक्षित एवं हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राकेश रोशन,राजन मेहता, तथा कैंपस कोऑर्डिनेटर बी.सी. पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

करमा धाम में युगल प्रेमी ने रचाई शादी, प्रेमी ने प्रेमिका की मांग में भरा सिंदूर

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र स्थित कमाधाम में एक जुगल जोड़ी ने हिंदू रीति रिवाज के साथ विवाह रचा लिया ग्रामीण एवं परिजनों की मौजूदगी में आयोजित विवाह समारोह में प्रेमी ने प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी जीवन संगिनी के रूप में स्वीकार किया जानकारी के अनुसार दोनों के बीच लगभग 1 साल से प्रेम संबंध था। मामले की जानकारी मिलने पर ग्रामीनों ने पहल करते हुए दोनों पक्षों को आमने-सामने कर बातचीत की इसके बाद कमार्धाम में गुरुवार की रात्रि विधिवत विवाह संपन्न कराया गया। विवाह के दौरान वर ने बधु को मंगलसूत्र पहनाया और साथ साथ जीवन बिताने का संकल्प लिया। शादी होने के बाद लड़की व लड़का पक्ष वाले दोनों परिवार के लोगों ने दोनों को अपने अपने घर ले जाने से इनकार कर गए। मालुम हो कि दो दिन पूर्व मरकच्चो पांडेडीह निवासी किशोरी राणा की पत्नी मंजू देवी के द्वारा मरकच्चो निवासी नारायण पोधार के पुत्र चाहत सोनी 20 वर्ष के द्वारा मेरी पुत्री रानी कुमारी 19 वर्ष को बहला फुसला कर भगा ले जाने का मामला दर्ज कराया गया था।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल में पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधारोपण

बोकारो : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वन प्रमंडल पदाधिकारी के नर्सरी से छायादार व फलदार पौधा लाकर स्कूल प्रांगण के चारो तरफ बारी बारी से लगाया गया। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का थीम अब जलवायु के लिए पर आधारित था। जिसमें आम, जामुन, अमरूद फलदार समेत छायादार पौधा भी लगाया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने कहा पर्यावरण का संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि इसे हमें अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा आज की पीढ़ी ही भविष्य में पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रख सकती है। उन्होंने कहा पौधारोपण करने से ज्यादा उसे बचाना जरूरी है। इसके लिए छात्रों को अपने घर के आसपास भी कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। मौके पर शिक्षक सुब्रतो सिंह, शिबु कुमार, निशा कुमारी, साक्षी कुमारी आदि शामिल रहे।

रंगदारी मांगने के मामले में एक गया जेल

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र में फैब्रिकेशन कार्य करने वाले से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने मधु ठाकुर उर्फ प्रीतम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ज्ञात हो कि दिनांक-11.02.25 को चुन्नु कुमार वर्णवाल, पिता-महेन्द्र वर्णवाल, सा०-स्टेशन रोड, तुपकाडीह, थाना-बालीडीह, जिला-बोकारो द्वारा लिखित शिकायत किया गया था कि वे फैब्रीकेशन का कार्य करते हैं तथा बियाडा बाजार, कुमीर्डीह इत्यादि स्थानो पर काम करने हेतू जाने पर कुमीर्डीड निवासी भैरो यादव एवं उसके साथ रहने वाले कुछ लड़के इनसे रंगदारी की मांग करते रहते हैं। इसी कम में दिनांक-10.02.25 को वे कुमीर्डीड अपने निजी काम से आये थें, जहां भैरो यादव, चिकू एवं अन्य अज्ञात अभुयिक्तगण मिलकर इनके साथ रंगदारी की मांग किये तथा नही देने पर इनके साथ मारपीट कर इन्हें गंभीर रूप से घायल कर दियें।

संक्षिप्त डायरी

सारण के दिघवारा में खाकी का सपना पूरा करने के लिए रोज पसीना बहा रहीं सैकड़ों बेटियां

पटना (एजेंसी) सारण के दिघवारा में सैकड़ों बेटियां बिहार पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती की तैयारी कर रही हैं. रोजाना घंटों अभ्यास कर वे महिला सशक्तिकरण और बदलती सामाजिक सोच की नई मिसाल पेश कर रही हैं. दिघवारा से अमित की रिपोर्ट सारण जिले के दिघवारा में इन दिनों एक ऐसा दृश्य देखने को मिल रहा है, जो बदलते समाज और बेटियों के बढ़ते हौसले की नई तस्वीर पेश कर रहा है. कभी घर की चौखट तक सीमित रहने वाली बेटियां अब बिहार पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती होने का सपना लेकर मैदान में घंटों पसीना बहा रही हैं. जयगोविंद उच्च विद्यालय के खेल मैदान में हर सुबह सैकड़ों युवतियां दौड़, लंबी कूद और अन्य शारीरिक अभ्यास कर अपने सपनों को उड़ान देने में जुटी रहती हैं. खाकी वर्दी और देश सेवा का बढ़ा जुनून बिहार पुलिस और सेना में भर्ती होकर देश और समाज की सेवा करने का जुनून बेटियों में तेजी से बढ़ रहा है. यही वजह है कि हर दिन कई किलोमीटर का सफर तय कर लड़कियां दिघवारा पहुंचती हैं और घंटों अभ्यास करती हैं. उनका एक ही लक्ष्य है खाकी वर्दी पहनकर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करना. दिघवारा का मैदान बना बेटियों के सपनों का केंद्र दिघवारा प्रखंड स्थित जयगोविंद उच्च विद्यालय का खेल मैदान इन दिनों बेटियों के सपनों को आकार देने का केंद्र बन गया है. यहां केवल दिघवारा ही नहीं, बल्कि दरियापुर, गड़खा और आसपास के कई प्रखंडों की लड़कियां फिजिकल टेस्ट की तैयारी करने पहुंच रही हैं. सुबह होते ही पूरा मैदान दौड़ती और अभ्यास करती बेटियों से भर जाता है. हर दिन 3 से 4 घंटे की कड़ी मेहनत सफलता हासिल करने के लिए ये बेटियां रोजाना तीन से चार घंटे तक कठिन प्रशिक्षण लेती हैं. दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद और शारीरिक फिटनेस से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेकर वे भर्ती परीक्षाओं की तैयारी करती हैं. उनकी मेहनत और समर्पण देखकर हर कोई प्रभावित हो रहा है. महिला आरक्षण ने बढ़ाया पुलिस सेवा का आकर्षण बिहार सरकार द्वारा पुलिस भर्ती में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद बेटियों में पुलिस सेवा को लेकर उत्साह काफी बढ़ा है. अब बड़ी संख्या में युवतियां पुलिस और सुरक्षा बलों में करियर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं. इसका असर दिघवारा के इस मैदान में साफ दिखाई देता है, जहां हर दिन सैकड़ों बेटियां प्रशिक्षण ले रही हैं. प्रशिक्षकों की मेहनत से मिल रही सफलता मैदान में छोटू सिंह सहित कई प्रशिक्षक बेटियों को फिजिकल टेस्ट की बारीकियां सिखा रहे हैं. प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और बेटियों की मेहनत का ही परिणाम है कि यहां से तैयारी करने वाली सैकड़ों युवतियां बिहार पुलिस और अन्य सुरक्षा सेवाओं में चयनित होकर नौकरी ज्वाइन कर चुकी हैं. बदलती सामाजिक सोच की मिसाल बनीं बेटियां दौड़ती, छलांग लगाती और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती ये बेटियां समाज में आ रहे सकारात्मक बदलाव की मिसाल हैं. अब परिवार भी बेटियों के सपनों को समर्थन दे रहे हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं. इससे बेटियों का आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है. बेटियां ह्यहम बेटों से कम नहींह्ण का दे रहीं संदेश प्रशिक्षण ले रही युवतियों का कहना है कि बेटियां अब किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं हैं. यदि उन्हें परिवार और समाज का सहयोग मिले तो वे हर चुनौती का सामना कर सकती हैं. उनका मानना है कि आने वाले समय में उनके कंधों पर भी समाज और देश की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी. दिघवारा से निकल रही नई प्रेरणा दिघवारा का यह मैदान केवल भर्ती की तैयारी का केंद्र नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की एक जीवंत तस्वीर बन चुका है. यहां पसीना बहा रही बेटियां उन हजारों युवतियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं, जो बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस रखती हैं.

पटना मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशनों का 75 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा

पटना (एजेंसी) पटना मेट्रो का निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है. इसके लिए बनाए जा रहे अंडरग्राउंड स्टेशनों का सिविल वर्क लगभग 75 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है. इसके साथ ही जून के अंत तक पटना जंक्शन से खुदाई होने की जानकारी है. पटना मेट्रो के कई अंडरग्राउंड स्टेशनों का सिविल वर्क तेजी से पूरा किया जा रहा है. मेट्रो से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, बनाए जा रहे हैं कि अंडरग्राउंड स्टेशनों में राजेंद्र नगर, मोइनुल हक स्टेडियम, पटना यूनिवर्सिटी मेट्रो स्टेशन, पीएमसीएच, गांधी मैदान, आकाशवाणी और पटना जंक्शन सहित टोटल सात स्टेशनों का सिविल वर्क लगभग 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है. पटना यूनिवर्सिटी मेट्रो स्टेशन पर सीढ़ियों का निर्माण कार्य, कॉनकोर्स स्तर पर ग्रेनाइट फिक्सिंग का कार्य स्टेशन को आकर्षक, आधुनिक और यात्रियों के अनुकूल स्वरूप देने के लिए तेजी से काम हो रहा है. जानकारी के अनुसार, इन मेट्रो स्टेशनों का काम नवंबर, 2027 में पूरा होना है. उद्घाटन के लिए आदेश मिलने का इंतजार अब तक की जानकारी के मुताबिक, भूतनाथ से मलाही पकड़ी मेट्रो लाइन और मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन का काम पूरा हो चुका है. इसकी शुरूआत के लिए सीएमआरएस से फाइनल स्वीकृति भी मिल चुकी है. अब पटना मेट्रो को मंत्रालय और राज्य सरकार स्तर पर उद्घाटन के लिए निर्देश मिलने का इंतजार है. कब तक पटना जंक्शन पर लगेगी टीबीएम मशीन? पटना जंक्शन गोलंबर के पास बैरिकेडिंग और खुदाई का काम शुरू होना है. गहरी खुदाई के लिए नई टीबीएम मशीन भी तैनात की जा रही है. जून के अंत में नई टीबीएम मशीन यहां लॉन्च होगी. पटना जंक्शन पर एक बड़ा इंटरचेंज स्टेशन होगा, जिसे पुराने दूध मार्केट और बुद्धा स्मृति पार्क के पास एंट्री-एग्जिट के साथ जोड़ा जायेगा. साथ ही मीठापुर इलाके से मेट्रो लाइन अंडरग्राउंड से एलिवेटेड ट्रैक में बदल जायेगी. मीठापुर के पास ढांचा तैयार है. पटना जंक्शन मेट्रो स्टेशन पर रिट्रीवल शाफ्ट का निर्माण निर्धारित योजना के अनुसार होगा. इस तरह से मेट्रो के काम को तेजी से पूरा किया जा रहा है.

मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के एक निजी हॉस्पिटल अग्निकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डॉक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. छह मरीजों की मौत के बाद फायर सेफ्टी, अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा मानकों की जांच तेज कर दी मुजफ्फरपुर से चंदन सिंह की रिपोर्ट मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा स्थित एक बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू में हुई भीषण आग की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. इस दर्दनाक हादसे में छह मरीजों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन लगातार जांच में जुटे हुए हैं. शुरूआती जांच में सामने आई लापरवाही के आधार पर अस्पताल के मेंटेनेंस हेड, एडमिन हेड और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर को हिरासत में लिया गया है. मामले में पुलिस कार्रवाई की जानकारी देते सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी लापरवाही के आरोप में तीन जिम्मेदार गिरफ्तार आरोपियों को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस अग्निकांड के बाद फायर ऑफिसर राम निवास पांडेय के बयान पर ब्रह्मपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. जांच के दौरान पुलिस को कुछ अहम तथ्य मिले, जिसके आधार पर अस्पताल प्रबंधन से जुड़े तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई. आरोप है

सीएम आवास से अलग हुआ 5 देशरत्न मार्ग बंगला, क्या राबड़ी देवी करेंगी खाली

पटना (एजेंसी) पटना स्थित सीएम हाउस 5 देशरत्न मार्ग वाले बंगले से अटैच नहीं होगा. भवन निर्माण विभाग की ओर से पहले के आदेश को रद्द कर दिया गया है. ऐसे में अब सवाल है कि क्या राबड़ी देवी सरकारी आवास खाली करेंगी या नहीं. बिहार की सियासत में सरकारी बंगले इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं. इस बीच सीएम हाउस को लेकर भवन निर्माण विभाग की ओर से नया आदेश जारी किया गया है. पांच देशरत्न मार्ग बंगला अब 1 अणे मार्ग स्थित लोक सेवक आवास (सीएम आवास) से अटैच नहीं होगा. भवन निर्माण विभाग ने पहले के आदेश को रद्द करते हुए नया आदेश जारी कर दिया है. इसमें बताया गया है कि वर्तमान में लोक सेवक आवास अब मरम्मति के बाद रहने के लिए उपलब्ध है. 30 अप्रैल को जारी आदेश में क्या कहा गया था? इससे पहले भवन निर्माण विभाग की तरफ से 30 अप्रैल 2026 को एक आदेश जारी किया गया था. उसमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री बिहार के आवास के रूप में आवास संख्या-1 अणे मार्ग (लोकसेवक आवास) निर्धारित है. उसमें मरम्मत कार्य होने तक आवास संख्या-पांच देशरत्न मार्ग पटना को अस्थाई रूप से आवास संख्या-1 अणे मार्ग (लोकसेवक आवास) के विस्तारित अंश के रूप में चिह्नित किया गया था. भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक नजीर पेश किया है. 5 देशरत्न मार्ग को अस्थाई तौर पर लोक सेवक आवास 1 अणे मार्ग में शामिल किया गया था. उस समय 1 अणे मार्ग में काम चल रहा था. अब फिर से 5 देशरत्न मार्ग को 1 अणे मार्ग लोकसेवक आवास से अलग कर दिया गया है. राजद नेता को सम्राट सरकार का जवाब भवन निर्माण विभाग के इस फैसले के बाद क्या अब पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सरकारी आवास खाली करेंगी या नहीं, यह सवाल है. राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सीएम पर आरोप लगाया था. उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था, पीएम नरेंद्र मोदी सार्वजनिक जीवन में मयार्दा और सादगी की बात करते हैं, लेकिन बिहार में अलग तस्वीर दिखाई दे रही है. उन्होंने कहा था, पहले कई मुख्यमंत्री एक अणे मार्ग स्थित सरकारी आवास में रहे, लेकिन अब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने आवास का दायरा काफी बढ़ा लिया है. उन्होंने दावा किया था, मुख्यमंत्री आवास का क्षेत्रफल पहले से काफी बड़ा हो गया है और उपमुख्यमंत्री के आवास को भी इसमें शामिल कर लिया गया है. मुख्यमंत्री का आवास अब करीब 15 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैल चुका है. बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस मिला था. लेकिन उन्होंने आवास खाली करने से इनकार कर दिया था. विपक्ष के अन्य नेताओं ने कई आरोप सरकार पर लगाए थे. ऐसे में अब माना जा रहा है कि अब्दुल बारी सिद्दीकी की ओर से लगाए गए आरोप का सम्राट सरकार ने करारा जवाब दिया है.

बिहार महिला क्रिकेट टीम में किशनगंज की 6 खिलाड़ियों का चयन

पटना (एजेंसी) सीमांचल के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है. आगामी टी-20 टूर्नामेंट के लिए घोषित बिहार महिला क्रिकेट टीम में किशनगंज की 6 बेटियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर जगह बनाकर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है. किशनगंज जिले के खेल इतिहास में एक ऐसा नया और अभूतपूर्व अध्याय जुड़ा है, जिसने कला और संस्कृति के बाद अब खेल के मैदान पर भी जिले का परचम लहरा दिया है. क्रिकेट की पिच पर अपनी घूमती गेंदों और कड़क शॉट से विरोधी टीमों को पस्त करने वाली किशनगंज की छह होनहार बेटियों का चयन बिहार महिला क्रिकेट टीमहुआ है. आगामी टी-20 राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट के लिए चुनी गई इस टीम में जिले की इतनी बड़ी भागीदारी को खेल समीक्षक महिला क्रिकेट के एक नए युग की शुरूआत मान रहे हैं. इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न सिर्फ खिलाड़ियों के अभिभावकों को भावुक किया है, बल्कि यह भी साबित कर दिया है कि सुदूर सीमांचल की बेटियों को अगर सही प्लेटफॉर्म और कोचिंग मिले, तो वे आसमान छू सकती हैं. संगीता जैन और मोताहेरा जबी की मेहनत लाई रंग; संघ में खुशी की लहर सफलता के पीछे का मुख्य स्तंभः किशनगंज की महिला क्रिकेट में आई इस अभूतपूर्व क्रांति के पीछे किशनगंज जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्षा संगीता जैन और उपाध्यक्ष मोताहेरा जबी के लगातार और व्यावहारिक प्रयासों की सबसे बड़ी भूमिका मानी जा रही है. पिछले कुछ वर्षों से जिला स्तर पर लड़कियों के लिए विशेष क्रिकेट कैंप आयोजित करने, उन्हें आधुनिक खेल किट उपलब्ध कराने और राज्य स्तरीय सीनियर पदाधिकारियों की देखरेख में ट्रायल्स करवाने की उनकी जमीनी जिद अब रंग लाने लगी है. खेल प्रेमियों का कहना है कि जहां पहले समाज लड़कियों को मैदान में भेजने से कतराता था, आज वहां इन छह बेटियों की सफलता से हर अभिभावक अपनी बेटी को बैट और बॉल थमाने के लिए प्रेरित हो रहा है. राष्ट्रीय स्तर पर बिहार और किशनगंज का नाम रोशन करने का संकल्प इस ऐतिहासिक चयन की खबर मिलते ही जिला क्रिकेट संघ के सचिव तबरेज आलम सहित संघ के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारियों, अंपायरों और खेल प्रेमियों ने चयनित खिलाड़ियों के आवास पर पहुंचकर उन्हें और उनके माता-पिता को मिठाई खिलाकर बधाई दी. सचिव तबरेज आलम ने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह चयन तो महज एक शुरूआत ह

बिहटा में बिजली संकट पर फूटा जनाक्रोश, NH-922 जाम कर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

पटना (एजेंसी) आक्रोशित लोगों ने आरा-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग को दोनों ओर से जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया. सड़क जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गयी. (मोनु कुमार मिश्रा की रिपोर्ट) पटना से सटे बिहटा में बिजली संकट अब लोगों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है. पिछले कई दिनों से क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित रहने और ट्रांसफार्मर जलने की घटनाओं के बीच गुरुवार की देर रात खेदलपुरा गांव के ग्रामीणों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा. आक्रोशित लोगों ने आरा-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग (ठव्ह-922) को दोनों ओर से जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया. सड़क जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गयी. पिछले 48 घंटे कई बार ट्रांसफार्मर जले ग्रामीणों के अनुसार गांव में पिछले 48 घंटे के दौरान कई बार ट्रांसफार्मर जल चुका है. इसके कारण पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था चरमरा गयी है. उमस भरी गर्मी में लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है. पेयजल आपूर्ति से लेकर बच्चों की पढ़ाई और दैनिक कामकाज तक प्रभावित हो रहे हैं. क्षमता से अधिक लोड बना परेशानी की वजह स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव की आबादी और बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रांसफार्मर की क्षमता नहीं बढ़ायी गयी. क्षमता से अधिक भार पड़ने के कारण ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो रहा है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गयी, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया. अधिकारियों पर फोन नहीं उठाने का आरोप प्रदर्शन में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि बिजली संकट के दौरान विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कई बार फोन तक रिसीव नहीं किया गया.

बिहार के 4 जिलों की चमकेगी किस्मत, खगड़िया-पूर्णिया हाइवे बनेगा फोरलेन, नया ग्रीनफील्ड बाईपास भी बनेगा

पटना (एजेंसी) केंद्र सरकार ने बिहार में एनएच-31 और एनएच-231 के खगड़िया-पूर्णिया खंड को 3936.05 करोड़ की लागत से फोरलेन बनाने की मंजूरी दी है. इस प्रोजेक्ट के तहत पूर्णिया में 6.72 किलोमीटर लंबा नया ग्रीनफील्ड बाईपास भी बनाया जाएगा. केंद्र सरकार ने नेशनल हाईवे 31 और एनएच 231 के खगड़िया से पूर्णिया रूट को फोरलेन में अपग्रेड करने की मंजूरी दी है. इस हाईवे प्रोजेक्ट के तहत पूर्णिया शहर में 6.72 किलोमीटर लंबा एक नया ग्रीनफील्ड बाईपास भी बनाया जाएगा. यह नया बाईपास पूर्णिया और डगरूआ के बीच के इलाके में तैयार किया जाएगा. बाईपास बनने से पूर्णिया शहर के लोगों को हर रोज लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम से निजात मिल जाएगी. फोरलेन बनने के बाद खगड़िया से पूर्णिया के बीच का सफर 3.5 घंटे से घटकर महज 2 घंटे का रह जाएगा. इस नए हाईवे को क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों और पूर्णिया एयरपोर्ट से भी सीधे लिंक किया जाएगा. 3936 करोड़ की लागत से बीओटी मोड में बनेगी सड़क केंद्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने खगड़िया-पूर्णिया खंड को फोरलेन में बदलने की मंजूरी दी है. इस प्रस्तावित नए हाईवे की कुल लंबाई 143.529 किलोमीटर होने वाली है. सड़क का निर्माण कार्य पूरी तरह टोल-आधारित यानी बीओटी मोड में किया जाएगा. इस पूरे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को बनाने में सरकार की तरफ से 3936.05 करोड़ खर्च किए जाएंगे. इस अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट से पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार जिलों के लोगों को सीधा फायदा मिलेगा. इस रूट के बनने से वाहन चालकों को जर्जर सड़कों, तीखे मोड़ों और जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी. ईंधन की बचत और पीएम गति-शक्ति केंद्रों से जुड़ाव इस परियोजना के शुरू होने से वाहनों की औसत स्पीड बढ़ेगी और यात्रा का समय दो घंटे कम हो जाएगा. बेहतर सड़क से सड़क सुरक्षा मजबूत होगी, गाड़ियों का ईंधन बचेगा और मेंटेनेंस लागत में कमी आएगी. यह कॉरिडोर 5 पीएम गति-शक्ति आर्थिक केंद्रों जैसे कपड़ा क्लस्टर, मेगा फूड पार्क और सीफूड पार्क को जोड़ेगा. यह मार्ग 11 लॉजिस्टिक केंद्रों, चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों और पूर्णिया हवाई अड्डे से भी सीधे लिंक होगा. हाईवे चार राष्ट्रीय राजमार्गों और दो स्टेट हाईवे से भी जुड़ेगा, जिससे माल और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें सीमांचल और कोसी क्षेत्र की बढ़ेगी कनेक्टिविटी इस फोरलेन सड़क के निर्माण से बिहार के पूरे सीमांचल इलाके को व्यापार में बहुत बड़ा लाभ मिलेगा. पूर्णिया में इस हाईवे का सीधा जुड़ाव एनएच 27 और एनएच 107 से भी किया जाएगा.

बिहार में इस दिन तक कई जिलों में जारी रहेगा आंधी-बारिश का दौर, IMD ने जारी किया डबल अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बिगड़ा रह सकता है. मौसम विभाग ने 6 से 10 जून के बीच कई जिलों में आंधी, बारिश, वज्रपात और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है. कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट घोषित किया गया है. बिहार में अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बिगड़ा रह सकता है. पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 6 जून से 10 जून तक का पूवार्नुमान जारी किया है. इसमें बिहार के कई जिलों में आंधी-तूफान, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई गई है. कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है. पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने अलग-अलग दिनों के लिए जिलों को ग्रीन, येलो और ऑरेंज अलर्ट में रखा है. 6 जून को पूर्वी बिहार में सबसे ज्यादा असर 6 जून को सीमांचल और पूर्वी बिहार के कई जिलों में मौसम खराब रहने की संभावना है. सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इन क्षेत्रों में तेज हवा, गरज-चमक और बारिश की आशंका है. पटना, गया, नालंदा, नवादा, लखीसराय, शेखपुरा, बेगूसराय, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और शिवहर समेत कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. 9 जून को आंधी-बारिश का अलर्ट 9 जून तक मौसम का असर और ज्यादा बढ़ने का अनुमान है. पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर और बांका में तेज आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई है. बक्सर, भोजपुर, पटना, नालंदा, जहानाबाद, अरवल, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय और जमुई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें 10 जून को कैसा रहेगा मौसम पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 10 जून को पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, जहानाबाद, अरवल, नवादा, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर, बांका, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है. इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इन जिलों में तेज हवा, आंधी, बारिश और वज्रपात की आशंका जताई गई है. इसके अलावा पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, वैशाली, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी और दरभंगा जिलों में भी येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग का कहना है

बिहार में बालू घाट चलाने वालों के लिए नया नियम, ज्यादा खनन करने वालों से सरकार वसूलेगी अलग रकम

पटना (एजेंसी) बिहार में बालू घाटों के बंदोबस्तधारियों पर अब सरकार की नजर और सख्त होने वाली है. नई नियमावली के तहत तय सीमा से अधिक बालू खनन करने पर अतिरिक्त स्वामित्व राशि जमा करनी होगी. इसके लिए खनन विभाग ने सभी जिलों को गणना कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है. बिहार में बालू खनन को लेकर सरकार ने नियम और कड़े कर दिए हैं. अब बालू घाटों के बंदोबस्तधारियों को सिर्फ बंदोबस्ती राशि जमा करने से काम नहीं चलेगा. यदि किसी घाट से तय मात्रा से अधिक बालू का खनन किया जाता है, तो उसके लिए अतिरिक्त स्वामित्व राशि भी सरकार को देनी होगी. खनन विभाग ने नई नियमावली लागू होने के बाद सभी जिलों को अतिरिक्त स्वामित्व की गणना करने का निर्देश जारी कर दिया है. माना जा रहा है कि इस व्यवस्था से सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी और बालू घाटों के संचालन में पारदर्शिता भी आएगी. वार्षिक खनन की होगी गणना नई व्यवस्था के तहत बालू घाटों से निकाले गए खनिज की वार्षिक आधार पर गणना की जाएगी. यदि निकाले गए बालू की स्वामित्व राशि, बंदोबस्ती के समय तय राशि से अधिक पाई जाती है, तो अंतर की रकम बंदोबस्तधारी को अतिरिक्त रूप से जमा करनी होगी. सरकार का मानना है कि इससे खनन की वास्तविक मात्रा का आकलन आसान होगा और राजस्व नुकसान को रोका जा सकेगा. 2026 की नई नियमावली के बाद बड़ा बदलाव राज्य सरकार ने बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) (संशोधन) नियमावली, 2026 लागू की है. 6 मई 2026 से प्रभावी इस नियमावली में बालू घाटों के संचालन और स्वामित्व भुगतान से जुड़े कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं. नई व्यवस्था में प्रत्यार्पित बालू घाटों के लिए सुरक्षित जमा राशि तय करने के साथ-साथ स्वामित्व दरों में भी संशोधन किया गया है. अवैध खनन पर लगेगी लगाम खनन विभाग का मानना है कि नए नियम लागू होने से अवैध खनन और कम स्वामित्व राशि जमा करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा. साथ ही सरकार को खनन से मिलने वाले राजस्व का सही आकलन भी हो सकेगा. विशेषज्ञों का कहना है कि यह व्यवस्था बालू कारोबार में जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है. सभी जिलाधिकारियों को जारी हुआ निर्देश खान एवं भूतत्व विभाग ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर अपने-अपने जिलों में अतिरिक्त स्वामित्व राशि की गणना जल्द पूरी कराने का निर्देश दिया है. विभाग ने स्पष्ट किया है कि जहां अतिरिक्त देय राशि की पुष्टि होगी, वहां संबंधित बंदोबस्तधारी से राशि वसूल कर खनन मद में जमा कराई जाएगी.

'शिक्षक पढ़ाता है, मीडियाबाजी नहीं करता, हाइलाइट होने के लिए ये सब हो रहा...', खान सर पर बरसे तेज प्रताप यादव

पटना (एजेंसी) खान सर विवाद में अब तेज प्रताप यादव की भी एंट्री हो गई है. उन्होंने खान सर पर राजनीति और मीडियाबाजी करने का आरोप लगाया है. तेज प्रताप ने कहा कि शिक्षक का काम पढ़ाना होता है, न कि खुद को हाइलाइट करना. टना में कोचिंग सेंटर पर हुए हमले, फायरिंग विवाद और उसके बाद सामने आए उउळश वीडियो को लेकर चल रही बहस में अब राजनीति की भी एंट्री हो गई है. तेज प्रताप यादव ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए खान सर पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का काम पढ़ाना होता है, न कि लोकप्रियता हासिल करना या राजनीति करना. तेज प्रताप ने ये भी आरोप लगाया कि पूरा विवाद खुद को हाइलाइट करने के लिए हो रहा है. तेज प्रताप बोले- शिक्षक मीडियाबाजी नहीं करता, चुपचाप पढ़ाता है मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि शिक्षक का धर्म छात्रों को पढ़ाना होता है. उनके मुताबिक एक सच्चा शिक्षक प्रचार-प्रसार या लोकप्रियता के पीछे नहीं भागता. उन्होंने कहा कि शिक्षक कभी अपनी पॉपुलैरिटी नहीं कराता है, मीडियाबाजी नहीं करता है, चुपचाप पढ़ाता है. तेज प्रताप का यह बयान ऐसे समय आया है जब खान सर के क्लासरूम से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं. ह्यहाइलाइट होने के लिए ये सब करवा रहे हैं तेज प्रताप यादव ने आरोप लगाया कि पूरा घटनाक्रम केवल चर्चा में बने रहने की कोशिश हो सकता है. उन्होंने कहा, ह्यखान सर ये क्यों करवाना चाहते हैं? हाइलाइट होने के लिए ये सब करवा रहे हैं. साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में कुछ लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है. हालांकि, इन आरोपों को लेकर खान सर की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. क्लासरूम में CCTV, छात्रों के सामने हमले का विश्लेषण दरअसल, हाल ही में खान सर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह क्लासरूम में छात्रों को CCTV फुटेज दिखाकर हमले का पूरा घटनाक्रम समझाते नजर आए. वीडियो में वह स्क्रीन पर लोगों की पहचान बताते हुए दिखाई देते हैं. वह छात्रों से कहते हैं कि कुछ लोगों की गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है. ह्यमीडिया आधी सच्चाई दिखा रही है विद्या की कसम भी खाई वीडियो में खान सर यह दावा भी करते नजर आए कि मीडिया घटना का सिर्फ एक हिस्सा दिखा रही है. उन्होंने हाथ में किताब लेकर कहा कि कोचिंग पर गोलियां चली थीं और पूरी सच्चाई सामने नहीं लाई जा रही. अपनी बात पर भरोसा दिलाने के लिए उन्होंने छात्रों के सामने ह्यविद्या की कसमह्ण भी खाई. फायरिंग वीडियो के बाद बढ़ीं कानूनी मुश्किलें 2 जून की रात पटना स्थित कोचिंग सेंटर पर हुए हमले के बाद फायरिंग का वीडियो सामने आया था. वीडियो में सुरक्षा गार्डों द्वारा गोली चलाने का दावा किया गया. मामले में पुलिस पहले ही दोनों गार्ड्स को गिरफ्तार कर चुकी है. हथियार भी जब्त किए गए हैं और जांच जारी है. खान सर भी आर्म्स एक्ट और हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया है.

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

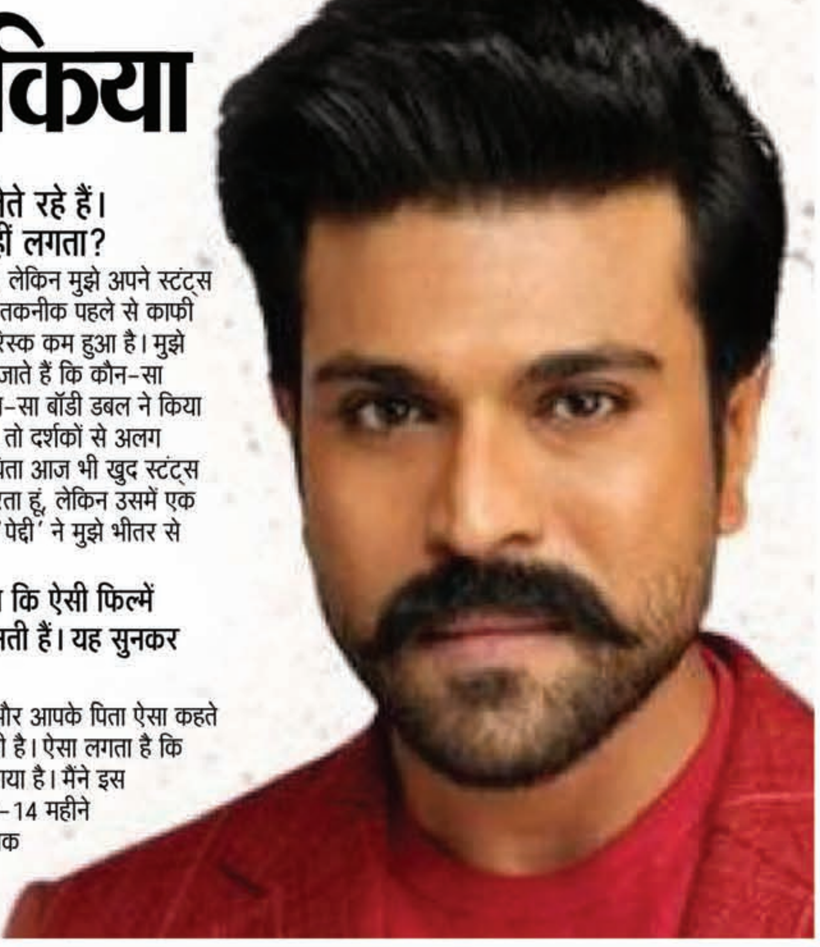

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे छरूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

बाबर की संयमित पारी और शादाब की फिनिशिंग से पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया

एजेंसी

लाहौर : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक वनडे मुकाबले में पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए गुरुवार देर रात 4 विकेट से जीत दर्ज की। कम स्कोर वाले मुकाबले में पाकिस्तान ने लक्ष्य हासिल कर तीन मैचों की वन डे सीरीज अपने नाम कर ली। दूसरे वनडे में 231 रन का सफल बचाव करने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस ने निर्णायक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। उम्मीद थी कि टीम फिर से चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाएगी, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 157 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत खराब रही जब शाहीन अफरीदी ने शुरूआती ओवर में ही मैथ्यू शॉर्ट को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने पारी संभाली और सबसे अधिक 65 रन (71 गेंद) बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। इंग्लिस ने मार्नस लाबुशेन और बाद में एलेक्स कैरी के साथ साझेदारियां बनाकर टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया, लेकिन उनके आउट होते ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी ढह गई। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय 119/3 था, लेकिन इसके बाद टीम ने केवल 37 रन जोड़कर आखिरी 7 विकेट गंवा दिए और 157 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट लिए। स्पिनरों ने भी शानदार भूमिका निभाई। अबरार अहमद ने 10 ओवर में केवल 19 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि शादाब खान ने भी 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरूआत आक्रामक रही। माज सादाकत ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरूआत में रन गति बनाए रखी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने लगातार विकेट लेकर मुकाबले को रोचक बना दिया। इस दौरान बाबर आजम ने बेहद संयमित बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों पर 40 रन बनाए और टीम की जीत की नींव रखी।ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार झटके दिए। उन्होंने 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को दबाव में ला दिया। एक समय पाकिस्तान 119/5 पर संघर्ष कर रहा था, लेकिन अब्दुल समद (18) और शादाब खान (29) ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को 42वें ओवर में जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोर :

ऑस्ट्रेलियाः 157 ऑलआउट (42 ओवर) – जोश इंग्लिस 65; शाहीन अफरीदी 3/30, अबरार अहमद 2/19, शादाब खान 2/28। **पाकिस्तानः** 161/6 (41.5 ओवर) – बाबर आजम 40, शादाब खान 29*; मैथ्यू कुहनेमन 3/38

परिणाम : पाकिस्तान 4 विकेट से विजयी।

दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग के फेज-2 ट्रायल्स 7 जून को पहले चरण की सफलता के बाद बढ़ाया गया दायरा

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीवीपील) ने अपने पहले चरण के सफल आयोजन के बाद अब दूसरे चरण के ट्रायल्स की शुक्रवार को घोषणा कर दी है। फेज-2 ट्रायल्स 7 जून (रविवार) को सुबह 8:00 बजे से लक्ष्मी पब्लिक स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। लीग के पहले चरण के ट्रायल्स को खिलाड़ियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। आयोजकों के अनुसार, जिन खिलाड़ियों को पुष्टि कॉल प्राप्त हुई थी, उनमें 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जो लीग के पहले सीजन को लेकर खिलाड़ियों के उत्साह को दर्शाता है। अब डीपीवीएल ने अपनी प्रतिभा खोज प्रक्रिया को दिल्ली से बाहर उत्तर भारत के अन्य राज्यों तक विस्तार दिया है। फेज-2 ट्रायल्स के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर सहित सात राज्यों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों को उम्मीद है कि इस चरण में उत्तर भारत की कई उभरती हुई वॉलीबॉल प्रतिभाएं अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगी। सभी ट्रायल चरणों के पूरा होने के बाद चयनित खिलाड़ियों को आधिकारिक प्लेयर ऑक्शन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जहां लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने स्क्वॉड का चयन करेंगी। दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग खुद को भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली पेशेवर वॉलीबॉल लीग के रूप में स्थापित कर रही है। लीग का उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए एक संरचित मंच तैयार करना, प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना और वॉलीबॉल को अधिक पेशेवर पहचान दिलाना है। इस वर्ष की शुरूआत में दिल्ली वॉलीबॉल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से शुरू की गई इस लीग का लक्ष्य भारत में वॉलीबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मजबूत अवसर तैयार करना है।

राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग में मुरादाबाद की अक्षरा ने जीते दो स्वर्ण पदक

एजेंसी

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद की 12 वर्षीय खिलाड़ी अक्षरा कुशवाहा ने आर्म रेसलिंग में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। अक्षरा ने गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में 28 मई से 3 जून तक आयोजित राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में यह उपलब्धि हासिल की। खुशहालपुर स्थित पूनम विहार निवासी मुकेश कुशवाहा और सोनी गंगवार की बेटी अक्षरा कुशवाहा सेंट मैरीज स्कूल, बुद्धि विहार में कक्षा सात की छात्रा हैं। अक्षरा ने राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में सब जूनियर वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए दोनों मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उत्तर प्रदेश से कई खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, लेकिन मुरादाबाद की अक्षरा दो स्वर्ण पदक जीतने वाली जिले की एकमात्र बालिका खिलाड़ी रहीं। अक्षरा कुशवाहा के माता-पिता ने बेटी की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि अक्षरा की सफलता न केवल मुरादाबाद का बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

श्रेयस अय्यर बने काबुनी के सुपर कोच, क्रिकेट प्रशिक्षण को मिलेगा तकनीक का साथ

एजेंसी

मुंबई : एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सुपर कोच के रूप में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का मानना है कि श्रेयस अय्यर के जुड़ने से तकनीक और विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव को एक मंच पर लाने की उसकी पहल को नई गति मिलेगी। श्रेयस अय्यर अब काबुनी के सुपर कोच समूह का हिस्सा बन गए हैं, जिसमें पहले से सौरव गांगुली, शेन वॉटसन और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज शामिल हैं। ये सभी 7 जून को मुंबई में आयोजित काबुनी शोकेस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान कंपनी अपने प्लेटफॉर्म और उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध अवसरों को प्रस्तुत करेगी। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में वॉन्ट टू प्ले फॉर ए लीजेंड नाम का राष्ट्रीय युवा क्रिकेट टूर्नामेंट भी शामिल होगा, जिसकी शुरूआत जून में होगी। इसमें 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी काबुनी की तकनीक आधारित मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से अपना प्रदर्शन दिखाएंगे और श्रेयस अय्यर की टीम में स्थान पाने का अवसर हासिल करेंगे। काबुनी खिलाड़ियों के प्रदर्शन और गेंद से जुड़े आँकड़ों का वास्तविक समय में विश्लेषण करता है और उन्हें आवाज, वीडियो तथा दृश्य आधारित व्यक्तिगत फीडबैक उपलब्ध कराता है। यह मंच छोटे-छोटे सुधारों के माध्यम से खिलाड़ियों के दीर्घकालिक विकास की अवधारणा पर कार्य करता है। बायोमैकेनिक्स और गति विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों की सहायता से काबुनी ऐसी प्रशिक्षण सुविधाएँ खिलाड़ियों तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है, जो पहले केवल उच्च स्तर के क्रिकेटरों तक सीमित मानी जाती थीं। श्रेयस अय्यर ने कहा, भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत सही मार्गदर्शन और सटीक फीडबैक की है। खिलाड़ी जहाँ हैं और जहाँ पहुँचना चाहते हैं, उसके बीच का अंतर बहुत छोटा होता है। काबुनी इस दूरी को कम करने का प्रयास कर रहा है और खिलाड़ियों को तेजी से आगे बढ़ने के लिए बेहतर साधन दे रहा है।

अंडर-18 महिला एशिया कप : शूटआउट में चीन से हारा भारत, फाइनल का सपना टूटा

एजेंसी

जापान : भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम का फाइनल में पहुंचने का सपना बेहद रोमांचक मुकाबले में शुक्रवार को टूट गया। महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत ने चीन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहने के बाद शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही चीन ने फाइनल में जगह बना ली। भारत की ओर से नौशीन नाज ने तीसरे मिनट में और किरण एक्का ने 54वें मिनट में गोल किए। चीन के लिए ली जेयान ने 24वें मिनट और झांग युजेंग ने 48वें मिनट में गोल दागे। भारत ने मुकाबले की शुरूआत शानदार अंदाज में की। तीसरे ही मिनट में कप्तान स्वीटी कुजूर के बेहतरीन पास पर नौशीन नाज ने घेरे के अंदर से दमदार प्रहार कर गेंद को जाल में पहुंचाया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने अवसर बनाए, लेकिन कोई और गोल नहीं हो सका। दूसरे क्वार्टर में चीन को 21वें मिनट में दंड कोना मिला, लेकिन भारतीय गोलरक्षक महक परिहार ने शानदार बचाव किया। हालांकि 24वें मिनट में भारतीय रक्षा पंक्ति की गलती का फायदा उठाकर ली जेयान ने मैदानी गोल कर चीन को बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में चीन ने अधिक समय तक गेंद अपने नियंत्रण में रखी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षण किया। भारत को भी लगातार दंड कोने मिले, मगर टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। चौथे क्वार्टर में 48वें मिनट में चीन ने दंड कोने पर बढ़त बनाई। शुरूआती प्रहार रोके जाने के बाद रीबाउंड पर झांग युजेंग ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, भारतीय टीम ने शानदार वापसी की और 54वें मिनट में किरण एक्का ने दंड कोने को गोल में बदलकर मुकाबला फिर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक कोई और गोल नहीं होने पर फैसला शूटआउट से हुआ।

फॉर्मूला-1 और लास वेगास के बीच 2037 तक करार अगले दस वर्षों तक स्ट्रिप पर दौड़ेंगी रेस कारें

एजेंसी

लास वेगास : फॉर्मूला-1 ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि प्रतिष्ठित लास वेगास ग्रां प्री अब 2037 तक आयोजित होती रहेगी। नए 10 वर्षीय विस्तार समझौते के तहत फॉर्मूर्ला-1, लास वेगास ग्रां प्री इंक., क्लार्क काउंटी प्रशासन और लास वेगास कन्वेंशन एंड विजिटर्स अथॉरिटी (एलवीसीवीए) ने इस वैश्विक आयोजन के भविष्य को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित किया है। 2023 में फॉर्मूर्ला-1 कैलेंडर में शामिल होने के बाद लास वेगास ग्रां प्री ने खुद को दुनिया के सबसे चर्चित मोटरस्पोर्ट आयोजनों में स्थापित किया है। लास वेगास स्ट्रिप के बीचोंबीच होने वाली यह रेस अब केवल खेल आयोजन नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, व्यवसाय और पर्यटन का वैश्विक मंच बन चुकी है। 6.2 किलोमीटर लंबे लास वेगास स्ट्रिप सर्किट पर ड्राइवर 322 किमी प्रति घंटे (200 मील प्रति घंटा) से अधिक की रफ्तार से दौड़ते हैं। यह ट्रैक बेलाजियो, सीजर्स पैलेस, विन लास वेगास और द वेनेशियन रिजॉर्ट जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के बीच से गुजरता है। रेस के इतिहास में अब तक मैक्स वर्स्टैपेन ने दो बार (2023 और 2025) जीत हासिल की है, जबकि जॉर्ज रसेल ने 2024 में खिताब अपने नाम किया था। 2024 के आयोजन में कुल 113 ओवरटेक देखने को मिले थे और उसी वर्ष वर्स्टैपेन ने लगातार चौथा एफआईए फॉर्मूला-1 विश्व

चैम्पियनशिप खिताब जीता था। आर्थिक प्रभाव के मामले में भी यह आयोजन बेहद सफल रहा है। 2023 से 2025 तक केवल तीन संस्करणों में इस ग्रां प्री ने दक्षिणी नेवादा की अर्थव्यवस्था में कुल 3.2 अरब डॉलर का योगदान दिया। सभी तीनों संस्करण पूरी तरह सोल्ड आउट रहे। केवल 2025 में इस आयोजन से 4.3 करोड़ डॉलर का राज्य और स्थानीय कर राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें से 1.5 करोड़ डॉलर स्थानीय ङ-12 शिक्षा कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए। इसके अलावा, लास वेगास ग्रां प्री फाउंडेशन ने अब तक गैर-लाभकारी संस्थाओं को 20 लाख डॉलर से अधिक का सहयोग दिया है और स्थानीय छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। फॉर्मूला-1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि लास वेगास ने कम समय में खुद को अमेरिका में फॉर्मूला-1 की पहचान का प्रमुख केंद्र बना लिया है और यह विस्तार उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। वहीं, लास वेगास ग्रां प्री इंक. की अध्यक्ष और सीईओ एमिली प्रेजर ने कहा कि 2037 तक का विस्तार स्थानीय साझेदारियों की सफलता और समुदाय के सहयोग का परिणाम है। एलवीसीवीए के अध्यक्ष और सीईओ स्टीव हिल ने इसे लास वेगास और फॉमूर्ला-1 दोनों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह आयोजन अब शहर की वैश्विक पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है।

संक्षिप्त खबरें

'लॉर्ड्स टेस्ट' अब मूविंग डे तीसरे नहीं पहले दिन होता है : काइल जैमीसन

लंदन : लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को 16 विकेट गिरने के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने कहा कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में अब पारंपरिक मूविंग डे तीसरे दिन नहीं, बल्कि पहले दिन ही आ गया है। पहले दिन के खेल में दोनों टीमों के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 140 रन पर सिमट गई, जबकि जवाब में न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। जैमीसन ने दिन के खेल के बाद कहा,शायद अब टेस्ट मैच का मूविंग डे तीसरे दिन से पहले दिन पर आ गया है। इस समय इसे पूरी तरह समझना मुश्किल है। सुबह हमें बल्लेबाजी में अभी काफी काम करना है और उसके बाद गेंदबाजी में भी फिर मौका मिलेगा। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे दिन इंग्लैंड से अभी भी 79 रन पीछे रहते हुए बल्लेबाजी शुरू करेगी और उसके केवल चार विकेट शेष हैं। टीम की कोशिश होगी कि किसी तरह इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा जाए। हालांकि, न्यूजीलैंड की चिंता तेज गेंदबाज मैट हेनरी की फिटनेस को लेकर भी बढ़ गई है। हेनरी पहले दिन केवल चार ओवर गेंदबाजी कर पाए और पीठ में ऐंठन के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। जैमीसन ने उम्मीद जताई कि हेनरी मैच में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, उनका मैदान छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उम्मीद है कि इस टेस्ट में किसी समय हम उन्हें दोबारा गेंदबाजी करते देखेंगे। खुद जैमीसन भी लंबे समय तक पीठ की चोट से जूझ चुके हैं। लॉर्ड्स टेस्ट उनके लिए 2024 के बाद पहला टेस्ट मैच है। पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वे लंबे समय तक बाहर रहे थे। वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अनुकूल गेंदबाजी परिस्थितियों में पांच विकेट अपने नाम किए। अपनी वापसी पर जैमीसन ने कहा, जब आप पूरी मेहनत करते हैं और फिर चोट दोबारा हो जाती है तो आप सोचते हैं कि आखिर गलती कहां हुई। लेकिन रिहैब प्रक्रिया और कारणों को समझने के बाद मुझे भरोसा मिला कि समस्या सिर्फ मुझमें नहीं थी, कई वजहें थीं जिनसे यह हुआ। जैमीसन की शानदार गेंदबाजी ने न्यूजीलैंड को मुकाबले में बनाए रखा है और अब दूसरे दिन दोनों टीमों के लिए मैच का रुख तय करने वाला साबित हो सकता है।

नॉर्वे शतरंज 2026 : प्रज्ञानानंद ने ऑल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया

नॉर्वे : नॉर्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आमार्गेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी। दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरजा फिरोजजा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आमार्गेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

रोम डायमंड लीग 2026: नोहा लाइल्स ने 100 मीटर रेस जीता

रोम : ओलंपिक चैंपियन नोहा लाइल्स ने गुरुवार को रोम डायमंड लीग 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने भाला फेंक में ऐतिहासिक प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। लाइल्स ने 100 मीटर दौड़ 9.88 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण स्थान हासिल किया। कैमरून के इमैनुएल एसेमे दूसरे और बोत्सवाना के लेट्सिले टेबोगो तीसरे स्थान पर रहे। इटली के पूर्व ओलंपिक चैंपियन मार्सेल जैकब्स पांचवें स्थान पर रहे। भाला फेंक स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने 92.62 मीटर का थ्रो कर प्रतियोगिता जीत ली और इस स्पर्धा की सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने मार्च में बनाए अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.37 मीटर को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि वे अभी भी महान चेक खिलाड़ी यान जेलेज्नी के 98.48 मीटर विश्व रिकॉर्ड से पीछे हैं। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में जूलियन अल्फ्रेड ने विश्व चैंपियन मेलिसा जेफरसन-वूडेन को हराते हुए पहला स्थान हासिल किया। अल्फ्रेड ने 21.93 सेकंड में दौड़ पूरी की, जबकि जेफरसन-वूडेन दूसरे और अनाविया बैटल तीसरे स्थान पर रहीं।

डिस्ट्रिक्ट इंटर क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट : रुक्मणी एकेडमी रेड ने रुक्मणी ब्लू को 3 विकेट से हराया

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में डिस्ट्रिक्ट इंटर क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट में शुक्रवार को रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर खेले गए एक लीग मैच में रुक्मणी एकेडमी रेड ने रुक्मणी एकेडमी ब्लू टीम को तीन विकेट से हराया। मैच में सबसे ज्यादा रन अतिरिक्त के रूप में मिले। जिनकी बदौलत दोनों टीमों का स्कोर आगे बढ़ा। विजेता टीम को कुल 52 अतिरिक्त रन मिले। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करते हुए रुक्मणी एकेडमी ब्लू टीम 34.5 ओवर में 119 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से यश ने सबसे अधिक 28 रन बनाए, जबकि अलमाज ने 20 और मो. उवैस ने पांच रन का योगदान दिया। बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। टीम के कुल 119 रन में 50 रन अतिरिक्त के रूप में मिले।

एक नजर

पाकिस्तानी हवाला नेटवर्क में हरिद्वार से एक और शिक्षिका गिरफ्तार

हरिद्वार : पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध हवाला नेटवर्क और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरिद्वार की एक और महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर ले गई है। जानकारी के अनुसार जम्मू पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध हवाला नेटवर्क और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मामले में शिक्षिका सोनम को गिरफ्तार किया गया था। सोनम से पूछताछ के दौरान शिक्षिका सोनम की सहेली पूजा का नाम सामने आया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से पूजा की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद गुरुवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने पूजा के घर पर छापा मारकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। रुड़की क्षेत्र की रहने वाली पूजा को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर ले गई है। हरिद्वार के एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि पूजा एमएससी की छात्रा है और एक कॉलेज में पढ़ाती है। पढ़ाई और नौकरी के दौरान उसकी दोस्ती सोनम से हुई थी। जांच में सामने आया है कि दोनों युवतियां जम्मू-कश्मीर के ऐसे युवकों के संपर्क में थीं, जिनके तार पाकिस्तान से जुड़े होने की आशंका है। पुलिस जांच के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के कुछ युवक दोनों के खातों में धनराशि भेजते थे। इसके बाद यह रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती थी। इस पूरे नेटवर्क में कमीशन के बदले बैंकिंग चैनलों का इस्तेमाल कर संदिग्ध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे। मामले की शुरूआत कठुआ जिले में राहुल खान नामक युवक की गिरफ्तारी से हुई थी। पूछताछ में राहुल ने सोनम का नाम बताया था। सोनम की गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ कि वह अपनी मित्र पूजा के माध्यम से उमर नामक व्यक्ति के संपर्क में आई थी। उमर ने उसे अपने रिश्तेदार हसीन से मिलवाया था। इसके बाद सोनम को पार्सल के जरिए एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और बैंक पासबुक उपलब्ध कराई गईं।

देश की आर्थिक बुनियाद आलोचकों की कल्पना से कहीं अधिक मजबूत : भाजपा

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने के अनुमान पर संतोष जाहिर करते हुए कांग्रेस की आलोचना की है। भाजपा ने कहा कि जिन लोगों ने महीनों तक भारत में आर्थिक मंदी की भविष्यवाणी की थी, उनके लिए वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले 7.1 प्रतिशत थी। भाजपा प्रवक्ता जफर इस्लाम ने यहां पत्रकारों से कहा कि यह ईरान संघर्ष, टैरिफ युद्ध और वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद संभव हुआ है। एक बार फिर, हमारी आर्थिक बुनियाद आलोचकों की कल्पना से कहीं अधिक मजबूत साबित हुई है। मोदी सरकार में विकास को नीति-निर्माण के केंद्र में रखा गया है। कई महीनों तक हमें बताया गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी पड़ रही है, उसकी गति धीमी हो रही है। नवीनतम जीडीपी अनुमान एक अलग ही कहानी बयां करते हैं। जफर इस्लाम ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में विकास दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 7.1 प्रतिशत से अधिक है। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नीतिगत निरंतरता और आर्थिक प्रबंधन का प्रतिबिंब है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के नाममात्र मूल्य के हिसाब से 346 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जो लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था और भी बड़ी और तेजी से विकसित हो रही है।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर दीं शुभकामनाएं

एजेंसी

नयी दिल्ली : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। सभी नेताओं ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जैव विविधता संवर्धन और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए नागरिकों से प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए

भारतीय सभ्यता की प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की परंपरा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरल का संदेश "संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और सभी जीवों की रक्षा" आज के समय में पहले से अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और टिकाऊ विकास के सिद्धांतों को अपनाने का आग्रह किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि पर्यावरण केवल मानव जीवन का आधार नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने बताया कि भारतीय संसद पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। संसद परिसर में पेपरलेस कार्यप्रणाली, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, हरित संसदीय भवन और स्वच्छ परिसर जैसी अनेक पहलें सफलतापूर्वक लागू की जा रही हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने, सतत विकास को बढ़ावा देने और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन बताते हुए देशवासियों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाला राष्ट्र बन चुका है। शाह ने नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, सौर ऊर्जा विस्तार और वनावरण वृद्धि को भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताते हुए कहा कि ये प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक विकास को भी गति प्रदान कर रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर कहा कि "पेड़ लगाने का अर्थ जीवन लगाना है। उन्होंने वृक्षारोपण को पर्यावरण संरक्षण का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम बताते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने के लिए हर नागरिक को इस दिशा में योगदान देना चाहिए।

बीएसएफ त्रिपुरा से बंगाल व बिहार तक, सीमा पर हर चुनौती का कर रही है सामना : अमित

एजेंसी

लंकामुड़ा : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा के लंकामुड़ा स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लंकामुड़ा सीमा चौकी (बीओपी) का निरीक्षण किया और सीमा प्रहरियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने अगरतला में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें देश को स्मगलिंग, मानव तस्करी, देश के युवाओं को नशे से सुरक्षित करना होगा। नारकोटिक्स हो, मानव तस्करी, हथियारों की स्मगलिंग या ड्रोन की चुनौती, बीएसएफ त्रिपुरा से बंगाल और बिहार तक, सीमा पर हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर रही इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, केन्द्रीय गृह सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक,

सीमा सुरक्षा बल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, अखंडता और आत्मसम्मान के प्रति समर्पित गुरुजी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भले ही नई पीढ़ी को गुरुजी के प्रत्यक्ष दर्शन का अवसर नहीं मिला, लेकिन उनके विचार आज भी राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर राहुल का ऑनलाइन अभियान, युवाओं से विरोध की अपील

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक बार फिर 'ग्रेट निकोबार' द्वीप का मुद्दा उठाया और एक वीडियो जारी कर सरकार पर आरोप लगाया कि 72 हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना से पर्यावरण को नुकसान होगा।

राहुल ने आरोप लगाया कि परियोजना से 1.5 करोड़ पेड़ नष्ट होंगे, प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुंचेगा, समुदायों का विस्थापन होगा। इसमें आईएनएस बाज जैसे वास्तविक रक्षा ढांचे के उन्नयन की उपेक्षा की जा रही है। इससे एक व्यवसायी को लाभ होगा। वे यहां होटल और कैसीनो बनाएगा।

राहुल ने एक्स पर कहा, "कोई भी लाभ हमें उसे नष्ट करने से रोकता है

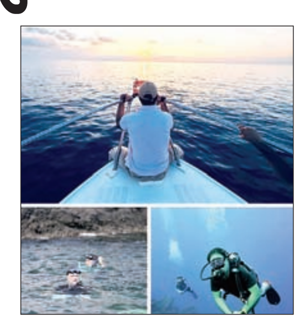

जिसे कभी वापस नहीं पाया जा सकता। मैं पारिस्थितिक रूप से संतुलित विकास का समर्थक हूं। ये द्वीप दुनिया के सबसे असाधारण टिकाऊ पर्यटन स्थल बन सकते हैं। यही वह भारत है जिसके लिए संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विश्व पर्यावरण दिवस पर वे हर युवा भारतीय से एक सवाल पूछना चाहते हैं कि आप किस तरह का भारत विरासत में पाना चाहते हैं राहुल ने साथ ही एक ऑनलाइलन कैंपेन भी शुरू किया जिसमें वे कह रहे हैं- "याचिका पर हस्ताक्षर करें। मोदी सरकार को बताएं कि हम किसे चुनते हैं।" राहुल और कांग्रेस की ओर से उनकी हाल ही की ग्रेट निकोबार द्वीप की यात्रा की तस्वीरें और वीडियो जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि परियोजना के समर्थक इसे भारत की एक्ट ईस्ट रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि आलोचक इसे पर्यावरण और जलीय जीवों के लिए खतरे के तौर पर देखते हैं। दूसरी ओर अधिकारियों ने कहा है कि 20 वर्षों में केवल 1.82 प्रतिशत जंगलों में लगभग 7 लाख पेड़ काटे जाएंगे, 66 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को हरित क्षेत्र के रूप में संरक्षित किया जाएगा, 24,750 हेक्टेयर में क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण किया जाएगा और जनजातीय संरक्षण के उपाय लागू रहेंगे।

50 हजार से 50 लाख तक की फंडिंग की घोषणा

ग्रामीण और छोटे शहरों के यंग इनोवेटर्स को मिलेगा 'पीआर 2477' का साथ

एजेंसी

नयी दिल्ली : पब्लिक रिलेशन क्षेत्र की अग्रणी संस्था पीआर 24x7 ने देश के युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को मजबूत आर्थिक सहयोग देने के उद्देश्य से एक बेहद खास और महत्वाकांक्षी पहल 'प्रगति' की शुरूआत की है। इस नई पहल के तहत संस्था ने शुरूआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज में 50 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देने का फैसला किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के ग्रामीण परिवेश और छोटे शहरों से आने वाले बेहतरीन और अनोखे बिजनेस आइडियाज सिर्फ पैसों की तंगी की वजह से दम न तोड़ें। वर्तमान

- युवाओं के सपनों के बीच नहीं आएगी फीस या मीडिएटर की दीवार
- 100% पारदर्शिता के साथ चुने जाएंगे इनोवेटिव आइडियाज
- कम कागजी कार्रवाई में मिलेगा फंडिंग का अवसर

में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, जहाँ हर साल हजारों नए बिजनेस उभरकर सामने आते हैं। लेकिन विभिन्न विश्वसनीय बिजनेस रिपोर्ट्स और इकोनॉमिक सर्वे के आंकड़े एक कड़वा सच भी बयां करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में शुरू होने वाले लगभग 90 प्रतिशत स्टार्टअप्स शुरूआती 5 वर्षों के भीतर ही बंद हो जाते हैं। बाजार में मांग की कमी के बजाय, इनके असफल होने का सबसे बड़ा कारण सही समय पर सीड फंडिंग, सही इन्वेस्टर या एक बेहतर मेंटर का न मिलना है। इसके अलावा, देश का 80 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप इन्वेस्टमेंट केवल बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे बड़े मेट्रो शहरों तक ही सीमित रह जाता है, जिसके कारण ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों के होनहार युवाओं के आइडियाज पैसों के अभाव में दम तोड़ देते हैं। इस महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए पीआर 24x7 के फाउंडर, डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि, रूअसली सितारे और भविष्य के बड़े बिजनेस आइडियाज हमारे ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों में बसते हैं। इन युवाओं के पास विजन भी है और जज्बा भी, कमी है तो बस एक सही शुरूआत और आर्थिक सहयोग की। हमारी इस पहल का मकसद गैप को भरना है। हम नहीं चाहते कि किसी युवा का यूनिक आइडिया सिर्फ इसलिए पिछड़ जाए क्योंकि उसके पास बैंक बैलेंस नहीं है। हम उन्हें न सिर्फ 50 हजार से 50 लाख तक का फंड देंगे, बल्कि उनके सपनों को एक नई पहचान दिलाने में भी मदद करेंगे।

साहित्यकार राबीलाल टुडू का निधन, साहित्य अकादमी ने जताया शोक

नयी दिल्ली : संथाली भाषा के लेखक एवं नाटककार राबीलाल टुडू का गुरुवार को पश्चिम बंगाल के बारासात के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 76 साल के थे। उनके निधन पर साहित्य अकादमी ने गहरा दुख जताया। साहित्य अकादमी ने राबीलाल टुडू के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। साहित्य अकादमी के मुताबिक संताली भाषा तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के प्रति राबीलाल टुडू का आजीवन समर्पण अद्वितीय रहा है। उनकी साहित्यिक यात्रा और महान योगदान को देश ने आधिकारिक तौर पर सम्मानित किया।

वायु सेना प्रमुख ने फ्रांस दौरे में ऑर्लियंस एयरबेस से ए-400एम विमान में उड़ान भरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने फ्रांस की अपनी तीन दिन की आधिकारिक यात्रा के दौरान प्रमुख रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने में मदद मिली। उन्होंने ऑर्लियंस एयरबेस से ए-400एम विमान में उड़ान भरकर इसकी क्षमता को परखा।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बलार्ड के एयर एंड स्पेस फोर्स मुख्यालय में चीफ ऑफ स्टाफ जनरल जेरोम बेलेंजर के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। यहां उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' के

- तीन दिन की आधिकारिक यात्रा के दौरान प्रमुख रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

साथ सैन्य सम्मान दिया गया। एयर चीफ मार्शल ने फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति के सैन्य स्टाफ प्रमुख जनरल विंसेंट गिराउड से भी मुलाकात की और 'इकोल डी गुएरे', 'इकोल मिलिटेयर' में अधिकारियों को संबोधित किया, जिनमें एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत वहां मौजूद भारतीय

ऑफिसर कैडेट भी शामिल थे। एयर स्टाफ प्रमुख ने मोंट-डी-मार्सन एयर कॉम्बैट सेंटर का दौरा किया। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने बताया कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की इस यात्रा ने भारतीय वायु सेना और फ्रेंच एयर एंड स्पेस फोर्स के बीच गहरी साझेदारी को और मजबूत किया है। एयर चीफ ने ऑर्लियंस एयरबेस से ए-400एम विमान में उड़ान भरी और डसॉल्ट एविएशन, थेल्स, सफरान और एमबीडीए जैसी प्रमुख रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने में मदद मिली।

भारत ने एक जून को 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने के लिए लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की बड़ी सरकारी-से-सरकारी डील के लिए फ्रांस को 'लेटर ऑफ रिक्वेस्ट' (एलओआर) जारी किया है।

संक्षिप्त खबरें

'एक पेड़ मां के नाम' राष्ट्रीय जनआंदोलन बना : जेपी नड्डा

शिलांग : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अब एक राष्ट्रीय जनआंदोलन का रूप ले चुका है। पौधरोपण के बाद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि 5 जून, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोगों को प्रकृति के संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में लाखों भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता इस अभियान के तहत पौधरोपण कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि यह कार्यक्रम माताओं के निस्वार्थ प्रेम, स्नेह, त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए समर्पित है। प्रकृति और मां के बीच समानता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार एक मां जीवनभर अपने बच्चों का पालन-पोषण और संरक्षण करती है, उसी प्रकार प्रकृति भी मानवता का पोषण और संरक्षण करती है। इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। नड्डा ने कहा कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के कल्याण के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरूआत के बाद से इसका दायरा लगातार बढ़ता गया है। वर्ष 2024 में आरंभ हुआ यह अभियान 2025 में व्यापक रूप से विस्तारित हुआ और 2026 में एक अखिल भारतीय जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। उन्होंने कहा कि आज देशभर में करोड़ों भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक पौधरोपण तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं, जिससे प्रकृति संरक्षण के प्रति जनजागरूकता और जनसहभागिता दोनों को मजबूती मिल रही है।

राज्यसभा उपचुनावः भाजपा प्रत्याशी देबाशीष सामंतराय ने किया नामांकन

भुवनेश्वर : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा उपचुनाव उम्मीदवार देबाशीष सामंतराय ने शुक्रवार को ओडिशा से होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सामंतराय ने निर्धारित कार्यालय में तीन सेटों में नामांकन पत्र जमा किए। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे और उन्होंने उम्मीदवार के प्रति अपना समर्थन जताया। नामांकन दाखिल करने के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव, मंत्री सुरेश पुजारी, डॉ. मुकेश महालिंग, कृष्ण चंद्र पात्र तथा विधायक आकाश दास नायक सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले देबाशीष सामंतराय ने भुवनेश्वर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा कि देबाशीष सामंतराय के पार्टी में शामिल होने से भाजपा की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले दिनों में कुछ अन्य नेता भी भाजपा का दामन थाम सकते हैं। राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर देबाशीष सामंतराय ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "भाजपा ने मुझ पर विश्वास जताया है। मैं राज्य के विकास और जनता के हित में जो भी आवश्यक होगा, उसे पूरी निष्ठा के साथ पूरा करूंगा।" ओडिशा राज्यसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और भाजपा ने सामंतराय को इस चुनाव में अपना प्रमुख उम्मीदवार बनाया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व सामंतराय ने बीजू जनता दल तथा राज्यसभा से त्यागपत्र दिया था । इसके बाद वह नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गये थे । गुरुवार को ही भाजपा ने राज्यसभा उम्मीदवार के लिए उनके नाम की घोषणा की थी।

कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मीना कुमारी सहित सात विशेषज्ञ सम्मानित

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के 33वें स्थापना दिवस के मौके पर कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। पत्रकार एवं स्कॉलर डॉ. मीना कुमारी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एपी शिंदे सिम्पोजियम हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के 33वें स्थापना दिवस समारोह में पद्म पुरस्कार विजेता एवं एनएएएस फेलो डॉ. पीएल गौतम, डॉ. अशोक के सिंह, किसान प्रतिनिधि श्रीरंग देवबा लाड, उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तित्व डॉ. मीनेश शाह और दिलीप संघानी सहित मीडिया क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार संजीब मुखर्जी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनएएएस-यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड और एनएएएस-धनुका अवॉर्ड भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अशोक के. सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जबकि डॉ. बीएस द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अकादमी के अध्यक्ष डॉ. एमएल जाट ने कहा कि विज्ञान, उद्योग, मीडिया और किसान समाज के चार ऐसे स्तंभ हैं, जिनके समन्वय से ही कृषि क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। सम्मानित सभी व्यक्तित्वों ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर इस सेतु को मजबूत बनाया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902